शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

आदिवासी एकता महारैली में उमड़ा जनसैलाब, भरी हुंकार

हेमंत को फंसाया गया, 2024 में एकजुट रहें आदिवासी

कौशल आनंद/बसंत मुंडा। रांची

आरएसएस से संबद्ध जनजाति सुरक्षा मंच की हाल में ही हुई डी-लिस्टिंग रैली के जवाब में आदिवासी एकता महारैली का आयोजन रविवार को हुआ. झारखंड जनाधिकार मंच द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित इस महारैली में आदिवासियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया. रैली में आदिवासी एकता महारैली के बाद झारखंडी एकता महारैली करने का एलान हुआ. इसके लिए गांव-गांव जनजागरण करने की बात कही गयी. रैली में हेमंत सोरेन का मुद्दा छाया रहा. वक्ताओं ने कहा कि एक आदिवासी सीएम को साजिश के तहत फंसाया गया है. इसलिए इसका जवाब आदिवासी 2024 के लोकसभा और विस चुनाव में एकजुट होकर दें. लोकसभा की सभी 14 और विधानसभा का 81 में 81 सीट जिता कर हेमंत सोरेन को बतौर तोहफा देने का काम करें. आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजी राव वोगे ने कहा कि पूरे देश में एक ही आदिवासी सीएम था. उसे भी भाजपा ने षड्यंत्र करके अपनी एजेंसियों के माध्यम से गद्दी से हटा दिया. उन्होंने कहा कि भारत के आदिवासियों को जो अधिकार बाबा भीम राव अंबेडकर ने संविधान के तहत दिया, से कोई छीन नहीं सकता है. आदिवासियों को जो आरक्षण या अन्य सुविधाएं मिली हैं वह जाति के आधार पर मिली हैं, न कि धर्म के नाम पर. अगर कोई धर्म परिवर्तन कर लेता है तो उसकी जाति खत्म नहीं हो जाती. आरक्षण को जाति के आधार पर किया गया है न कि धर्म के आधार पर. भाजपा के राज में जल, जंगल और जमीन खतरे में है. जबकि इस देश का असली मालिक तो आदिवासी ही है. देश के अगर 14 करोड़ आदिवासी एकजुट हो जाएं, तो मोदी जी को गद्दी छोड़नी पड़ेगी.

कहा- आदिवासियों को बांट नहीं सकते भाजपा-आरएसएस, धर्म नहीं जाति के आधार पर मिले हैं संवैधानिक अधिकार-आरक्षण

भाजपा बाहरियों की जमात, उल्टा-पुल्टा पढ़ाते रहते हैं : बंधु

रैली के आयोजक प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि हमारे आदिवासी सीएम हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेज दिया गया. ये लोग आदिवासी को देख ही नहीं सकते. यह चुनावी साल है. इस साल आदिवासियों को एकजुट होकर भाजपा-आरएसएस के कुचक्र का जवाब देना होगा. भाजपा में बाहरी लोगों की जमात है. ये लोग उल्ट-पुल्टा बोलते हैं, उल्टा पुलटा पढ़ाते हैं. हम भी पढ़ना-लिखना जान गए हैं. अब आएं हम दिकुओं को पढ़ाऐंगे. इन लोगों ने 2019 में सरना धर्म कोड का वादा किया, जब हमारी सरकार ने प्रस्ताव भेजा, तो कुंडली मारके बैठ गए. यहां 14 में 12 सांसद भाजपा के हैं, ये लोग कभी सरना धर्म कोड की बात क्यों नहीं करते हैं. हर चीज की गलत व्याख्या करते हैं. हम आदिवासी इस देश के मूलवासी हैं. हर चीज पर हमारा हक है. आज दुनिया बची है तो आदिवासियों के कारण. हम खुद के साथ-साथ पेड़ पौधे, जल,जंगल जमीन और जीव जंतुओं को बचाते हैं. मगर ये भाजपा-आरएसएस के लोग जंगल तक बेचने पर उतारू हैं. अब समय आ गया है कि हमें एकजुट होकर संघर्ष करना होगा तभी आदिवासी और आदिवासियत बचेगी.

महारैली के रहे ये मुद्दे

1. आदिवासी समुदाय के संवैधानिक हक अधिकारों को खत्म करने वाला यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून नहीं चलेगा
2. **प्रकृति पूजक आदिवासी समुदाय के लिए अलग धर्म कोड दिया जाए**
3. डीलिस्टिंग के नाम पर आदिवासी समाज को लड़ाना बंद किया जाए
4. **आदिवासी समुदाय के सभी धार्मिक, सामुदायिक, सामाजिक जमीन को चिह्नित कर दस्तावेजीकरण किया जाए**
5. सीएनटी -एसपीपी एक्ट की जमीन पर छेड़छाड़ करना बंद हो
6. **पेसा कानून हर हाल में राज्य में लागू किया जाए**
7. आदिवासी समुदाय की घटती आबादी को रोकने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए
8. **आदिवासी समुदाय का विस्थापन और पलायन रोकने के लिए तत्काल कदम उठाया जाए**

- देश के 14 करोड़ आदिवासी एकजुट हुए, तो मोदी को गद्दी छोड़नी पड़ेगी : शिवाजी
- आदिवासी एकता महारैली के बाद झारखंडी एकता महारैली करने का ऐलान

विधानसभा में फ्लोर टेस्ट आज : विधायक हैदराबाद से पहुंचे रांची

चंपई के पास जादुई आंकड़ा

सत्य शरण मिश्रा। रांची

47 विधायक पक्ष में, बहुमत के लिए सरकार को चाहिए सिर्फ 41 विधायकों का समर्थन

झारखंड की राजनीति के लिए सोमवार का दिन बेहद खास है. नये सीएम चंपई सोरेन सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करेंगे. इसके लिए विस का विशेष सत्र (5-6 फरवरी) आहूत किया गया है. चंपई ने 2 फरवरी को सीएम पद की शपथ ली. राज्यपाल ने उन्हें 10 दिन में बहुमत साबित करने का समय दिया. चंपई ने 47 विधायकों के साथ बहुमत साबित करने का दावा किया है. विधानसभा में फ्लोर टेस्ट से पहले चंपई ने विधायकों को टूटने से बचाने के लिए काफी एहतियात बरती. वहीं नाराज चल रहे विधायक लोबिन हेंब्रम और सीता सोरेन की भी नाराजगी अब खत्म हो चुकी है. ये दोनों भी फ्लोर टेस्ट में सरकार के पक्ष में वोट करेंगे. वहीं हैदराबाद भेजे गए सत्तारूढ़ दल के सभी विधायक भी रविवार शाम रांची लौट आए. सोमवार को विधायक एक साथ विधानसभा पहुंचेंगे. पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को भी कोर्ट से फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की इजाजत मिल गई है. इस तरह अब झामुमो के पक्ष में 47 विधायकों का समर्थन जुट चुका है.

क्या है झारखंड विधानसभा का अंकगणित : झारखंड विधानसभा में सदस्यों की कुल संख्या 81 है. इसमें से एक सीट गांडेय फिलहाल खाली है. गांडेय से झामुमो के विधायक सरफराज अहमद ने इस्तीफा दे दिया था. अब 80 विधायकों में से 48 (स्पीकर सहित) सत्ता पक्ष के समर्थन में हैं, जबकि 32 विधायक विपक्षी खेमे में हैं. सत्ता पक्ष की बात करें, तो झामुमो 29, कांग्रेस 17 और राजद का 01 विधायक है. भाकपा माले ने भी सरकार को समर्थन दिया है. अगर निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार के समर्थन में वोटिंग की, तो चंपई सोरेन 49 वोटों के साथ बहुमत साबित कर सकते हैं, हालांकि निर्दलियों के सरकार को समर्थन देने की उम्मीद लगभग नहीं के बराबर है.

झारखंड विधानसभा का गणित

कुल सीटें 81 (एक सीट गांडेय खाली है) | बहुमत के लिए चाहिए 41 सीटें

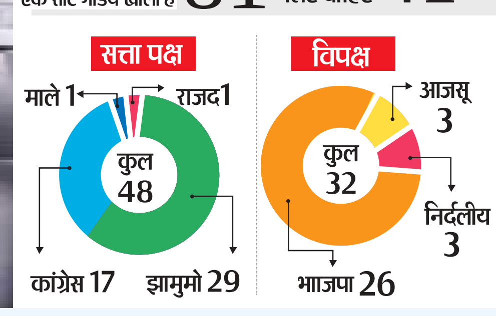

हैदराबाद से वापस लौटे सत्ता पक्ष के विधायक

2 फरवरी को चंपई सोरेन के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद सत्ता पक्ष के 35 विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट कर दिया गया था. ये सभी विधायक रविवार शाम वापस रांची लौट आए हैं. उन्हें एयरपोर्ट से सीधे सर्किट हाउस ले जाकर ठहराया गया है. सोमवार को इन्हें फ्लोर टेस्ट के लिए एक साथ बस में बैठा कर विधानसभा ले जाया जाएगा. विपक्ष बहुमत के आंकड़े से काफी दूर है, फिर भी चंपई ने एहतियात बरतते हुए अपने विधायकों को टूटने से बचाने के लिए उन्हें हैदराबाद शिफ्ट कर दिया था.

सीता सोरेन व लोबिन भी आए चंपई के साथ

31 जनवरी की रात हेमंत सोरेन के इस्तीफे के बाद चंपई सोरेन ने राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा किया था. उस वक्त उन्होंने राज्यपाल को जो पत्र सौंपा था, उसमें सत्ता पक्ष के सिर्फ 43 विधायकों के ही हस्ताक्षर थे. कांग्रेस, आरजेडी और माले ने तो पहले ही दिन चंपई सोरेन को समर्थन दे दिया था. झामुमो को अपने दो नाराज विधायकों (सीता सोरेन और लोबिन हेंब्रम) के टूटने का डर सता रहा था, लेकिन चंपई इन्हें मनाने में कामयाब हो गये हैं. सोरेन परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन ने चंपई के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंच कर यह बता दिया कि वे सरकार के पक्ष में हैं. वहीं रविवार को लोबिन हेंब्रम ने भी झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन से मुलाकात करके सरकार के पक्ष में वोट देने की घोषणा कर दी है.

हेमंत सोरेन भी फ्लोर टेस्ट में शामिल होंगे

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी सोमवार को विधानसभा में चंपई सरकार के फ्लोर टेस्ट में शामिल होंगे. रांची की पीएमएलए कोर्ट ने उन्हें फ्लोर टेस्ट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है. हेमंत सोरेन ने विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत में याचिका दायर की थी. उन्होंने अपनी इस याचिका में चंपई सोरेन सरकार के विश्वास मत में भाग लेने की अनुमति मांगी थी. उन्हें इसकी इजागत मिली हुई है.

सीएम ने विधि-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण को लेकर सीएस और डीजीपी के साथ की बैठक, बोले-

अपराधमुक्त झारखंड प्राथमिकता

बोले सीएम

- हत्या, महिला उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामलों का उद्भेदन सुनिश्चित हो
- **जेल के अंदर से अपराध ऑपरेट करने वालों पर हर हाल में लगाम लगाएं**

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य में विधि व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण से संबंधित एक उच्चस्तरीय बैठक की. बैठक में अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष पावर पॉइन्ट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से राज्य में विधि व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की विस्तृत जानकारी रखी गई. मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि अपराध मुक्त झारखंड, राज्य सरकार की प्राथमिकता है.

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पिछले दिनों नामकुम थाना अंतर्गत असामाजिक तत्वों के द्वारा जेएसएससी बिल्डिंग में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया है, जिसपर पुलिस प्रशासन द्वारा एफआईआर दर्ज किया जा चुका है और अनुसंधान भी जारी है. मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस संबंध में एसआईटी गठित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईटी का गठन कर जल्द से जल्द मामले का उद्भेदन कर दोषियों की गिरफ्तारी की जाए. मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाओं की

जेएसएससी बिल्डिंग तोड़फोड़ मामले में एसआईटी गठित हो

पुनरावृत्ति न हो, इस घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें. बैठक में पुलिस अधिकारियों ने धनबाद के झरिया में हुई घटना की भी जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी. मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि झरिया में घटित घटना पर एफआईआर दर्ज कर त्वरित जांच की जाए.

-शेष पेज 7 पर

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

हम आदिवासियों के साथ खड़े हैं: राहुल

- हिंसा, नफरत और अन्याय फैला रही मोदी सरकार

शुभम संदेश टीम। धनबाद/बोकारो/ रामगढ़

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी लोगों के जल-जंगल-जमीन और युवाओं के रोजगार के लिए खड़ी है. राहुल अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान धनबाद में रोडशो किया, लोगों को संबोधित किया. राहुल ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निजी पक्षों को बेचने से बचाना और देश के नौकरीपेशा युवाओं और आदिवासियों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है. कांग्रेस पार्टी आदिवासी लोगों के जल-जंगल-जमीन के लिए खड़ी है और युवाओं की शिक्षा और रोजगार के लिए काम करती है. आर्थिक असंतुलन, नोटबंदी, जीएसटी और बेरोजगारी ने देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है. राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने पूरे देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद करके रख दिया है. झारखंड वालों सावधान रहना, यदि आपने यहां की सत्ता में भाजपा को बिठा दिया, तो राज्य के खनिजों पर मोदी जी अपने मित्रों को सौंप देंगे. रविवार सुबह से शुरू हुई राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा देरशाम रामगढ़ पहुंच गयी है. सोमवार को यह यात्रा रांची पहुंचेगी. इस दौरान कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव भी उनके साथ थे. पूरे रास्ते में जगह-जगह हजारों लोगों ने राहुल गांधी का गर्मजोशी से स्वागत किया. गांधी ने भी इस स्नेह के लिए सभी का आभार जताया. गोला में डीवीसी चौक पर खुली जीप में सवार राहुल गांधी ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले साल हमलोगों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किमी भारत जोड़ो यात्रा की. इस यात्रा का लक्ष्य भारत को जोड़ने का था.

-शेष पेज 7 पर

रामगढ़ पहुंची भारत जोड़ो न्याय यात्रा, आज रांची आएंगे

आग-धुआं के बीच खटिया में बैठ राहुल ने लगाई चौपाल : धनबाद से निकलने के बाद राहुल का काफिला केंदुआ पहुंचा, यहां वे गोधर काली बस्ती में लोगों से मिलने चले गए. वहां लोगों ने भावुक होकर चारों तरफ से घेर लिया, कई लोग आए और उनके साथ बातचीत कर व्यथा बताई. एक वृद्ध ने कहा कि जीवन यहां गुजार दिया, लेकिन रोजगार से वंचित रहे, किसी तरह जीवन की गाड़ी खींच सके हैं, बता दें कि यह इलाका अग्नि प्रभावित क्षेत्र हैं और यहां गरीब तबके के लोग अपना जीवन-गुजर बसर करते हैं. राहुल ने कहा कि वे गरीबों के लिए अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	28.9	16.0
जमशेदपुर	30.2	11.6
डालटनगंज	30.8	10.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

हेमंत की गिरफ्तारी से 42% आदिवासी नाराज

नयी दिल्ली। मिशन 2024 को लेकर सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गयी है. पूर्व सीएम हेमंत सोरेन एक मामले में जेल में हैं. झारखंड का सियासी पारा गरम है. इस बीच एबीपी न्यूज की ओर से सी-वोटर के सर्वे में पूछा गया कि चुनाव में हेमंत की गिरफ्तारी का असर पड़ेगा? इसके जवाब में 42% लोगों ने कहा कि आदिवासी वोटर बीजेपी से नाराज होंगे. 33%ने कहा बीजेपी को फायदा होगा. 6%का मानना है कि गठबंधन को लाभ होगा. 6% ने कहा हेमंत का सियासी करियर खत्म हो जाएगा. 13% लोगों ने कहा कि वे कुछ कह नहीं सकते.

सवाल-दर-सवाल : हेमंत सोरेन के मामले पर कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल

बोले- ईडी बताए- गिरफ्तारी का क्या है आधार?

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को ले ईडी पर हमला बोला है और इसको भाजपा की साजिश कहा है. उन्होंने कहा, देश में हो क्या रहा है? भानु प्रताप (ईडी की ओर ईसीआईआर के तहत गिरफ्तार कर विभाग के अधिकारी) और हेमंत सोरेन के बीच कोई लेनदेन, संबंध, फोन पर बातचीत या मुलाकात नहीं हुई है. फिर ईडी ने उन्हें किस आधार पर गिरफ्तार किया. ईडी पर निशाना साधते हुए कहा, ईडी की विश्वसनीयता पर कई बार सवाल उठाए गए हैं. पहले भी मैंने आपको कई नाम बताए हैं, जिन्होंने चुनाव लड़े हैं और खुद बताया है कि उनके खिलाफ कौन से आपराधिक मामले हैं, वे बीजेपी से जुड़े हैं, उनकी सरकारों से जुड़े लोग हैं. उन्होंने कहा, ऐसे ही कई प्रदेशों की यह जानकारी ईडी को मालूम है, तो वे (ईडी) वहां कार्रवाई क्यों नहीं करते हैं? बीजेपी का एक ही लक्ष्य है, विपक्ष को टॉर्गेट करके सत्ता से हटाना. बीजेपी चाहती है कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष प्रचार न कर पाए, जब प्रचार नहीं करेंगे, तो निश्चित रूप से इसके दुष्प्रभाव होंगे.

हेमंत सोरेन से दूसरे दिन भी ईडी ने की घंटों पूछताछ

सौरभ सिंह। रांची

हेमंत सोरेन से रिमांड अवधि के दौरान रविवार को भी ईडी की टीम ने पूछताछ की. इससे पहले शनिवार को ईडी ने हेमंत से चार घंटे तक पूछताछ की. इस दौरान ईडी ने उनसे कई सवाल पूछे गए. ईडी के पास जो साक्ष्य हैं, उन्हें आरोपी के समक्ष रख कर पूछताछ होगी. जिससे यह पता चले कि आरोपी के साथ भूमि के अवैध अधिग्रहण में और कौन-कौन शामिल हैं. इस मामले में शामिल अन्य की भूमिका का पता लगाने के लिए पूछताछ जरूरी है. धन और संपत्ति के उन स्रोतों की जांच करने के लिए अन्य संपत्तियों की जांच भी जरूरी है.

हेमंत व भानु को आमने-सामने बैठा कर हो सकती है पूछताछ

ईडी ने बड़गाईं के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप को गिरफ्तार कर लिया है. उस पर सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी, मूल रिकॉर्ड से छेड़छाड़ का आरोप है. भानु पहले से ही लैंड स्कैम से जुड़े केस में जेल में हैं और अब उसे उस मामले में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हेमंत को गिरफ्तार किया गया है. उम्मीद जताई जा रही है कि हेमंत और भानु को आमने- सामने बैठाकर सोमवार को पूछताछ की जा सकती है.

हेमंत की हस्तक्षेप याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई आज

रांची। हेमंत सोरेन की हस्तक्षेप याचिका पर सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होगी. याचिका में हेमंत ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है. हाईकोर्ट में दायर हस्तक्षेप याचिका में कहा गया है कि राजनीतिक विद्वेष के कारण गिरफ्तारी हुई है. यह गलत है. हेमंत ने इस गिरफ्तारी को चैलेंज करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी गई थी कि मामले में पहले हाईकोर्ट में सुनवाई होनी चाहिए.

पिता का दर्द छलका

शिबू ने कहा- मेरे बेटे को भाजपा ने साजिश के तहत जेल भेज दिया

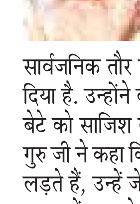

रांची। अंततः छह दिन की खामोशी के बाद बीमार झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन ने रविवार को अपनी चुप्पी तोड़ी. पिता का दर्द छलक ही आया. अपने बेटे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने सार्वजनिक तौर पर मीडिया को बयान दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने मेरे बेटे को साजिश के तहत जेल भेजा है. गुरु जी ने कहा कि जब-जब आदिवासी लड़ते हैं, उन्हें जेल भेज दिया जाता है. अब हमें एक होकर फिर लड़ना होगा. जो हमें तंग और परेशान कर रहे हैं, उनको लड़ कर हराना होगा.

मनरेगा में गड़बड़ी का आरोप: विभाग के पदाधिकारी को प्रताड़ित करने का भी है आरोप

जनवरी में 10 अफसरों पर गोलमाल की आंच

पिछले साल 60 अफसरों पर लगे थे आरोप

रवि भारती। रांची

इस साल जनवरी से लेकर फरवरी तक में राज्य प्रशासनिक सेवा के 10 अफसर अनियमितता की आंच में आ गए हैं. इनमें से तीन अफसरों पर सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. एक अफसर के वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी गई है. वहीं दो अफसरों को आरोपमुक्त भी किया गया है. इसमें जेपीएससी के पूर्व परीक्षा नियंत्रक विवेक नारायण अखौरी और चास की तत्कालीन सीओ वंदना शेजवलकर को आरोप मुक्त किया गया है. पिछले साल राज्य सेवा के 60 अफसरों पर आरोप लगे थे. जिसमें 33 अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया गया था.

पदाधिकारी को प्रताड़ित करने का आरोप

जामताड़ा की तत्कालीन बीडीओ अमृता प्रियंका एक्का पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी प्रेमचंद को प्रताड़ित करने का आरोप लगा है. उन्होंने प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से उनके वेतन में कटौती कर दी. 14वें वित्त आयोग की योजनाओं में रुचि नहीं ली. 17 दिन के अवकाश में रहने के बावजूद बिना सक्षम प्राधिकार से अवकाश स्वीकृत कराए बिना पद का दुरुपयोग करते हुए वेतन की निकासी की. साथ ही स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कार्यों में रुचि नहीं ली. सरकार ने अमृता प्रियंका एक्का को भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी दी है.

अराजक माहौल के लिए जिम्मेवार रहे अफसर

आराजक माहौल के लिए जिम्मेवार

हुसैनाबाद के तत्कालीन बीडीओ लक्ष्मी नारायण किशोर पर अराजक माहौल के लिए जिम्मेवार होने का आरोप लगा. 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लक्ष्मी नारायण किशोर ने चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया. जिससे अराजक माहौल उत्पन्न हो गया. मतदान कर्मियों को समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पाए. सरकार ने लक्ष्मी नारायण किशोर को निंदन की सजा दी है.

रिजेनरेशन के मामले को लंबित रखा

मनिका के तत्कालीन बीडीओ वीरेंद्र किड़ों पर भी गंभीर आरोप लगे हैं. 2013 –14 से 2021–22 के बीच रिजेक्ट ट्रांजेक्शन की समीक्षा की गई. जिसमें मनिका में 33 रिजेक्ट ट्रांजेक्शन पाया गया. इसे रिजेनरेशन कराया जाना था, लेकिन इसे लंबित रखा गया. वीरेंद्र किड़ो को इसे शून्य करने का आदेश दिया गया था. इसके बाद भी सिर्फ 31 फीसदी ही रिजेनरेशन हो पाया. वीरेंद्र किड़ो को राज्य सरकार ने सचेत रहने की चेतावनी दी है.

जेसीबी का उपयोग हुआ

मांडर के तत्कालीन बीडीओ गोपी उरांव पर कई गंभीर आरोप लगे हैं. गोपी पर स्वीकृत योजनाओं के पर्यवेक्षण में रुचि नहीं लेने, मनरेगा में जेसीबी उपयोग करने का आरोप है. डोभा के स्वीकृत और वास्तविक आकार में भिन्नता का आरोप है. मनरेगा मजदूरों की मजदूरी भुगतान में विलंब व प्रखंड में उपलब्ध टैब का उपयोग नहीं करने का भी आरोप है.

आदेश की अवहेलना

पोटका के तत्कालीन बीडीओ प्रभाष चंद्र दास पर उच्च पदाधिकारियों के आदेश की अवहेलना का आरोप है. इनके खिलाफ योजनाओं के क्रियान्वयन में उदासीनता बरतने और समय पर मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान नहीं करने का आरोप है. राज्य सरकार ने प्रभाष चंद्र दास को निंदन की सजा दी है.

गुणवत्ता की हुई अनदेखी

राजनगर के तत्कालीन बीडीओ सुनील कुमार पर मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में प्राक्कलन के अनुसार काम नहीं कराने का आरोप है. उचित अनुश्रवण नहीं करने और गुणवत्ता की अनदेखी करने का भी आरोप है. राज्य सरकार ने सुनील कुमार के खिलाफ दो वेतन वृद्धि पर रोक लगाने का निर्णय लिया है.

सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप

राज्य सेवा के दो अफसरों पर सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप है. इसमें स्कूली शिक्षा विभाग के तत्कालीन अवर सचिव अरविंद कुमार सिंह पर सजायाफ्ता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को अनुसचित तरीके लाभ पहुंचाने का आरोप है. वहीं राजेंद्र प्रसाद राजेश पर भी सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप है.

पशु शेड योजना में लापरवाही का आरोप

पाटन के तत्कालीन बीडीओ मनोज कुमार तिवारी पर पशु शेड योजना में मनमानी करने और लापरवाही बरतने का आरोप है. अयोग्य लाभुकों का चयन करने का भी आरोप है. राज्य सरकार ने मनोज कुमार तिवारी को निंदन की सजा दी है.

बीडीओ पर लाभुकों को भुगतान न करने का आरोप

हेरहंज के तत्कालीन बीडीओ प्रदीप कुमार दास पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में लापरवाही बरतने का आरोप है. उन्होंने इस योजना के 347 लाभुकों को पहली किश्त की राशि का भुगतान ही नहीं किया.

आंदोलनकारी मांगों को पूरा करने के लिए आज करेंगे प्रदर्शन : पुष्कर

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में 5 फरवरी को झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारियों के जेल जाने की बाध्यता को समाप्त करने व राज्य गठन की तिथि से समान रूप से सम्मान पेंशन, राजकीय मान सम्मान, अलग पहचान, नियोजन, स्वाभिमान, अस्तित्व व अस्मिता की रक्षा के सवाल को लेकर राजभवन के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया जाएगा. कार्यक्रम में हजारों हजार की संख्या में झारखंड आंदोलनकारी परंपरागत वाद्य यंत्रों व परंपरागत अस्त्र- शस्त्र के साथ राजभवन के समक्ष प्रदर्शन करेंगे.

आंदोलनकारी राज्य के सभी जिलों से भाग लेंगे. झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी है तो राज्य का स्वाभिमान जीवित है आंदोलनकारी राज्य गठन के मूल्य को स्थापित करने के लिए कटिबद्ध हैं. 5 फरवरी को राजभवन के समक्ष ऐतिहासिक विशाल प्रदर्शन कर पूरे राज्य को स्थिर करने वाले पूंजीवाद एवं साम्राज्यवाद ताकतों के खिलाफ उलगुलान का आगाज किया जाएगा. उन्होंने आंदोलन कार्यों से अपील किया कि वह दिन के 11 बजे तक राजभवन के समक्ष पहुंच जाएं.

तीन बार बहुमत साबित करने में नाकाम रही है पूर्व की सरकार

सूबे में अबतक 11 बार हुआ फ्लोर टेस्ट

प्रवीण कुमार। रांची

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सोमवार को झारखंड विधानसभा में अपनी सरकार का बहुत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाएंगे. इसके लिए दो दिनों का विशेष सत्र बुलाया गया है. झारखंड में अबतक के फ्लोर टेस्ट की बात करें, तो यहां अब तक विधानसभा में 11 बार तत्कालीन सरकारों द्वारा बहुत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है. इनमें आठ बार सरकारों ने अपना बहुमत साबित किया. दो बार प्रस्ताव आने के बाद वोटिंग से पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्रियों ने अपना इस्तीफा दे दिया था. एक बार वोटिंग की अनुमति ही नहीं दी गई थी.

झारखंड में सबसे पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी अपनी सरकार के बहुमत साबित करने के लिए 23 नवंबर 2000 को विश्वास प्रस्ताव लाए थे, जिसमें उन्होंने बहुमत साबित किया था. इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिबू सोरेन 11 मार्च 2005 को बहुमत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाए थे, लेकिन प्रोटेम स्पीकर द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं दी गई थी.

इसी तरह तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा 15 मार्च 2005 को बहुमत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाए थे. इसमें उन्होंने बहुमत साबित किया था. इसके बाद अर्जुन मुंडा (तत्कालीन मुख्यमंत्री) ही 14 सितंबर को विश्वास प्रस्ताव लाए थे, लेकिन उनके पास बहुमत नहीं होने के कारण उन्होंने सदन में इस्तीफा की घोषणा कर दी थी. मधु कोड़ा सरकार बनने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा 20 सितंबर 2006 को अपना बहुमत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाए थे. उन्होंने भी अपना बहुमत साबित किया. इसके बाद 29 अगस्त 2008 को तत्कालीन प्रभारी संसदीय कार्य मंत्री स्टीफन मरांडी विश्वास प्रस्ताव लाए, जो भी बहुमत से स्वीकृत हो गया. इसी तरह तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री रघुवर दास 7 जनवरी 2010 को विश्वास प्रस्ताव लाए थे, जो स्वीकृत हो गया था. इसके बाद तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो 30 मई 2010 को सरकार का विश्वास प्रस्ताव लाए. लेकिन तत्कालीन सरकार के पास बहुमत नहीं होने के कारण मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था.

दो बार वोटिंग से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री ने दे दिया था इस्तीफा

तीन बार हेमंत ने लाया था विश्वास प्रस्ताव

हेमंत सोरेन तीन बार सदन में विश्वास प्रस्ताव ला चुके हैं. सबसे पहले तत्कालीन उपमुख्यमंत्री के रूप में हेमंत विधानसभा में 14 सितंबर 2010 को सरकार का बहुमत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाए थे. उस समय सरकार ने बहुमत साबित कर लिया था. उपमुख्यमंत्री रहते ही हेमंत 18 जुलाई 2013 को विश्वास प्रस्ताव सदन में लाए, जो स्वीकृत हुआ.

दो बार ही आया है अविश्वास प्रस्ताव

झारखंड विधानसभा में अबतक दो बार ही अविश्वास प्रस्ताव आया है. सबसे पहले तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष स्टीफन मरांडी तथा विधायक फुरकान अंसारी ने 17 मार्च को 2003 को तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की सूचना विधानसभा सचिवालय को दी थी, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव आने से पहले ही बाबूलाल मरांडी ने 17 मार्च 2003 को ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था. दूसरी बार नेता प्रतिपक्ष के रूप में अर्जुन मुंडा, विधायक सीपी सिंह तथा राधाकृष्ण किशोर 18 दिसंबर 2007 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाए थे, जो अस्वीकृत हो गया था. इसमें मधु कोड़ा सरकार ने अपना बहुमत साबित कर दिया था.

हेमंत सोरेन ने बहुमत साबित करने के लिए बुलाया था विशेष सत्र

अंतिम बार हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री के रूप में 5 सितंबर 2022 को सरकार का बहुमत साबित करने के लिए विश्वास प्रस्ताव लाए, जो स्वीकृत हुआ. इसमें हेमंत सोरेन ने 48 मतों के साथ बहुमत साबित किया. बता दें कि हेमंत सरकार ने आफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में हुए राजनीतिक उथल–पुथल के कारण स्वयं विश्वास मत हासिल करने का निर्णय लिया था. उस समय भी झामुमो और कांग्रेस के सभी विधायकों को रायपुर ले जाया गया था, जहां से लौट कर विधायक विधानसभा के विशेष सत्र में सम्मिलित हुए थे.

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता के लिए प्रचार वाहन रवाना

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर व प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के चेयरमैन मंजूर अंसारी के निर्देश पर रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष हुसैन खान के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से भारत जोड़ो न्याय यात्रा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहन रवाना किया गया. प्रचार वाहन का रवाना महानगर अध्यक्ष हुसैन खान, प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहु, प्रदेश अल्पसंख्यक महासचिव अख्तर अली, कार्यालय सचिव रामानंद केशरी, दामोदर प्रसाद ने पार्टी का झंडा दिखाकर किया. रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष हुसैन खान ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी का भारत

जोड़ो न्याय यात्रा जारी है. राजधानी रांची में सोमवार को यात्रा पहुंचेगी. इसके सघन प्रचार प्रचार के लिये रांची महानगर की ओर से पांच प्रचार वाहन पूरे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए रवाना किया गया है. मौके पर ग्रामीण अध्यक्ष शमीम अंसारी, प्रदेश महासचिव रुस्तम अली, गुलाम रब्बानी, रांची महानगर महासचिव सफर खान, अरबाज खान, सैंकी खान, रमजान अंसारी आदि शामिल थे.

मैट्रिक व इंटर की परीक्षा कल से

रांची। 6 फरवरी से झारखंड बोर्ड की मैट्रिक और इंटर की परीक्षा शुरू होने वाली है. इस परीक्षा में राज्यभर के 766520 छात्रों ने फॉर्म भरा है. वहीं 24 जिला में 1978 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं. मैट्रिक में 421678 और इंटर में 344842 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे. राज्य भर में मैट्रिक के लिए 1238 और इंटर के लिए 740 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं. यह परीक्षा 6 फरवरी से 26 फरवरी तक चलेगी. इस वर्ष आयोजित होने वाली मैट्रिक व इंटर की परीक्षा ओएमआर शीट में नहीं ली जाएगी. पहले के तरह परीक्षा तीन घंटे की होगी. पहली पाली में 9:45 से 1 बजे तक मैट्रिक की परीक्षा होगी. दूसरी पाली में 2 से 2:20 बजे तक इंटर की परीक्षा होगी. रांची जिले में लगभग 70,000 छात्रों के लिए 157 परीक्षा केंद्र बनाए गए है.

- 766520 छात्रों के लिए बनाए गए 1978 परीक्षा केंद्र

सीएम एक्शन में उच्च स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल की गयी है

3 सीनियर अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारी

संवाददाता। रांची

चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद संभालते ही एक्शन में दिख रहे हैं. उच्च स्तर

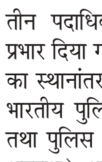

पर प्रशासनिक फेरबदल हुई है. इस दौरान भारतीय प्रश इस निक प्रशासनिक सेवा के तीन पदाधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया गया और एक अधिकारी का स्थानांतरण किया गया है. वहीं, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी तथा पुलिस महानिरीक्षक (संगठित अपराध), अपराध अनुसंधान विभाग सुदर्शन मंडल को कारा महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.

उद्योग निदेशक के पद से भोर सिंह यादव हटाए गए

कल्याण विभाग के प्रभारी सचिव अरबा राजकमल को नगर विकास विभाग के साथ उत्पाद एवं मध्य निषेध विभाग के प्रभारी सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया है. उद्योग निदेशक के पद से भोर सिंह यादव हटाए गए हैं. उन्हें भू अर्जन, भू-अभिलेख निदेशक बनाया गया है. खेल निदेशक सुशांत गौरव को उद्योग निदेशक की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है. जियाडा के प्रबंध निदेशक शशि रंजन को खान निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने जारी कर दी है.

जानें किसे मिला अतिरिक्त प्रभार

- सीआईडी आईजी के पद पर पदस्थापित सुदर्शन प्रसाद मंडल को जेल आईजी का प्रभार दिया गया है.
- आईएएस अरबा राजकमल को अपने कार्यों के साथ प्रभारी सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, प्रभारी सचिव, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग और प्रबंध निदेशक, जुडको के भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.
- आईएएस शशि रंजन को निदेशक खान अतिरिक्त प्रभार में दिया गया है. आईएएस सुशांत गौरव को निदेशक उद्योग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.
- आईएएस भोर सिंह यादव को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक निदेशक, भू-अर्जन, भू-अभिलेख एवं परिमाप, पद पर नियुक्त एवं पदस्थापित किया गया है.
- आईएएस सुशांत गौरव निदेशक उद्योग के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे.

CLASSIFIED

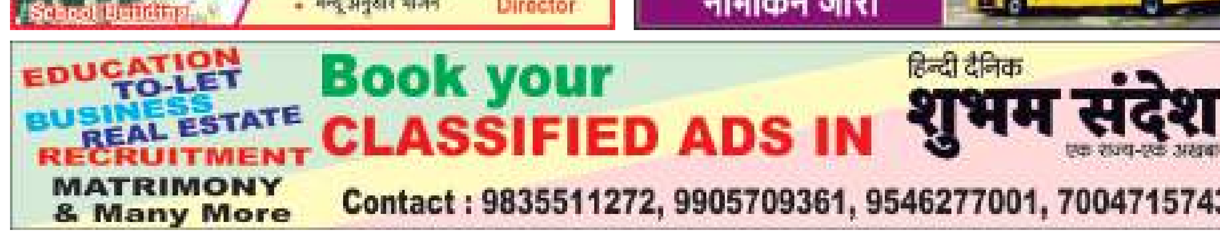

शुभम संदेश
एक राज्य - एक अखबार
सोमवार, 05 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~X~~ ● वर्ष : 1, अंक : 288
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची। झारखंड राजभवन उद्यान 6 फरवरी से आम लोगों के लिए खोला जा रहा है. उद्यान 12 फरवरी तक सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुला रहेगा. इसके बाद 1 बजे तक कोई भी व्यक्ति राजभवन में प्रवेश कर सकेगा. सुबह 10 बजे राजभवन के गेट नंबर 2 से अपना रजिस्ट्रेशन और सुरक्षा जांच करवाएंगे. प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा. लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए राजभवन ने आगंतुकों को अधिकतम 30 मिनट के लिए ही अंदर जाने की इजाजत दी है. प्रवेश के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने साथ एक पहचान पत्र रखना अनिवार्य होगा. इस गार्डन में 400 किस्मों के 17 हजार से ज्यादा गुलाब हैं. भारत-पाकिस्तान युद्ध में इस्तेमाल किए गए टैंक, बड़ा चरखा, शहीद स्थल आदि के साथ ही विदेश से लाए गए फूल आकर्षण का केंद्र हैं.

12 फरवरी तक हर रोज सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुला रहेगा उद्यान

झारखंड विस का विशेष सत्र आज से, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

- डीसी और एसएसपी ने जारी किया संयुक्त आदेश, दिए कई निर्देश
- विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती

संवाददाता। रांची

5 एवं 6 फरवरी को चंपई सोरेन द्वारा विश्वासमत हासिल करने के लिए बुलाये गये विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाएंगे. विशेष सत्र के दौरान विधि व्यवस्था संधारण के लिए उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा एवं एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने संयुक्तादेश जारी किया है. सत्र के दौरान इस क्षेत्र में विभिन्न राजनैतिक दलों, श्रम/सेवा/विभिन्न संगठनों द्वारा घेराव/धरना प्रदर्शन, छात्र संगठन द्वारा अन्य मुद्दों को लेकर जुलूस निकालने तथा प्रदर्शन करने एवं विधान सभा का घेराव आदि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है, उक्त परिप्रेक्ष्य में लोक परिशांति एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करते हुए उन्हें कई निर्देश दिये गये हैं.

दिये गये निर्देश

- विधान सभा परिसर के 100 मीटर के दायरे में 5 से 6 फरवरी तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी. उक्त क्षेत्र में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रर्दशन, घेराव आदि आयोजित नहीं किये जा सकेगें. अनुमंडल दंडाधिकारी सदर, इससे संबंधित निरोधात्मक आदेश निर्गत करेंगे तथा इसका व्यापक प्रचार कराएंगे.
- **संबंधित थाना प्रभारी इसके उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई करेंगे. मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाती है जो सत्रावधि समाप्त होने तक प्रभावी रहेगी. सभी अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर 5 फरवरी को सुबह 8 बजे पहुंचेंगे.**
- क्षेत्र में कोई प्रदर्शन, नहीं हो. एसपी ग्रामीण यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रतिनियुक्ति स्थल / बेरिकेडिंग अथवा अन्य किसी स्थान से प्रदर्शनकारी विस क्षेत्र में न पहुंचे. परिसर में राज्यपाल, सीएम, विस अध्यक्ष, नेता, प्रतिपक्ष तथा संसदीय कार्य मंत्री के वाहन, निर्दिष्ट स्थल पर लाए जाएंगे. परिसर में जाने वाले गेट पर तैनात अफसर एवं बल तैनात रहेंगे. यह आदेश सोमवार को सुबह 8 बजे से 6 फरवरी या सत्रावसान तक तय अवधि से बढ़ा दी जाती है, तो सभी तैनात लोगों की ड्यूटी स्वतः बढ़ जाएगी एवं सत्र समाप्ति तक प्रभावी रहेगा.

हैदराबाद से वापस लौटे सत्ता पक्ष के विधायक

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हैदराबाद से लौटे सत्तारूढ़ दल के विधायकों को रिसीव कर साथ ले जाते कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम.

गठबंधन सरकार में शामिल दलों ने विधायकों के लिए जारी किया ह्विप

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम चंपई सोरेन को सोमवार को विश्वास मत हासिल करना है. इसके लिए गठबंधन में शामिल सभी दलों ने अपने -अपने विधायकों के लिए ह्विप जारी किया है. फिलहाल जो तस्वीर दिख रही है, उसमें सरकार को कोई खतरा नजर नहीं आता. कोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की इजाजत दे दी है. ऐसे में फ्लोर टेस्ट के लिए पूर्वाह्न 11 बजे हेमंत को कस्टडी में विधानसभा लाया जाएगा. फ्लोर टेस्ट की समाप्त होते ही उन्हें पुनः पुलिस कस्टडी में लिया जाएगा. कोर्ट ने पुलिस कस्टडी में रहते हुए हेमंत सोरेन को मीडिया से दूरी बनाए रखने को कहा है. पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक हेमंत सोरेन विश्वास मत के दौरान वोटिंग करने के लिए विधानसभा में सत्ता पक्ष की ओर से पहली पंक्ति में ही बैठे दिखेंगे. उनका स्थान विधानसभा सचिवालय ने निर्धारित कर दिया है.

ऐसे शुरू होगी सदन

- विशेष सत्र के दौरान पहला सत्र राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के अभिभाषण से शुरू होगा
- **राज्यपाल के अभिभाषण के बाद विधायी कार्य आरंभ हो जाएंगे**
- स्पीकर रवींद्र नाथ महतो को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन विश्वास मत हासिल करने से संबंधित प्रस्ताव देंगे
- **स्पीकर फ्लोर टेस्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को आमंत्रित करेंगे**
- इसके बाद विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कर वोटिंग प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी
- **सारी प्रक्रिया में देखनेवाली बात यह होगी कि राज्यपाल का अभिभाषण पहले होता है या विश्वास प्रस्ताव के बाद. वैसे यह सदन कार्यवाही के दौरान ही पता चल पाएगा.**

विश्वास प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेंगे दोनों निर्दलीय विधायक

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सोमवार को विधानसभा में बहुमत परीक्षण का सामना करेंगे. एक ओर विधायकों को अपने पाले में करने को लेकर जोड़-तोड़ की जा रही है, तो उधर जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने घोषणा कर डाली है कि वे चंपई सरकार को समर्थन नहीं करेंगे. वे विश्वास मत पर वोटिंग के दौरान तटस्थ रहेंगे. उधर, बरकट्ठा के निर्दलीय विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि उनका वोट राज्य हित में होगा. सरकार के विपक्ष में वोट करेंगे. अपने साथी विधायकों से भी इस संबंध में विमर्श करेंगे.

विधायक सरयू राय ने यह भी कहा कि सत्तापक्ष अथवा विपक्ष किसी ने उनसे अपने पक्ष में मतदान के लिए संपर्क भी नहीं किया है. ऐसी स्थिति में गुण-दोष के आधार पर आगे वे सरकार के बारे में राय बनाएंगे. अभी चंपई सोरेन नए सीएम बने हैं. उनके कामकाज को देखना होगा. उनकी रचनात्मक भूमिका सदन में होगी. उन्होंने आशा जताई कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन पुरानी राह को बदलेंगे. बड़ी और समानांतर लकीर खीचेंगे.

- **बोले सरयू राय- वोटिंग के दौरान मौजूद रहेंगे, लेकिन तटस्थ रहेंगे**
- बोले अमित कुमार यादव- राज्य हित में सरकार के विपक्ष में वोट करेंगे

चंपई सोरेन अपनी अलग लकीर खींचे

यह पूछे जाने पर कि चंपई सोरेन का कहना है कि हेमंत सोरेन ने विकास की लंबी लकीर खींची है, सरयू राय ने कहा कि वे अपनी अलग लकीर खींचें. वे सरकार के पक्ष में वोट नहीं करेंगे. उनकी किसी को जरूरत भी नहीं है. हेमंत सोरेन के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उन्होंने जान-बूझ कर मक्खी निगली. वैसे लोगों को आपने आसपास बनाए रखा, जो हानिकारिक साबित हुए. ऐसा भी नहीं है कि उन्हें सचेत नहीं किया गया. उनका कृत्य पांव पर कुल्हाड़ी नहीं, कुल्हाड़ी पर पांव मारना सीखा है.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

रांची में राहुल की आमसभा आज

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में सोमवार को राहुल गांधी की आमसभा होगी. इसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे. वे चार्टर्ड प्लेन से सोमवार की सुबह रांची पहुंचेंगे. बूटी मोड़ से वे भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होंगे और राहुल गांधी के काफिले के साथ ही चलेंगे. एचईसी आवासीय परिसर के शहीद मैदान में होनेवाली आमसभा में भी शामिल होंगे. प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि धुर्वा के शहीद मैदान में दोपहर दो बजे से आमसभा होगी. सिन्हा ने कहा कि तीन दिनों से झारखंड में भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिन-जिन इलाकों से गुजर रही है, जनसैलाब उमड़ रहा है. पाकुड़ से शुरू हुई न्याय यात्रा गोड्डा, धनबाद सहित कई जिलों से गुजरती हुई सोमवार को झारखंड की राजधानी रांची में प्रवेश करेगी.

कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा बूटी मोड़ से बरियातू, हरमू, अरगोड़ा, डिबडीह होती एचईसी आवासीय परिसर के सेक्टर थ्री स्थित शहीद मैदान पहुंचेगी, जहां जनसभा होगी. जनसभा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ ही साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस विधायक दल के नेता सह मंत्री आलमगीर आलम, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर संबोधित करेंगे. मौके पर प्रदेश कांग्रेस के सभी पदाधिकारी, राज्य के सभी जिलों को कांग्रेस अध्यक्ष सहित विभिन्न मंच-मोरचा व प्रकोष्ट के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे.

तेलंगाना के सीएम भी होंगे शामिल

बूटी मोड़, बरियातू, हरमू, अपगोड़ा चौक, डिबडीह, बिरसा चौक होती हुई यात्रा शहीद मैदान पहुंचेगी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा : रोड शो के दौरान धनबाद में लोगों को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी.

फ्लोर टेस्ट को लेकर भाजपा विधायक दल की बैठक, बनी रणनीति

चंपई सरकार बनेगी हेमंत पार्ट-2, तो हम करते रहेंगे विरोध : भानु प्रताप शाही

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार की शाम प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में विधायक दल की बैठक हुई. बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी सीपी सिंह, बिरंची नारायण, रामचंद्र चंद्रवंशी, जेपी पटेल, राज सिन्हा, मनीष जायसवाल, अमित मंडल, केदार हाजरा, अनंत ओझा, अपर्णा सेन गुप्ता, पुष्पा देवी, किशुन दास, केदार हाजरा, समरी लाल, कोचे मुंडा,भानु प्रताप शाही, आलोक चौरसिया, नारायण दास उपस्थित थे.

बाद में मीडिया ब्रीफिंग करते हुए विधायक भानु शाही ने कहा कि चंपई सरकार सोमवार को विस में विश्वास प्रस्ताव लाएगी लेकिन सीए के बयान से नहीं लगता कि यह सरकार जनहित के लिए बनी है. सीएम ने अपने शपथ के बाद स्वयं कहा कि वे हेमंत सरकार के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे. इसलिए स्पष्ट है कि चंपई सरकार हेमंत सरकार पार्ट-2 है. उन्होंने कहा, हेमंत सरकार ने जैसे भ्रष्टाचार, खान-खनिज की लूट, युवाओं-बेरोजगारों, किसानों को धोखा दिया यह सरकार उसी को आगे बढ़ाएगी. ऐसे हालात में भाजपा फिर इस सरकार के कारनामों का प्रबल विरोध करेगी. सदन में पार्टी विश्वास प्रस्ताव के विरोध में रहेगी. उन्होंने कहा कि हेमंत आदिवासी होने का रोना रोते हैं. उन्हे याद करना चाहिए कि कांग्रेस के दुत्कार के बाद भाजपा ने ही उन्हें डिप्टी सीएम बनाया था. राज्य गठन से लेकर भाजपा ने बार बार आदिवासी समाज के कल्याण में अनेक निर्णय लिए हैं. राज्य का प्रथम सीएम वाजपेई ने आदिवासी नेता बाबूलाल मरांडी को बनाया. केंद्र में आदिवासी मंत्रालय बनाए. आज देश की सर्वोच्च पद पर आसीन महामहिम राष्ट्रपति आदिवासी समाज से आने वाली महिला हैं. हेमंत सोरेन जब भ्रष्टाचार में पकड़े गए, तो आदिवासी का रोना रोने लगते हैं. लेकिन अब रोना धोना नही चलने वाला. राज्य की जनता इनके कारनामों को जान चुकी है.

हेमंत ने खुद पैदा किया संकट

हेमंत सोरेन ने स्वयं अपने से संवैधानिक संकट पैदा करने की कोशिश की. फरार होकर रांची में प्रकट होते ही 400 से अधिक ट्रांसफर किए. गिरफ्तारी की सूचना दिए जाने के बाद ईडी को बिना बताए राजभवन चले गए. भानु ने कहा कि भाजपा ने कभी भी राज्य में अस्थिरता की बात नहीं की. सिर्फ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद किया और करते रहेंगे. सत्ताधारी ठगबंधन अंतर कलह से घिरा है. विधायकों को करोड़ों रुपए देकर हैदरबाद ले जाया गया. इसलिए 10 महीने के बचे कार्यकाल को यह सरकार कितना पूरा करेगी यह भविष्य बताएगा.

कैंसर मरीजों को मिल रहा बेहतर इलाज

सदर अस्पताल

तरुण कुमार चौबे। रांची

सदर अस्पताल में बीते 1 नवंबर को कीमोथेरेपी सेवा की शुरुआत हुई थी. तीन महीने ही हुए और 250 से अधिक मरीजों को आयुष्मान योजना के तहत इसका लाभ भी मिल गया. अभी सदर अस्पताल के 350 कैंसर मरीजों का इलाज चल रहा है.

ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. गुंजेश ने बताया कि कैंसर कई प्रकार के होते हैं. यहां आने वाले मरीजों में रक्त और स्तन कैंसर से जूझ रहे लोगों की संख्या सबसे अधिक है. अस्पताल वित्तीय बाधाओं के बिना विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज करने के लिए प्रतिबद्ध है. जो लोग आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं, उनके लिए उपचार सरकारी दरों या न्यूनतम शुल्क पर किया जाता है. इसके साथ कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए विशेष ओपीडी सुविधाएं शुरू की गई है. जहां मरीज हर बुधवार और शुक्रवार को डॉक्टरों के साथ मिलकर फ्री परामर्श ले सकते हैं. फिलहाल अस्पताल में करीब 8 मरीज भर्ती हैं.

कैंसर देखभाल की पहुंच बढ़ाना है : सिविल सर्जन

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि जिला में ज्यादा से ज्यादा कैंसर के मरीजों को सही उपचार मिले, इसके लिए हमेशा प्रयास कर रहा हूं. इसके साथ ही सदर अस्पताल रिम्स से भार को कम करने में अहम भूमिका निभाता है. हमार लक्ष्य है कि चिकित्सा विज्ञान (आरआईएमएस) और उपचार प्रक्रिया में तेजी लाना. यह प्रगति क्षेत्र में कैंसर की चुनौतियों का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी. आयुष्मान भारत के तहत पात्र रोगियों को सर्जरी, कीमोथेरेपी और उपचार में सहायता मिल रही है. आयुष्मान भारत योजना के तहत कीमोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी और विभिन्न कैंसर के लिए लक्षित थेरेपी को कवर किया गया है. सिविल सर्जन ने आगे कहा कि जागरूकता बढ़ाने को लेकर सदर अस्पताल में नियमित कैंसर स्क्रीनिंग शिविर और शैक्षिक कार्यक्रमों की योजना बनाई जाती है.

सफलता — भूसा लदे ट्रक में छिपा कर ले जा रहे थे 90 बोरा डोडा

पुलिस ने दो तस्करों को किया गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने डोडा (अफीम) की एक बड़ी खेप बरामद की है. अफीम तस्कर ट्रक में जानवरों के चारे के बीच डोडा के बोरे को छिपा कर यूपी ले जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पूरी खेप पुलिस ने पकड़ ली. ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि सूचना मिली कि डोडा की बड़ी खेप खूंटी से निकली है. जानकारी मिलने पर खूंटी से रांची आने वाले मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था, इसी दौरान शक के आधार पर खरसीदाग ओपी क्षेत्र के रिंग

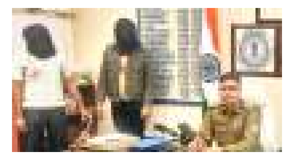

रोड के पास एक ट्रक को तलाशी के लिए रोका गया. ट्रक में पशु चारा (भूसा) भरा हुआ था. पुलिस के पूछने पर ट्रक के ड्राइवर ने बताया कि वे लोग पशु चारा लेकर कानपुर जा रहे हैं, लेकिन पुलिस को उनकी बातों पर यकीन नहीं हुआ. जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिसवालों ने ट्रक की तलाशी लेनी शुरू की. तलाशी के दौरान ट्रक में रखे पशु चारा के अंदर प्लास्टिक के 90 बोरे निकले, सभी बोरों में डोडा भरा हुआ था. डोडा का कुल वजन 1800 किलोग्राम पाया गया. डोडा बरामद होने के बाद मौके पर मौजूद पुलिस की टीम ने ड्राइवर और खलासी को गिरफ्तार कर लिया.दोनों तस्कर कुरियर ब्वॉय के रूप में काम किया करते थे. गिरफ्तार तस्कर राम गोपाल और सुरेंद्र राजस्थान के बीकानेर जिले के रहने वाले हैं. पुलिस की पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया है कि वह डोडे की खेप को खूंटी से लेकर कानपुर जाने वाले थे, हालांकि किनके द्वारा उन्हें डोडा उत्तर प्रदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई थी, यह वे नहीं बता पाए.

- **18 क्विंटल डोडा के साथ बाप-बेटे गिरफ्तार**
- **भूसा में छुपाकर ले जा रहे थे उत्तर प्रदेश**

आदिवासी एकता महारैली के जरिए बंधु ने दिखायी ताकत, अरसे बाद एक मंच पर दिखे सरना-ईसाई नेता व सामाजिक कार्यकर्ता

गरजे वक्ता, भाजपा-आरएसएस को दी चेतावनी

विशेष संवाददाता।रांची

जनजाति सुरक्षा मंच के जवाब के तौर पर आदिवासी एकता महारैली का आयोजन किया गया. रैली घोषणा के दिन से ही यह विवादों में रही. इसे ईसाई आदिवासियों की रैली करार दिया गया, मगर दक्षिणी छोटानागपुर के बड़े आदिवासी नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने एक अरसे बाद पुनः अपनी ताकत दिखायी और अपना लोहा मनवाया. महारैली में न केवल भीड़ उमड़ी, बल्कि उन्होंने सरना और ईसाई नेता, सामाजिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाने का काम किया. इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को अपनी ताकत दिखाते हुए अप्रत्यक्ष तौर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर खुद को प्रोजेक्ट करने का काम किया. इस महारैली में भाजपा-आरएसएस पर जमकर प्रहार किया गया. संबोधन में वक्ता जमकर गरजे और भाजपा-आरएसएस को चेतावनी दे डाली कि झारखंड में ईसाई और सरना आदिवासी की एका को तोड़ा नहीं जा सकता है. बल्कि तोड़ने वालो को भी तोड-फोड़ कर दिया जाएगा.

झारखंड में नहीं तोड़ी जा सकती ईसाई-सरना आदिवासियों की एकता

भाजपा-आरएसएस देश को तोड़ना चाहती है : बलमुचू

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि हम जहां देश को जोड़ना चाहते, जबकि भाजपा-आरएसएस देश को तोड़ना. धर्म और जाति के नाम पर ये लोग देश को बांट देना चाहते हैं. झारखंड के राज्यपाल ने केंद्र के इशारे पर 48 घंटे तक राज्य को संवैधानिक संकट में डाले रखा. दांव करने के बाद भी सरकार बनाने या किसी को राज्य का जिम्मा नहीं दिया.

भाजपा के खिलाफ 24 में उलगुलान छेड़ दें : गीताश्री

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि भाजपा-आरएसएस के खिलाफ अब झारखंड में उलगुलान छेड़ना होगा. 2024 का चुनाव हम आदिवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है. यह एक मौका है हमारे पास. अपनी एकता का परिचय देते हुए चुनाव में भाजपा का सुपड़ा साफ कर दें. चाहे कोई भी कुछ कर ले हमारी एकता को कोई तोड़ नहीं सकता है.

अगले सौ दिन आदिवासियों के लिए महत्वपूर्ण : दयामनी

सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला ने कहा कि हमारे पास आने वाले 100 दिन काफी महत्वपूर्ण हैं. लोकसभा चुनाव होने हैं. इस चुनाव में ही हमें एकजुट होकर भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देना होगा. नहीं तो फिर आदिवासियों को लुटने से कोई नहीं बचा सकता है. 14 में 14 और 81 में 81 सीट पर महागठबंधन को जीत दिलाकर हमारे आदिवासी सीएम को तोहफा देने का काम करें.

हेमंत को फंसाया गया है इसका जवाब देना है : रमा

कांग्रेस नेत्री रमा खलखो ने कहा कि एक साजिश के तहत हमारे आदिवासी मुख्यमंत्री को फंसा दिया गया. 2924 में इसका जवाब हम सभी को मिलकर देना है. आज भाजपा धर्म और जाति के नाम पर देश को बांटने में लगी है. इसका मुकाबला मिलजुलकर ही कर सकते हैं. कोई आदिवासियों को बांट नहीं सकता है.

राष्ट्रपति से जमीन लूट नीति पर करा रहे हस्ताक्षर : वासवी

सामाजिक कार्यकर्ता वाससी किड़ो ने कहा कि भले ही कांग्रेस ने आदिवासी को राष्ट्रपति नहीं बनाया,मगर भाजपा एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाकर उससे आदिवासी विरोधी नीति, जमीन लूट की नीति पर हस्ताक्षर करवा रही है. यह बात राष्ट्रपति को समझनी होगी. हम आदिवासी बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू के वंशज हैं, संघर्ष से कभी भी पीछे नहीं हटेंगे.

हमें तोड़कर जल, जंगल और जमीन लूटना चाहते हैं : डुंगडुंग

सामाजिक कार्यकर्ता ग्लेडसन डुंगडुंग ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के लोग हमें तोड़कर जल, जंगल और जमीन को लूटना और इससे जुड़ी नीतियां बनाना चाहते हैं. देश के12 करोड़ से अधिक आदिवासी न टूटेंगे और फूटेंगे. कोई चाहे कुछ भी कर ले. जो हमें तोड़ने की कोशिश करेगा, उसे ही तोड़ देंगे. हर खनिज संपदा पर सबसे पहला हक आदिवासियों का है.

हमें तोड़ने का हो रहा है प्रयास : प्रभाकर तिर्की

झारखंड आंदोलकारी प्रभाकर तिर्की ने कहा कि आज आदिवासी को इसलिए तोड़ने का प्रयास हो रहा है, क्योंकि हमारे लोग संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों को समझ नहीं पाए हैं. संविधान को पढ़ें और उसे समझें तभी ऐसी शक्तियों से आप मुकाबला कर सकते हैं. आदिवासी एकता रैली के बाद झारखंडी एकता महारैली का आयोजन किया जाएगा.

24 में भाजपा को खदेड़कर बदला लें : अजय तिर्की

केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि अगर आप खुद को और आदिवासियत को बचाना चाहते हैं तो भाजपा को रोकना होगा. एक आदिवासी मुख्यमंत्री को साजिश करके जेल भेज दिया. अगर नहीं जगे तो आने वाले दिनों में एक-एक चीज,जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा सभी लूट लेंगे. इसलिए 2024 में इन्हें खदेड़ने का काम करें.

आदिवासी सीएम को षडयंत्र कर जेल भेजा : शिवा कच्छप

आदिवासी सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि आज हम यहां क्यों आए. यह समझने की जरूरत है. आज आदिवासी खतरे में हैं. हर ओर से हमपर हमले हो रहे हैं. एक आदिवासी सीएम को षड्यंत्र करके जेल भेज दिया गया. सरना धर्म कोड तो दिया नहीं, अब हमें धर्म के नाम पर बांटना चाहते हैं. इसलिए आदिवासी सजग रहें, एकजुट रहें.

महारैली को इन्होंने भी किया संबोधित

महारैली को पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बुलमुचू, आजसू के संस्थापक और आदिवासी कांग्रेस नेता प्रभाकर तिर्की, पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की, सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला, ग्लैडस डुंगडुंग, वासवी, पीसी मुर्मू, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, आदिवासी सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप, कांग्रेस नेत्री रमा खलखो, आदिवासी सेना के अध्यक्ष अजय कच्छप, क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप तिर्की, जगदीह लोहरा, रैली के संयोजक लक्ष्मी नारायण मुंडा, बेलस तिर्की समेत कई ने संबोधित किया. रैली में मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के संदेश को रतन तिर्की ने पढ़ कर सुनाया.

आदिवासी को भटकाने वाली रैली : फूलचंद तिर्की

रांची । केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने आदिवासी एकता रैली को राजनीति से प्रेरित बताया हुए कहा है कि यह रैली आदिवासियों को भटकानेवाली है. इस रैलीके बहाने एसटी के सूची से बाहर होने के डर से सरना ईसाई भाई भाई की रैली निकाली गयी है. यह रैली कुर्मी को आदिवासी बनने से रोकने की लड़ाई को भटकाने वाला भी बताया. आदिवासी समाज रूढ़िवादी परंपरा, संस्कृति को मानता है, उन्हें बरगला कर कभी हिंदू तो कभी ईसाई रैलियों में ले जाया जाता है. जब ईसाई आदिवासी के पास संकट आता है तो सरना ईसाई भाई-भाई नजर आने लगता है. वे सरना धर्म को तुच्छ बताते हैं और ईसाई के रूप में धर्मांतरण करते हैं.

राजनीतिक फायदे के लिए सरना समाज को बेचा : ईसाई मिशनरी आदिवासी एकता महारैली में आदिवासी समाज की परंपरा एवं संस्कृति का मखौल उड़ाया गया. धार्मिक आस्था से जुड़े सरना झंडा को भी नहीं छोड़ा गया. सरना आदिवासी राजनीतिक लोगों के हत्थे चढ़ गये और सरना समाज को बेच दिया.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ विद्यापति
सर्जरीः	डॉ शीतल मलुआ
कार्डियोलॉजीः	डॉ प्रकाश कुमार
ऑर्थोपेडिकः	डॉ विनय प्रभात
न्यूरोसर्जरीः	डॉ सीबी सहाय
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
ऑब्स गायनीः	डॉ एसबी सिंह
सीटीवीएसः	डॉ अंशुल कुमार
न्यूरोलीजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार
ईएनटीः	डॉ आरके चौधरी
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
प्लास्टिक सर्जरीः	डॉ विक्रांत रंजन
पीएमआरः	डॉ अमित चैतंय
रेडिशन ऑन्कोलॉजीः	डॉ अनूप
सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः	डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
यूरोलॉजीः	डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

शहर में आज

1. राहुल गांधी की न्याय यात्रा दोपहर 12 बजे बूटी मोड़ पहुंचेगी. एचईसी आवासीय परिसर के सेक्टर थ्री शहीद मैदान में दोपहर 2 बजे आम सभा होगी
2. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) प्रबंधन की प्रेस वार्ता दोपहर 12 बजे, दीक्षांत समारोह की जानकारी दी जाएगी.
3. झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र दिन के 10 बजे से
4. फिल्म मिर्ग की पीसी अमेटी विश्वविद्यालय में सुबह 10 बजे से
5. पुस्तक का लोकार्पण, द रांची प्रेस क्लब में दिन के 11.30 बजे से
6. शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम

सदानों का अधिकार पैदल मार्च 27 को, राज्यपाल को सौंपेंगे ज्ञापन

मूलवासी सदान मोर्चा की बैठक में हुआ निर्णय

संवाददाता ।रांची

मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय समिति की ओर से सदानों के अधिकार को लेकर रविवार को ग्रैंड ऑकेजन बैंक्वैट हॉल में मूलवासी सदान मोर्चा की बैठक हुई. निर्णय लिया गया कि मूलवासी सदान मोर्चा के द्वारा 27 फरवरी को रांची के शहीद स्मारक, जिला स्कूल से राजभवन तक विशाल पैदल मार्च रैली आयोजित की जाएगी तथा सदानों की विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा. इस पैदल मार्च में राज्य के समस्त जिलों के सदान शामिल होंगे. इस मौके पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि राज्य में बनने वाली सरकारों ने मूलवासी सदानों के अधिकार छीनने का काम किया है, उन्होंने कहा कि सदानों को अधिकार लेना है तो मूलवासी सदान मोर्चा के आह्वान पर लोकसभा व विधानसभा चुनाव में सदानों के हित में जो दल को समर्थन देगा, उसी दल को वोट करें. तभी सदानों को अधिकार मिलेगा. मौके पर पूर्व पार्षद विजय साहू, प्रभादेवी, आरती देवी, विशाल सिंह, मोहर राम, पप्पू साहू, अमित कुमार, प्रो अरविंद प्रसाद, योगेश प्रजापति, बलबीर साहू, आरती देवी, प्रदुम कुमार, रोहित नाग, पंकज साहू, रंजन, विनोद, सुमित, विजय साहू, विशाल कुमार, अमित साहू, विकास कुमार आदि शामिल थे.

आदिवासियों पर राजनीतिक रोटी न सेंकें : लिंडा

- आज वीर पुरुषों के वंशजों को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जा रहा है

संवाददाता ।रांची

आदिवासी संगठनों द्वारा आयोजित आदिवासी एकता महारैली में हिस्सा लेने के लिए खूंटी के बाहा लिंडा भी पहुंचे थे. गले में मिट्टी से बने मटका पहनकर रैली में शामिल हुए, जिस पर लिखा था- अछूत जंगल. उनके हाथ में एक कार्डबोर्ड भी था, जिसपर आदिवासी और ईसाई को सुरक्षा की गारंटी देने, समेत कई अन्य मुद्दों को उल्लेख था. लिखा था कि आदिवासी समाज को लेकर राजनीतिक रोटी न सेंकी जाए, क्योंकि हक व अधिकार के लिए आदिवासी शुरू से ही अपने बलबूते आंदोलन कर रहे हैं. इसके बावजूद आज वीर पुरुषों के वंशजों को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जा रहा है.

नामकुम जिप सदस्य और मुखिया का हुआ स्वागत

संवाददाता ।रांची

जिप सदस्य रामवतार करकेट्टा व मुखिया कार्मेला कच्छप का रविवार को नामकोम प्रखंड के सदाबहार चौक स्थित समाधान केंद्र में स्वागत किया गया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया. दोनों ने कांग्रेस को छोड़ कर बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा का दामन थामा था. इस मौके पर भाजपा परिवार के सदस्य ने उनका आभार जताया.और कहा कि मोदी सरकार में मानव ही नहीं, देवी देवता भी खुश हैं.

साथ ही उन्होंने झारखंड में बाबूलाल मरांडी की सरकार बनाने की अपील की. मौके पर प्रमोद सिंह, अखिलेश यादव, अनिरुद्ध पांडेय, रवींद्र सिंह, गोपाल चौधरी, रामकिशुन समेत अन्य शामिल हुए.

सर्वसम्मत निर्णय वैश्य मोर्चा कोर कमेटी की बैठक, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा, रांची में राहुल गांधी का करेंगे भव्य स्वागत

विधानसभा के समक्ष 20 फरवरी को होगा वैश्य मोर्चा का चेतावनी महाधरना

18 को सहोदरी देवी की 12 वीं पुण्यतिथि पर भुरकुंडा में होगा कार्यक्रम

संवाददाता।रांची

रेडियम रोड स्थित होटल आलोका में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की कोर कमेटी की बैठक केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु की अध्यक्षता में हुई. बैठक में उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा गया कि रामगढ़ अनुमंडल प्रशासन द्वारा भूख हड़ताल की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद भी 30 जनवरी को रामगढ़ में ही विशाल आक्रोश सम्मेलन आयोजित कर वैश्य मोर्चा ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी. बैठक में कहा गया कि राज्य में वैश्यों की जमीन लूटने के मामले बढ़ गए हैं. जमीन के मामले में अवैध पैसे का लेन-देन और आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हुई है.

निर्णय लिया गया कि 18 फरवरी को भुरकुंडा में केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु की माताजी स्व. सहोदरी देवी की 12वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित की जायेगी. वहीं 20 फरवरी को अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के समक्ष चेतावनी महाधरना दिया जायेगा. 24 को रामगढ़ जिला के रजरप्पा में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 200 कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर लगाया जायेगा. सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव भी पारित किए गए. पहले प्रस्ताव में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सह सांसद राहुल गांधी का झारखंड की धरती पर स्वागत करते हैं. उनसे पुनर्गठित महागठबंधन सरकार को निर्देश देकर ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, वैश्य समाज की लूटी गई जमीन वापसी, छोटे दुकानदारों की 10 लाख रुपये तक की ऋृण माफी तथा वैश्यों पर हो रहे अत्याचार, शोषण एवं जुल्म पर रोक लगाने की पहल करने की मांग करेंगे.

हड़पी गयी जमीन वापस नहीं करने पर सड़क पर उतर किया जाएगा आंदोलन

दूसरे प्रस्ताव में वैश्य मोर्चा ऐसे लोगों को चेतावनी देता है, जिन लोगों ने वैश्य समाज की जमीन को हड़प रखा है या केस में उलझा कर परेशान कर रहे हैं, वे जल्द वैश्य समाज की जमीन को वापस कर दें. अन्यथा इनके खिलाफ सड़कों पर उतर कर कार्रवाई की जायेगी. मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, हाइकोर्ट के अधिवक्ता योगेंद्र प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष रामसेवक प्रसाद, संजीव चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष सहदेव चौधरी (अधिवक्ता हाइकोर्ट), लक्ष्मण साहु, प्रधान महासचिव बीरेंद्र कुमार, उप-प्रधान महासचिव उपेंद्र प्रसाद, संगठन महासचिव कृष्णा प्र. साहु, केंद्रीय सचिव गुड्डू साहा, संगठन सचिव लखन अग्रवाल, अनिल वैश्य, केंद्रीय सदस्य नंदकिशोर भगत, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु, जिलाध्यक्ष रोहित कुमार साहु, बसंत प्रसाद साहु, महिला मोर्चा की कार्यकारी अध्यक्ष नम्रता सोनी, युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, छात्र मोर्चा अध्यक्ष युवराज साहु शामिल थे.

बच्चों में सोशल इमोशनल लर्निंग स्किल विकसित कर रहा हर्ष जोहार पाठ्यक्रम

संवाददाता। रांची

शिक्षा विभाग की ओर से शुरू किया गया हर्ष जोहार पाठ्यक्रम स्कूली बच्चों में सोशल इमोशनल लर्निंग स्किल विकसित कर रहा है. क्लास में हाशिये पर रहने वाले, तनाव में रहने वाले और पढ़ाई से अरूचि वाले बच्चों को इस पाठ्यक्रम से लाभ मिल रहा है. वर्तमान में राज्य के 121 सरकारी स्कूलों, 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों और 41 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में यह पाठ्यचर्या लागू है, जहां इसके सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिल रहे हैं. रांची के टीवीएस मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के स्कूल प्रबंधक एसएम ओमाइर बताते हैं कि हर्ष जोहार पाठ्यचर्या बच्चों को मूल रूप से खुश महसूस कराती हैं. बच्चे सरल एवं प्रभावी गतिविधियों की मदद से पढ़ाई करते हैं. यह सामाजिक, भावनात्मक और रचनात्मक विकास के लिए उपयुक्त पाठ्यचर्या है. कई ऐसे उदाहरण हैं, जिन्हें इस पाठ्यक्रम से फायदा हुआ है. इसी में खुशी कुमारी है, जो धनबाद के निरसा स्थित केजीबीवी में पढ़ती है. खुशी पढ़ने में काफी अच्छी है, लेकिन क्लास में अलग-थलग रहने के कारण बच्चे उससे परेशान करते थे. इसके कारण उसका आत्मविश्वास कम हुआ था. हर्ष जोहार पाठ्यक्रम ने खुशी में आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा दिया. गिरिडीह के गांडेय केजीबीवी की दसवीं की छात्रा सोनिका कुमारी को बचपन में एक हादसे पूरी तरह टूट चुकी थी. हर्ष जोहार पाठ्यक्रम ने उसे सामाजिक और भावनात्मक रूप से जागरूक वातावरण से परिचित कराया.

बच्चे उत्साहित

- पढ़ाई से अरूचि वाले बच्चों को इस पाठ्यक्रम से हो रहा लाभ
- राज्य भर के 121 सरकारी स्कूलों में है यह पाठ्यक्रम

नगर भ्रमण कर वैश्य भवन में विराजे भगवान बलभद्र

शोभायात्रा में उमड़े भक्तजन

संवाददाता। रांची

चौधरी वैश्य भवन, चौधरी धर्मशाला आनंद नगर में भगवान बलभद्र की प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर गाजे-बाजे के साथ भव्य नगर भ्रमण शोभायात्रा निकाली गयी. दिन के नौ बजे अनुष्ठान स्थल से जैसे ही यात्रा शुरू हुई, जयकारों से वातावरण गूंज उठा. श्रद्धालु अपने इष्ट की प्रतिमा के साथ भ्रमण को निकल पड़े. जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती गयी, भक्तों का कारवां भी बढ़ता गया. देखते ही देखते श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गयी. भक्ति गीतों पर नाचते-झूमते और भगवान का जयघोष करते हुए सभी जब चूना भट्ठा पहुंचे तो वहां स्थानीय निवासियों की ओर से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया. यात्रा में शामिल लोगों के बीच अल्पाहार बांटा गया. लगभग ढाई घंटे तक आस-पास के इलाके का भ्रमण कर भक्तगण वापस लौटे. पूर्वाह्न 11:52 बजे से प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. विद्वान पंडितों की टोली ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. प्रभु की आरती उतारने के साथ आम भक्तों के लिए दर्शन सुलभ हो गया. इसके बाद भंडारा चला. लगभग चार हजार से ज्यादा लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया. चौधरी सेवा संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष आदित्य कुमार चौधरी, लाल बाबू चौधरी, महामंत्री हरिशंकर चौधरी, सह मंत्री विजय कुमार चौधरी, संजय कुमार चौधरी, कोषाध्यक्ष अवध किशोर आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

श्री शिव बारात आयोजन समिति के अध्यक्ष बने रमेश सिंह

रांची। शिव मंदिर, इंद्रपुरी रातू रोड में रविवार को श्री शिव बारात आयोजन समिति की बैठक हुई. इसमें इस बार भी भव्य रूप में धूमधाम से श्री शिव बारात निकालने का निर्णय लिया गया. साथ ही इसके सफल आयोजन को लेकर सर्वसम्मति से रमेश सिंह को फिर से अध्यक्ष चुना गया.

साथ ही कार्यकारिणी समिति गठित की गयी. जिसमें पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व मेयर आशा लकड़ा, आजसू प्रमुख सुदेश महतो को मुख्य संरक्षक, हरविंदर सिंह बेदी, बिंदु भूषण दुबे, विनय कुमार सिंह,विजय कुमार सिंह, डॉ मिंटू चौबे, राहुल अवस्थी, पूर्व पार्षद सुनीता देवी, अशोक यादव, विक्की यादव, संजीव चौधरी,अजय छाबरा, चेतलाल रामदास, सुजीत सिंह, ऋषि नाथ शाहदेव और नंदकिशोर अरोड़ा को संरक्षक मंडली में शामिल किया गया. वहीं गौरव बजाज, सुमित बजाज को वरीय उपाध्यक्ष, नवीन पापनेजा को कार्यकारी अध्यक्ष, सत्येंद्र तिवारी, हीरालाल पापनेजा, अशोक बजाज, हरजीत सिंह, कौशल कुमार चौधरी, गिरधारी लाल वर्मा, विकास राज गुप्ता को उपाध्यक्ष, विजय कुमार विज्जू को बारात संयोजक, शैलेंद्र कुमार शैलू को सचिव, राकेश अरोड़ा, नीरज जायसवाल को सह सचिव, रवि अरोड़ा को कोषाध्यक्ष, संजय अरोड़ा को सह कोषाध्यक्ष, शंकर किन्नर, संजय अग्रवाल को संगठन मंत्री, अनिल गुप्ता, चंदन, बच्चन चौधरी, गौरव गिरीधर, वैभव विक्रम तनु, सतीश कार्यकारी सदस्य मनोनित किया गया.

लापुंग के लालगंज में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन, 174 मरीजों को मिली दवा

संवाददाता। रांची

श्री सर्वेश्वरी समूह रांची शाखा ने लापुंग के लालगंज गांव के राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय भवन में एक निःशुल्क चिकित्सा एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया. कार्यक्रम की शुरुआत श्री सर्वेश्वरी समूह के संस्थापक अध्यक्ष अघोरेश्वर भगवान राम एवं वर्तमान अध्यक्ष संभव राम की तस्वीर के समक्ष आरती-पूजन के साथ की गई. शिविर में रांची के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एसएन. सिन्हा, डॉ. रंजन नारायण, डॉ. शंकर रंजन, डॉ. रोहित सिंह के साथ लापुंग ब्लॉक सीएचसी से डॉ. प्रियंका कुमारी ने अपनी सेवा दी.

शिविर में ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ब्लड प्रेशर की जांच सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसमें सीएचसी लापुंग से प्रदुमन सिंह, शरत कुमार यादव, श्रवण सिंह, सिमसुन केरकेट्टा, सबिता कुमारी, शशि चेर्माको ने अपनी सेवा दी. चिकित्सा शिविर सुबह 10:00 बजे से शाम 4.00 बजे तक लगाया गया, जिसमें डोम्बा एवं आसपास के गांवों से लगभग 174 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श एवं दवा दी गयी. कार्यक्रम के सफल आयोजन में रवींद्र साहु, भानु प्रताप नाथ शाहदेव, चरकू साहु, राजेन्द्र साहु, विकास नाग, सौरभ कुमार, नितेश साहु, गजेन्द्र साहु एवं शशि साहु ने विशेष योगदान दिया. शिविर में श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा रांची की तरफ से राधेश्याम सिंह, आनंद सिंह, आशुतोष कुमार, सुनील साहु, उदय नारायण पांडेय, प्रशांत सिन्हा, सौरभ चौधरी, दक्ष कुमार, जय शंकर कुमार, अंजनी सिंह, सुधीर कुमार साहु, प्रताप आदित्य नाथ शाहदेव, अमित तिवारी के साथ लगभग 40 श्रद्धालु-सदस्य शामिल हुए.

निशांत बने हिंदू जागरण मंच के महानगर अध्यक्ष

रांची। राजधानी के पिस्का मोड़ स्थित विशालाक्षी बैंक्वेट हॉल में हिंदू जागरण मंच दो दिवसीय महानगर अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ. समापन सत्र में हिंदू जागरण मंच के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि नाथ शाहदेव ने निशांत चौहान को हिंदू जागरण मंच रांची महानगर का अध्यक्ष बनाया गया. महानगर अध्यक्ष बनने पर भाजपा नेता अर्जुन राम समेत कई लोगों ने निशांत चौहान को बधाई दी.

वीमेंस कॉलेज में स्वास्थ्य जागरुकता अभियान

रांची। रांची वीमेंस कॉलेज के एनएसएस द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन स्वास्थ्य जागरुकता अभियान चलाया गया है. इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर रांची विश्वविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. ब्रजेश कुमार शामिल थे. इस कार्यक्रम का नेतृत्व विमेंस कॉलेज के अधिकारी डॉ. कुमारी उर्वशी ने किया.

जेसीआई ने 77 लोगों की मोतियाबिंद जांच करायी

संवाददाता। रांची

जेसीआई रांची ने रविवार को जेसीआई ऑफिस में 77 लोगों का निःशुल्क मोतियाबिंद जांच कराया. साथ ही उन 77 लोगों में से 14 लोगों का मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जायेगा. यह कार्यक्रम जेसीआई एवं भगवान महावीर आई हॉस्पिटल रांची के सौजन्य से कराया गया. जेसीआई रांची के अध्यक्ष विक्रम चौधरी ने कहा कि हमारे समाज में बहुत सारे ऐसे लोग हैं, जिन्हें मोतियाबिंद की बीमारी है पर वो किसी वजह से ऑपरेशन नहीं करा पाते हैं, तो हम इस तरह के कार्यक्रम कराकर उन्हें मदद कर सकते हैं. इस कार्यक्रम में उपदेशक रोहित जैन और संयोजक निखिल अग्रवाल, यश जालान व ऋषभ जालान थे. साथ ही जेसीआई संस्था के सचिव मयंक अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, ऋषभ जैन, दीपक पटेल,भगवान मेडिका आई हॉस्पिटल के अध्यक्ष पूरणमल जैन, समन्वयक डॉ विके जैन, प्रबंधक एसएन प्रसाद, आशावादी जूही, ममता शामिल थे.

प्रभु के प्रचार में आज माताएं विशेष भूमिका निभाती हैं: आर्च बिशप

रांची। डालटनगंज के साधना सदन चियांकी में 28वीं धर्मप्रांतीय महिला आससभा का रविवार को समापन हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अनुष्ठाता रांची महाधप्रांत के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो ने मिस्सा बलिदान अर्पित किया. उन्होंने अपने उपदेश मे कहा कि प्रभु के सुसमाचार में माताएं ही परिवार में विशेष भूमिका निभाती हैं. कहा कि प्रार्थना के द्वारा ईश्वर से संयुक्त होकर उसके योजना को पहचानते हैं. ईश्वर की इच्छा पूरी करने के लिए ईश्वर से प्राप्त शक्ति के द्वारा जिम्मेदारी को पूरा करते हैं. मौके पर उतरी लातेहार के डीन फादर एमानुएल केरकेट्टा, डाल्टनगंज के पल्ली पुरोहित फादर मॉरिस कुजूर, साधना सदन के निदेशक फादर प्रदीप बखला, बालूमाथ पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर वाल्टर, छिपादोहर पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर ज्योतिष बखला और ब्रदर सुमन कुजूर समेत धर्म बहनें शामिल थीं.

भक्तों ने बांटा भंडारे का प्रसाद

संवाददाता। रांची

श्रीकृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम में रविवार को संत सदानंद जी के अनुयायियों ने भजन-कीर्तन कर बड़ी संख्या में लोगों के बीच भंडारे का प्रसाद बांटा. दोपहर साढ़े 12 बजे एमआरएस श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट और स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले इसका आयोजन किया गया.

इस मौके पर प्रतिक और श्रुती अग्रवाल ने अपनी शादी का चौथा सालगिरह भी सेवार्थ कार्य कर मनाया. इसमें उनके माता-पिता रमेश और सरोज अग्रवाल सहित परिवार के लोगों ने भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. इसमें अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, प्रमोद सारस्वत, पुर्णमल सर्राफ, बिष्णु सोनी, प्रभाष गोयल, गोविंद अग्रवाल, हसविशाल जालान, सुरेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, ओमप्रकाश सरावगी, प्रकाश अग्रवाल, ओम प्रकाश, मंजु गुप्ता, गोपाल, स्नेहा मवनडिया, प्रभात, सुनिता अग्रवाल, राजेश, मधु कयाल, धीरज गुप्ता, चंद्रदिप साहु, परमेश्वर साहु, विधा देवी अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, शिला मुरारका, सरोज पोद्दार आदि ने भंडारे में मुख्य रूप से भागीदारी निभायी.

संत जेवियर कॉलेज में अंतरिम बजट पर सेमिनार का आयोजन

संवाददाता। रांची

संत जेवियर्स कॉलेज के आईक्यूएसी व आईसीएमए ने संयुक्त रूप से अंतरिम बजट 2024 के अवसर और विकास की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. फादर नबोर लकड़ा, मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित सीसीएल के चीफ मैनेजर (फाइनेंस) डॉ. संजय कुमार और सीएमए के राकेश कुमार सिन्हा शामिल थे. सेमिनार में अंतरिम बजट 2024 को बढ़ावा देने और उसकी संभावनाओं के बारे में वक्ताओं द्वारा विस्तार से बताया गया. डॉ. संजय सिंह ने संगोष्ठी संबोधन में कर सुधारों में हुए उपलब्धियां गिनाईं. बताया कि सरकार गरीब कल्याण और देश का कल्याण कर 2040 तक विकसित देशों में अपने आप को स्थापित कर सकता है. वक्ता के तौर पर उपस्थित राकेश कुमार सिन्हा ने बजट की परिभाषा उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला.

बच्चों ने उकेरी अपनी अनोखी कला

संवाददाता। रांची

रांची पब्लिक स्कूल में रविवार को साइंस एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. बच्चों ने प्रदर्शनी में अपनी अनोखी कला उकेरी. मुख्य अतिथि के रूप में संस्थापक एम सईद शामिल हुए. शामिल अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया. उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न का सम्मान मिला.

कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा कि शिक्षा से हमें नैतिक मूल्यों, समाज सेवा की भावना, सामाजिक न्याय व समरसता के महत्व को समझने में मदद मिलती है, शिक्षा मानव जीवन के हर पहलू पर सकारात्मक प्रभाव डालती है. वहीं स्कूल प्रबंधन की ओर से आये अतिथियों का स्वागत किया गया. मौके पर स्कूल निदेशक प्रो. जावेद अहमद, मो. तौहीद, प्राचार्या सना जावेद, उप प्रचार्या शबनम परवीन, मो. नौशाद, सरफराज, लिटिल एंजल्स के निदेशक मसूद कच्छी, मो. इस्लाम, मो. मुन्ना, समेत स्कूल शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी शामिल थे.

प्रदर्शनी में लगाये थे ये मॉडल : स्मार्ट सिटी, चंद्रयान, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, ट्रैफिक रूल्स, मक्का, मदीना, विंड मिल, मॉडल ऑफ सेटेलाइट, हाइड्रालिक ब्रिज, वालकेनो, रैन वाटर सेविंग्स सिस्टम आदि के मॉडल प्रदर्शनी में लगे थे.

बॉक्सिग प्रतियोगिता में रांची जिला के विभिन्न क्लबों व स्कूलों के 104 खिलाड़ियों ने भाग लिया

दूसरी रांची जिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता संपन्न

संवाददाता। रांची

रांची जिला एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन का एकदिवसीय दूसरा रांची जिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता हिनू स्थित युनाइटेड क्लब हिनू में रविवार को संपन्न हुआ. शामिल अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया. मौके पर रांची जिला के विभिन्न क्लबों एवं स्कूलों के 104 खिलाड़ियों ने भाग लिया. दिन भर प्रतियोगिता चलने के बाद संध्या 5 बजे प्रतियोगिता का समापन हुआ. सबसे अधिक पदक लालचंद लोहार यूनिट प्रभात तारा स्कूल एवं क्लब ने प्रथम स्थान पाया, इबरार युनिट वाईएमसीए कांटा टोली क्लब दूसरा स्थान, जावेद यूनिट वाईएमसीए पब्लिक स्कूल कांटा टोली एवं धुर्वा तीसरा स्थान पाया. मुख्य अतिथि के रूप में सीओ डोरंडा अंचल सौरभ सुमन शामिल हुए. उन्होंने कहा कि खेलकूद बच्चों को अनुशासन का गुण प्रदान करता है. विनय सिन्हा दीपू ने कहा कि हमारा उद्देश्य है बच्चों को उचित प्लेट फार्म देना है, ताकि खिलाड़ियों का भविष्य उज्जवल हो. महासचिव गुलाम जावेद ने कहा कि इस प्रतियोगिता के पदक प्राप्त खिलाड़ियों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में खेलने का अवसर प्राप्त होगा. बेहतर खेल का प्रदर्शन कर रांची जिला पूरे प्रदेश में नंबर एक बने इसके लिए पदक प्रप्त खिलाड़ियों का जल्द प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा. मौके पर मौके पर झारखंड एसो के अध्यक्ष बीसी ठाकुर, वरिष्ठ नेता भाजपा सुबोध सिंह गुड्डू, देवेंद्र प्रसाद, सेवानिवृत डीएसपी आशिस टोप्पो, आलोक श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव बिनोद प्रधान, आशुतोष सिंह महा सचिव ओवैस अराफात, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार करण कुमार सहित मुख्य रेफरी विमल आनंद नाग, नौसाद खान, कोषाध्यक्ष कमल किशोर कच्छप, काजल, लालचंद लोहार, संटू कुमार, इबरार अंसारी, पिन्टू कुमार आदि शामिल थे.

खिलाड़ी पुरस्कृत

- वाईएमसीए कांटाटोली क्लब को दूसरा स्थान मिला
- पब्लिक स्कूल कांटाटोली को तीसरा स्थान मिला

कैंसर के बारे में अब जागरुकता फैलाने के लिए चलेगा कार्यक्रम

संवाददाता। रांची

विश्व कैंसर दिवस के मौके पर जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा पूरे जिले में क्लोज द केयर गैप थीम के तहत जागरुकता अभियानों की एक श्रृंखला शुरू करने वाला है. जिसकी शुरुआत सिविल सर्जन के द्वारा कर दी गई है. इस अभियान में समुदाय के बीच जाकर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक व्यापक महीने भर की पहल की योजना बनाई गई है.

जागरुकता अभियान के तहत फिरायालाला चौक, सदर अस्पताल और खूंटी रोड में नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इसके अलावा, जागरुकता पहल का विस्तार जिले के विभिन्न क्षेत्रों और सभी ब्लॉकों तक किया जाएगा, ताकि लोगों को कैंसर का शीघ्र पता लगाने के बारे में शिक्षित किया जा सके. मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के लाभ से लोगों को परिचित कराने के लिए 7 फरवरी से 7 मार्च तक शिविर लगाया जाएगा. लोगों को उपलब्ध मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में सूचित करने के लिए हर ब्लॉक में रणनीतिक रूप से पोस्टर, होर्डिंग्स और बैनर लगाए जाएंगे. जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि इस बहुआयामी अभियान में जानकारीपूर्ण सत्र और आउटरीच कार्यक्रम शामिल होंगे.,जो नागरिकों को कैंसर से लड़ने में तथा बीमारी का शीघ्र पता लगाने के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए रणनीतिक रूप से डिज़ाइन किए गए हैं. इस व्यापक पहल का लक्ष्य देखभाल के अंतर को पाटना है. यह सुनिश्चित करना है कि व्यक्ति समय पर रहते बीमारी के लक्षण का पता चल सके.

होंगे जागरूक

- क्लोज द केयर गैप थीम के तहत चलेगी श्रृंखला
- अलबर्ट एक्का चौक पर होगा नुक्कड़ नाटक का मंचन

ब्रीफ खबरें

नामकुम में आजसू की बैठक संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

नामकुम। प्रखंड के बड़ाम पंचायत और टाटी पश्चिम पंचायत में खिजरी विधानसभा विधानसभा प्रभारी जितेन्द्र सिंह ,जिला अध्यक्ष बिना कुमारी जिला उपाध्यक्ष प्रकाश लकड़ा की उपस्थिति में आजसू पार्टी पंचायत प्रभारी और ग्राम प्रभारी का बैठक किया गया. इस बैठक में कई क्रांतिकारी युवाओं ने आजसू सुप्रीमों के कार्य एवं उनके सोच को ओर पार्टी के नीति सिद्धांतों को देखते हुए आजसू पार्टी का दामन थामा . इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय निर्देशानुसार सभी पंचायत प्रभारी एवं ग्राम प्रभारी को निर्देश दिया गया कि सभी कोई जल्द से जल्द चुल्हा प्रमुख बनाने का कार्य को पूर्ण करें.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

बुंडू। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गयी. घटना . एनएच 33 के बुंडू अनुमंडलीय अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के पास की है .घटना रविवार पौने सात बजे के आसपास की है. अज्ञात वाहन रांची से टाटा की ओर आ रही थी. दुर्घटना के बाद वाहन चालक अपना गाड़ी लेकर फरार हो गया. मौके पर बुंडू पुलिस पहुंचकर लाश अपने कब्जे में लेकर बुंडू थाना ले आयी है. पोस्टमार्टम के लिए कल रिम्स रांची भेजेगी. मृतक की पहचान नहीं हो पाया है. बुंडू पुलिस इस संदर्भ में एक मामला दर्ज कर जांच में जुटी है.

राणाडीह में हाथियों ने दो घरों को गिराया

सोनाहातू। प्रखंड क्षेत्र के राणाडीह गांव में शनिवार रात को 4 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड गांव में दो घर को ध्वस्त किया है. गांव के हीरालाल महतो और लखिन्दर महतो के घर को हाथी ने धवस्त किया है. घर का दीवाल गिरने के बाद हाथियों ने घर में रखे धान को भी खाया है. ग्रामीण हाथियों के डर से काफी भयभीत है. इधर गलऊ पंचायत के वनडीह गाँव के रविन महतो के एक एकड़ में तैयार आलू फसल को जंगली सूअर ने रौंद दिया है. ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ जंगली हाथी तो दुसरी तरफ सूअरों का उत्पात जारी है.

कल्याणपुर में रामदेव सिंह का हुआ भव्य स्वागत

पिपरवार। क्षेत्र के कल्याणपुर चौक में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता का जोरदार स्वागत किया.इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बुके और माला देकर जिला अध्यक्ष का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी. इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि अश्विनी दराद, विधायक प्रतिनिधि विजय लाल, बजरंग दल अध्यक्ष लक्ष्मण मंडल, प्रमुख प्रतिनिधि अरुण उरांव, अनिल सिन्हा, देवनाथ महतो, रंजन उरांव, धनराज भोक्ता, करण महतो, दिनेश केसरी,संजय गंझु सहित कई लोग मौजूद थे.

चतरा जिला भाजपाध्यक्ष ने किया पिपरवार का दौरा

पिपरवार। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित चतरा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता ने रविवार को सीसीएल पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया.पिपरवार पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावे विस्थापित ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया. जिसके बाद बेंती खेल मैंदान में स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. मौके पर बेंती मुखिया सरीता देवी, पंसस कुमारी अनुप्रिया, महामंत्री मिथलेश गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि बिजय लाल,अश्विनी दराद, ईश्वर दयाल पाण्डेय,सुजित भारती, विनय पाण्डेय,सुशील कुमार सिंह,प्रकाश महतो, दिलीप गंझू,मनु केशरी,बासुदेव गंझू सहित कई लोग मौजूद थे.

शोक सभा में हरिशंकर सिंह को श्रद्धांजलि दी

पिपरवार। जनता मजदूर संघ क्षेत्रीय कार्यालय पिपरवार में मजदूर नेता दिवंगत हरिशंकर सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया.इस कार्यक्रम का नेतृत्व जनता मजदूर संघ के केंद्रीय सचिव सह सीसीएल सेफ्टी बोर्ड सदस्य रवींद्रनाथ सिंह ने किया. जनता मजदूर संघ के मजदूर नेता हरिशंकर सिंह के चित्र पर संघ के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किए. शोकसभा में मुख्य रूप से निर्मल सिंह ,बालेश्वर सिंह, विजेंद्र सिंह, निर्मल उरांव, आशीष दुबे ,विजय प्रसाद, राजेश नायक, मुकेश कुमार ,राकेश सिंह सहित संघ के सैकड़ो सदस्य मौजूद थे .

ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किए बिना ही टावर लगाने से ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने बीएसएनल का टावर निर्माण कार्य बंद कराया

संवाददाता। पिपरवार

खास बातें

- झुलनडीहा गांव में लगाया जा रहा बीएसएनएल का टावर
- आदेश की प्रतिलिपि भी ग्रामसभा में देने को कहा

कोयलांचल क्षेत्र स्थित बेती पंचायत में अवस्थित झुलनडीहा गांव में निर्माणाधीन बीएसएनएल टावर निर्माण का कार्य ग्रामीणों ने रविवार को बंद करा दिया गया. ज्ञात है कि झुलनडीहा गांव के दिलीप उरांव के घर के समीप बीएसएनल टावर निर्माण का कार्य विगत एक सप्ताह से किया जा रहा था . रविवार 60 - 70 की संख्या में पहुंचे इस गांव के ग्रामीणों ने निर्माण कार्य स्थल पर पहुंच कर कार्य कर रहे संवेदक के मुंशी को यह कहते हुए कार्य बंद करने का निर्देश दिया कि किसके आदेश से इस स्थल पर टावर निर्माण का कार्य किया जा रहा है जबकि टावर निर्माण की अनुमति बिना ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किए बिना ही निर्माण कार्य किए जाने की बात कहते हुए कार्य को बंद करने एवं अधिकारियों के आदेश की प्रतिलिपि ग्राम सभा को उपलब्ध कराने की बात कही . इस संबंध में उक्त गांव के समाजसेवी सह वन अधिकार समिति के सचिव सुशील टोप्पो ने बताया कि बीएसएनएल टावर लगाए जाने के संबंध में ना तो ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किए गए हैं और ना ही संवेदक के मुंशी द्वारा निर्माण कार्य करा रहे संवेदक से अधिकारी के आदेश की कॉपी उपलब्ध कराने में असमर्थता जाहिर की है जिसके फलस्वरूप ग्रामीणों ने निर्माण कार्य बंद करा दिया . इस दौरान ग्रामीणों में मुख्य रूप से रीना देवी, सगीता देवी. अनिता देवी. गंगिया देवी. रीता देवी. फुलमनिया देवी. ईश्वर उरांव. महाबीर उरांव. राजकुमार उरांव. शाहिद शाहिद सैकड़ो ग्रामीण महिला पुरुष शामिल थे.

धनबाद में मनाया गया झामुमो का स्थापना दिवस, बोले सीएम चंपई

झारखंड में अब वही रहेगा, जो 1932 खतियान की बात करेगा

संवाददाता। धनबाद

सीएम ने कहा

हमसब के मन दुखी हैं कि आज के कार्यक्रम में युवा सम्राट हेमंत सोरेन व दिशोम गुरु शिबू सोरेन अनुपस्थित हैं

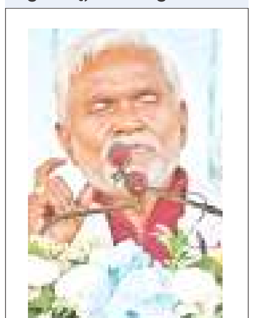

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 52वें स्थापना दिवस पर गोल्फ ग्राउंड में रविवार को आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि झारखंड की धरती पर वही रहेगा, जो 1932 खतियान की बात करेगा. हेमंत सोरेन ने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को विधानसभा से पास कराया, लेकिन भाजपा के इशारे पर महामहिम ने इसे निरस्त कर दिया. झामुमो की सरकार 1932 लागू करा कर ही दम लेगी. सीएम चंपई ने कहा कि हमसब के मन दुखी है कि आज के कार्यक्रम में युवा सम्राट हेमंत सोरेन एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन अनुपस्थित हैं. 2019 में हेमंत सोरेन ने इतना बड़ा बहुमत हासिल किया. जिसके बाद से ही लगातार भाजपा की ओर हेमंत सरकार को स्थिर करने का प्रयास किया गया है. सरकार बनने के बाद कोरोना काल में विपरीत परिस्थिति के बावजूद हेमंत सरकार ने मानव जीवन को बचाया. प्रवासी मजदूरों को दूसरे राज्यों से बसों, ट्रेनों और हवाई जहाज के माध्यम से घर पहुंचाया. ऐसा देश के किसी दूसरे मुख्यमंत्री ने नहीं किया. झारखंड को सोने की चिड़ियां कहा जाता है. यहां की खनिज संपदाओं पर भाजपा की गिद्ध नजर लगी है. जब भाजपा के हाथ में सत्ता थी, तो उसने आदिवासियों-मूलवासियों के अधिकारों को दबाने का कांम किया. यहां की धरती पर भाजपा वालों ने माइनिंग किया और मूलवासियों को बदनाम किया. पिछले 150 साल यहां माइनिंग हो रहा है. मूलवासी विस्थापित हुआ है. शिबू सोरेन ने इसी के खिलाफ अपनी लड़ाई शुरू किए थे. उन्होंने महाजनों के खिलाफ लड़ा और डुगडुगी बजाया. धनबाद की धरती पर 52 साल पहले झामुमो का उदय हुआ.

मूलवासी शिक्षित होंगे तो भाजपा नहीं कर पाएगी शासन

सीएम ने यह भी कहा कि आदिवासी-मूलवासी शिक्षित हो जायेंगे तो भाजपा शासन नहीं कर पाएगी. जब हेमंत सोरेन ने मूलवासियों की शिक्षा के लिए स्मार्ट मॉडल स्कूल एवं अन्य योजनाएं शुरू किया, तो भाजपा बौखला कर उनके खिलाफ षडयंत्र करने लगी. उन्होंने राज्य के साथ-साथ विदेशों में मुफ्त शिक्षा की योजना लागू किया. हेमंत सोरेन ने 60 वर्ष से अधिक सभी लोगों को पेंशन देना शुरू किया था. गांव से लेकर शहर तक को संवारने की योजना पर हेमंत सरकार ने काम किया. भाजपा वाले जल-जंगल-जमीन खत्म करने पर लगे हैं. जिसे हर हाल में बचाना है. चंपई ने कहा कि जब वे दिशोम गुरु के साथ पहली बार सरायढेला आए थे, तब उन्होने जाना यहां के खनिज संपदा के बारे में.

नेताओं ने कहा

झुके नहीं, हेमंत ने जेल जाना किया पसंद : विजय हांसदा

सांसद विजय हांसदा ने कहा कि भाजपा के आगे झुकने की बजाय हेमंत सोरेन ने जेल जाना पसंद किया. झामुमो की स्थिर सरकार को अस्थिर करने के लिए हेमंत को गिरफ्तार किया गया.

षड्यंत्र को कुचलकर नई सरकार बनी : महुआ माजी

सांसद महुआ माजी ने कहा कि भाजपा के षडयंत्र को कुचल कर नई सरकार का गठन हुआ है. साजिश के तहत हेमंत को शिकार बनाया गया. हेमंत जल्द ही हमसब के बीच होंगे और चुनाव में लोग उन्हें फिर जीत दिलाएंगे.

स्थापना दिवस में जुटी 50 हजार से अधिक भीड़ : अमितेश सहाय

झामुमो के अमितेश सहाय ने कहा कि स्थापना दिवस पर 50 हजार से अधिक भीड़ जुटी. हेमंत की गिरफ़्तारी से कार्यकर्ताओं में आक्रोश है, जो सभा मे देखने को मिला.

मांडर के हातमा जंगल में मिली युवती की लाश की शिनाख्त

मांडर। थाना क्षेत्र के हातमा में जंगल से मिली शव चान्हो थाना क्षेत्र के ओपा गांव के 20 वर्षीय मिनी पांडे के रूप में पहचान की गई. परिजनों के अनुसार दो फरवरी अपने घर ओपा से निकली थी. वह अपने मंगेतर और रांची में रह रही छोटी बहन के साथ अपना बर्थडे रांची के रंगोली होटल में सेलिब्रेट की थी. उसकी बहन पूजा पांडे के अनुसार 3:00 बजे उन लोगों ने मिनी को एक सिटी बस में चान्हो के लिए चढ़ा दिया था. उसने अपनी बहन को कहा कि घर पहुंचने पर उसे एक बार फोन कर बता देना. शाम में 6:00 बजे लगभग कई बार उसने अपनी बहन को फोन किया पर उसने फोन नहीं उठाया . घर में फोन करने पर उसे पता चला कि देर रात तक भी वह घर नहीं पहुंची थी. उसके घर नहीं पहुंचने पर घर वालों ने खोजबीन शुरू की पर देर रात तक उसका कुछ भी पता नहीं चल पाया था.

बड़कुम्बा यूनिट चर्च में धन्यवादी मिस्सा संपन्न

नामकुम। रविवार को प्रखंड के आरा पट्टी के बड़कुम्बा यूनिट चर्च में नव अभिषित कुलदीप लिंडा का पावन धन्यवादी मिस्सा रविवार को सम्पन्न हुआ.जिसमें उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को हमेशा ईश्वर को सुख व दुख में समभाव से उनके योगदान को याद रखना चाहिए . कुलदीप लिंडा का जन्म महिलोंग पंचायत के बड़कुम्बा गांव में बहुत ही गरीब परिवार में हुआ था . लालन-पालन प्लांडु गांव में एक गरीब परिवार में हुआ. उनका पुरोहिताभिषेक 27 जनवरी 24 को राजा उलातु चर्च में हुआ था.इस समारोह में उनके साथ बासील रुण्डा फ़ा0 दीपक टोप्पो फा- विजेन्द्र टोप्पो के साथ अन्य फादर गण मिस्सा में सहयोग किये.समारोह को सफल बनोने में राजेश लिंडा, रोशन लिंडा, विजय टोप्पो, संजय होरो व संगीता टोप्पो का अहम योगदान रहा .

हिल टॉप पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मना

संवाददाता। रांची

बरियातू स्थित "हिल टॉप पब्लिक स्कूल" का वार्षिकोत्सव समारोह मुस्कान 2024 बड़े ही धूमधाम से मनाया गया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर भूपेश कुमार, प्रधानाध्यापक इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, ब्राम्बे रांची उपस्थित रहे. समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉक्टर राजेश गुप्ता, संयोजक खेल विभाग रांची विश्वविद्यालय, विद्यालय के निदेशक राजेश गुप्ता, बोर्ड सदस्य पीके लाला, प्रधानाध्यापिका संगीता राज, उप प्रधानाध्यापिका सुनीता श्रीवास्तव एवं सभी शिक्षकगण शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा चतुर्थ और पंचम के छात्राओं द्वारा गणेश वंदना से हुई. उसके बाद लिटिल चैंप्स जूनियर विंग्स के बच्चों ने कपल डांस, भांगड़ा,रॉक एंड रोल आदि एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समा बांध दिया.

बुढ़मू पुलिस ने बालू तस्करों के खिलाफ की कार्रवाई

अवैध बालू लदे चार ट्रैक्टर जब्त किये

विजय मिश्रा। बुढ़मू

बुढ़मू के नये थाना प्रभारी रामजी कुमार कार्यभार संभालते ही बुढ़मू में बालू तस्करों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है. रविवार को अवैध बालू लदे 4 ट्रैक्टरों को पुलिस ने जब्त कर लिया. साथ ही खनन अधिनियम के तहत ट्रैक्टर मालिक सहित चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिससे बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है. थानेदार रामजी कुमार ने पदभार संभालते ही अवैध धंधेबाजों के खिलाफ कार्रवाई कर साफ- साफ बता दिया है कि उनके कार्यकाल में अवैध धंधा व बालू, तोयला की तस्करी करने वाले माफियाओं की अब खैर नहीं है. उन्होंने आते ही कहा था कि अपराध के साथ ही साथ अवैध कारोबार रोकना उनकी प्राथमिकता है. अब अवैध धंधेबाजों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा.

बिना नंबर के ट्रैक्टर से बालू, कोयला, लकड़ी की हो रही तस्करी

बुढ़मू ही नहीं आसपास के इलाकों में बालू, कोयला, लकड़ी की तस्करी बड़े पैमाने पर की जा रही है. अवैध कारोबार में जुटे माफिया बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टर से बालू, कोयला, लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं. क्षेत्र में ज्यादातर बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टरों का परिचालन हो रहा है. सूत्रों ने बताया कि तस्कर जानबूझ कर ट्रैक्टरों का नंबर प्लेट हटा देते हैं, ताकि वाहन की पहचान न हो सके.

आयोजन रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा का पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

बेहतर प्रदर्शन करनेवाले छात्र-अभ्यर्थी पुरस्कृत

संवाददाता। पिठोरिया

खास बातें

- समारोह में बच्चों के लिए चॉकलेट रेस का आयोजन
- महाभारत क्विज का आयोजन किया गया

रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा ने रविवार को पारिवारिक मिलन समारोह सह वार्षिक वनभोज का आयोजन पिठोरिया स्थित मुड़हर पहाड़ में किया. कार्यक्रम की शुरुआत जिला के पदाधिकारी एवं आये हुए अतिथियों के द्वारा महर्षि कश्यप की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की गई. इस समारोह में बच्चों के लिए चॉकलेट रेस, फुटबॉल को किक मार कर रिंग में डालना, ओम का उच्चारण जैसे कई प्रतियोगिता के साथ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. महिलाओं के लिए रामायण क्विज और पुरुषों के लिए महाभारत क्विज का आयोजन किया गया. सभी सफल प्रतिभागियों के साथ शिक्षा अन्य क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों- अभ्यर्थियों को पुरस्कृत किया गया. अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य सभा के राम शरण केशरी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के लोगों को शिक्षा के ऊपर विशेष ध्यान देना होगा. शिक्षा के बगैर समाज का विकास संभव नहीं है. शिक्षा से ही समाज की कुरीति मिटेगी और समाज सुखी संपन्न होगा. जिला अध्यक्ष कार्तिक कुमार केसरी ने कहा कि ऐसे आयोजन से स्वजातीय बंधुओं में आपसी एकता बढ़ती है. साथ ही विवाह योग्य युवक-युवतियों को शादी के निमित्त एक मंच मिलता है. आज के कार्यक्रम में अजीत केसरी, मदन केसरी, उमेश केसरी, दौलत केसरी, गोपाल साहू, रामकिशोर साहू, मदन केसरी, संजय चौधरी, मनीष केसरी, अखिलेश केसरी रामजीवन केसरी दिनेश केसरी, हेमंत केसरी, दीपक केसरी, अशोक केसरी, जयप्रकाश केसरी, संजीव केसरी, रवि केसरी, प्रमोद केसरी पुरुषोत्तम, केसरी, अनिल केसरी एवं अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे.

सिल्ली में पुरस्कार वितरण के साथ प्रतिभा दर्शन महोत्सव का समापन

सिल्ली/मुरी। रंगारंग कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण के साथ 10 दिवसीय प्रतिभा दर्शन महोत्सव का समापन हो गया. खेलगाव लगाम में रविवार को आयोजित महोत्सव के अंतिम दिन सभी प्रतियोगिताओं के फाइनल मैच खेले गए.प्रतिभा दर्शन महोत्सव के चैंपियन टीमों एवं सफल प्रतिभागियों को गूंज परिवार के संरक्षक सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया. अंतिम दिन टुसु (चौड़ल) प्रदर्शनी और झांकी समेत एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं हुईं. विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण अतिथियों द्वारा किया गया.प्रतिभा दर्शन महोत्सव को सफल बनाने में ब्रजेश प्रसाद, लम्बोदर महतो, लक्ष्मण महतो, विरेन्द्र महतो, अधीर महतो, झालू महतो, धनेश्वर कोइरी, फनी भूषण महतो, राजु महतो आदि का सराहनिय योगदान रहा.

न्यूज अपडेट

चिरगालडीह में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

सोनाहातू। प्रखंड के चिरगालडीह गांव में रविवार को पंजाबी हिंदू बिरादरी के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन किया गया. बिरादरी का ये पांचवां स्वास्थ्य जांच शिविर था. शिविर का आयोजन समाजसेवी प्रदीप महतो के सहयोग से किया गया. शिविर में डॉ.अजय छाबड़ा, डॉ. पंकज चौधरी, डॉ. श्रेयसी एक्का,डॉ. हिमानी नंदा, डॉ. तुषार आर्या एवं डॉ. उदीप लाल ने लोगों की जांच की. हृदय, स्त्री, हड्डी, दंत,नेत्र, सामान्य रोग एवं मधुमेह से सम्बंधित लोगों की जांच कर दवाएं दी गईं. शिविर में 320 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराया.शिविर का उद्घाटन भाजपा नेता सह केंद्रीय लाइब्रेरी के सदस्य डॉ राजाराम महतो, डॉ अजय छाबड़ा, बिरादरी अध्यक्ष सुधीर उग्गल,राजेश मेहरा एवं राजेश खन्ना ने संयुक्त रूप से किया.

ओबी डंप से जान जोखिम में डालकर कोयला निकाल रहे लोग

डकरा। सीसीएल एनके एरिया अंतर्गत केडीएच खदान के जेहलीटांड के समीप ओबी डंपिंग यार्ड में जान जोखिम में डालकर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कोयला चुनते हैं. जिससे कभी भी बड़ी घटना हो सकती है. ज्ञातव्य है कि केडीएच कोयला खदान से ओबी मिट्टी के साथ कोयला के टुकड़े हॉलपेक डम्फर से डंपयार्ड में पहुंच रहे हैं. हॉलपेक से जब यार्ड में ओबी मिश्रित कोयला को डंप किया जाता है तो जान की परवाह किये बगैर लोग कोयला चुनने दौड़ पड़ते हैं. वहीं दूसरी ओर जब यार्ड में इकट्ठा ओबी को डोजर से धकेल के समतल किया जाता है उस वक्त भी लोग कोयला चुनने पहुंच जाते है.

मोदी के कार्यालय में राम मुस्कुरा रहे हैं : रामावतार केरकेट्टा

नामकुम। जिप सदस्य रामावतार केरकेटा एवं खिजरी पंचायत के मुखिया कार्मेला कच्छप भारतीय जनता पार्टी में सदस्यता ग्रहण करने पर समाधान केन्द्र नामकुम सदाबहार चौक में बुके और सोल देकर भाजपा के गणमान्य नेताओं के द्वारा अभिनन्दन किया गया.जिला परिषद सदस्य रामावतार केरकेटा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन काल में मानव ही नहीं बल्कि देवी देवता भी खुश है और राम, मुस्कुरा रहें हैं . मौके पर प्रमोद कुमार सिंह प्र अखिलेश यादव अनिरुद्ध पाण्डेय रविन्द्र सिंह, गोपाल चौधरी, गौरख नाथ सिंह नीरज यादव, कौशल सिंह, अरविन्द कुमार, पीहूं सिंह रंजित पात्रा , तुलसी गोप, रामकिशुन साव,अनिल सिंह,साव, बिहारी सावा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहें .

मानवता ही मनुष्य का असली कर्त्तव्य : कैलाश कुमार

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के कपड़ा बैंक की टीम के द्वारा कपड़ा बैंक के अध्यक्ष और डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार के नेतृत्व में मांडर प्रखंड के परयागो मानपुर बस्ती में जरूरतमंदों के बीच 300 कपड़ों एवं कंबल का वितरण किया.लोगों के बीच ठंड कपड़े, स्वेटर, जैकेट, कम्बल, शॉल, साड़ी, जीन्स पैंट सर्ट कुर्ती इत्यादि बांटा गया. इस मौके पर कपड़ा बैंक के अध्यक्ष कैलाश कुमार ने कहा कि मानव सेवा और मानवता ही इंसान को सत्कर्म की प्रेरणा देती है. मानवता ही मनुष्य का असली कर्त्तव्य होता है. उन्होंने कहा ठंड के मौसम में लोगों को सर्दी एवं कडाक़े की ठंड से बचने के लिए कपड़े की अधिक आवश्यकता होती है. कैलाश कुमार ने कहा कि कपड़ा बैंक लगातार जरूरतमंदों के बीच कपड़े का वितरण कर रही है .

पुलिस मेन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कंबल बांटे

पिपरवार। पुलिस मेंस एसोसिएशन आईआरबी थ्री के अध्यक्ष शमशेर खान ने क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया.कोयलांचल क्षेत्र में बढ़ते ठंड के प्रकोप को देखते हुए शमशेर खान के द्वारा कोयलांचल क्षेत्र में घूम घूमकर गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल बांटा गया. इस संबंध में पुलिस मेंस एसोसिएशन आईआरबी थ्री के अध्यक्ष शमशेर खान ने बताया कि पूरे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड को देखते हुए उनके द्वारा कंबल बांटा जा रहा है. उन्होंने बताया कि बचरा बसंत बिहार में संचालित वृद्धा आश्रम मे रहने वाली वृद्ध महिलाओं के बीच कंबल बांटा गया. वहीं क्षेत्र के चौक चौराहों और बाजारों में घुम घुमकर वृद्ध असहाय और गरीबों के बीच भी कंबल का वितरण किया गया.

संघ,विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अयोध्या धाम का दर्शन किया

बेड़ो। बेड़ो एवं लापुंग प्रखंड के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में हिंदु जागरण मंच, विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अयोध्या धाम का दर्शन किया. इस संबंध में डॉ एसपी साहु और रंजीत खत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की योजना से झारखंड प्रांत सहित पूरे देश से अलग-अलग तिथियों में अलग-अलग प्रांत से आस्था स्पेशल ट्रेन के द्वारा अयोध्या धाम दर्शन की योजना के तहत बेडो.से 9 स्वयंसेवकों ने अयोध्या धाम का दर्शन किए जबकि लापुंग से तीन लोगों के जत्थे ने भगवान श्री राम का दर्शन किए . बेडो.प्रखंड के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओ.के जत्था ने डॉ एस पी साहु, रंजीत खत्री, विकास कुमार सिंह, मनोहर कुमार, गुरुपद दास गोस्वामी के संयुक्त नेतृत्व में संघ के कार्यकर्ताओं का जत्था अयोध्या धाम में भगवान श्री राम लला का दर्शन किया. उनके साथ सूर्य प्रकाश साहु, मुकेश गोप, मुकेश महतो, प्रकाश गोप, हरिशंकर गुप्ता सहित कई लोग शामिल हैं. इस मौके पर उन्होंने हनुमान गढ़ी, भरत हनुमान मिलन, भरत कुंड सरयू नदी तथा लता मंगेशकर चौक सहित कई स्थानों का भी भ्रमण किया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आठवें चंद्रमा नीच का है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें. मंदिर में मिठाई का दान करें.

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी. इतर का दान करें.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. अच्छे सच्चे मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. किसी नए कार्य की चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु समय शुभ है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर दिन खुशनुमा होगा. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन कोई यात्रा का योग है.धर्म मे मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. अपने इष्ट देवता का पूजन करें.

पेज एक का शेष

अपराधमुक्त झारखंड प्राथमिकता....

पुलिस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि इस घटना पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर है. कई गिरफ्तारियां भी की गई हैं. अनुसंधान जारी है. इस बैठक में मुख्य सचिव एल. ख्यांग्ते, डीजीपी अजय कुमार सिंह, एडीजी अभियान संजय लाठकर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे उपस्थित थे.

रांची, दुमका, धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर, हजारीबाग में अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान रखें: मुख्यमंत्री ने हत्या अपराध से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि हत्या के मामलों में जरूर कमी हुई है, परंतु इनका शीघ्र उद्वेदन जरूरी है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची में विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची, दुमका, धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर एवं हजारीबाग में अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान रखें, क्योंकि ऐसी जगहों पर कोई अपराध होता है, तो इसका नकारात्मक असर पूरे राज्य में पड़ता है.

पॉक्सो एक्ट जघन्य अपराध, नियंत्रण पर हो काम: बैठक में मुख्यमंत्री ने पॉक्सो एक्ट से संबंधित जानकारी अधिकारियों से ली. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पॉक्सो के मामलों में भी निरंतर कमी आई है.वर्ष 2019 में 1012, वर्ष 2020 में 1236, वर्ष 2021 में 1181, वर्ष 2022 में 1180 वहीं वर्ष 2023 से अबतक 973 पोक्सो एक्ट के मामले दर्ज किए गए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि पॉक्सो एक अत्यंत जघन्य अपराध है.पोक्सो के तहत दर्ज मामलों के अनुसंधान में कोई कोताही नहीं बरती जाए, यह सुनिश्चित करें.

जेल में रहकर अपराध को बढ़ावा देने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो : बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी भी खबरें मिल रही हैं कि जेल के भीतर से ही कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का गैंग राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनपर कड़ी कार्रवाई करें. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एटीएस में एसपी और डीएसपी की पोस्टिंग शीघ्र की जाए.

अपराध नियंत्रण में सहायक सभी संसाधन शीघ्र खरीदें: मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराध नियंत्रण में सहायक सभी संसाधन शीघ्र खरीदें. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष जानकारी दी कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए वायरलेस उपकरणों के क्रय हेतु प्रशासनिक स्वीकृति तथा बजट उपलब्धता हेतु गृह विभाग से पत्राचार किया गया है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य सचिव और डीजीपी सभी जिलों के डीसी एवं एसपी के साथ अपराध नियंत्रण को लेकर शीघ्र बैठक करें.

हम आदिवासियों के साथ खड़े...

राहुल गांधी ने कहा कि देश का पूरा का पूरा धन दो-तीन बड़े उद्योपतियों को दिया जा रहा है. चाहे वह एयरपोर्ट हों, पोर्ट हों, इंफ्रास्टर हों, किसान की जमीन हों, ये सभी चीजें नरेंद्र मोदी अपने उद्योगपति दोस्तों के हवाले कर रहे हैं. नोटबंदी, जीएसटी लागू कर भयंकर बेरोजगारी फैला दी गई है. आज इस देश में युवा चाहें भी तो उन्हें रोजगार नहीं मिल सकता है. सारे छोटे उद्योग, पीएसयू भाजपा ने रद्द कर दिए हैं. यहां बोकारो में पीएसयू है, जितना रोजगार स्थानीय लोगों को यहां मिलना चाहिए, नहीं मिल रहा है. देश में कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों को फैलाया जा रहा है. मैं इसके खिलाफ हूं, क्योंकि श्रमिकों के साथ अन्याय है. मजदूर, किसान, युवा सबके खिलाफ भाजपा सरकार आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक अन्याय कर रही है.

आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों के साथ हो रहा अन्याय : राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है. जल-जगंल-जमीन का उनको अपना हक नहीं दिया जा रहा. दलितों को दबाया जा रहा है. पिछड़ों की उपेक्षा की जा रही है. इस अन्याय के खिलाफ भारत जोड़ो न्याय यात्रा है. उन्होंने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान रोज 7-8 घंटे वह आम लोगों, किसानों, मजदूरों और युवाओं से रूबरू होते हैं. ये लोग काफी परेशान हैं, लेकिन केंद्र सरकार को इनकी तनिक भी चिंता नहीं है. राहुल ने भीड़ में मौजूद मजदूर को अपनी गाड़ी पर बुला कर कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों के दर्द और परेशानियों को जाना. इससे पहले नयामोड़, सिवनडीह, बालीडीह, जैनामोड़, बहादुरपुर, दांतू, पेटरवार होकर यह न्याय यात्रा रामगढ़ जिले में प्रवेश कर गयी. जैनामोड़ में राहुल गांधी ने खुले वाहन से ही खड़े खड़े बाबा तिलका मांझी को नमन किया. इस दौरान बेरमो विधानसभा क्षेत्र की शुरुआत टांड़ बालीडीह से बहादुरपुर तक सैकड़ों बैनर, होर्डिंग्स, कटआउट लगाए गए थे.

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने सुप्रीमो शिबू सोरेन से मोरहाबादी स्थित उनके आवास में की मुलाकात, कहा-

सरकार को कोई खतरा नहीं, समर्थन में करेंगे वोट

संवाददाता। रांची

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने साफ कर दिया है कि वे विश्वास मत के दौरान अपनी ही पार्टी के पक्ष में वोट करेंगे. सरकार को किसी भी तरह का खतरा नहीं है. रविवार को वे मीडिया से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि वे चंपई सरकार के साथ खड़े हैं. इससे पहले लोबिन हेंब्रम ने झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन से मोरहाबादी स्थित उनके आवास में मुलाकात की. जानकारी के अनुसार, लोबिन ने शिबू सोरेन के साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा की. लोबिन के इस बयान के तमाम कयासों को विराम लग गया है.

ग्राम पंचायतें हो रही हैं कमजोर : लोबिन हेंब्रम ने कहा है ग्राम पंचायत कमजोर हो रही है. सरकार पेसा कानून लागू करे. आदिवासियों और मूलवासियों की जमीन लूटी जा रही है. पेसा एक्ट झारखंडियों का मूल कवच है. इसे भी लागू किया जाना चाहिए.झारखंड में शराबबंदी होनी चाहिए. गुरुजी सारे मजहब के लोगों को शराब से दूर रहने की नसीहत देते रहे हैं. बिहार में भी शराब बैन है. लोबिन हेम्ब्रम ने आगे कहा कि जितनी जल्द हो, झारखंड में भी शराबबंदी लागू होना चाहिए.

खास बातें

- ग्राम पंचायत कमजोर हो रही है, सरकार पेसा कानून लागू करे
- जितना जल्द हो सके, झारखंड में भी लागू हो शराबबंदी

विस्थापन आयोग का हो गठन : लोबिन हेंब्रम ने कहा कि झारखंड में विस्थापन आयोग का गठन हो. आज भी काफी संख्या में लोग विस्थापन का दंश झेल रहे हैं. उन्होंने आदिवासी-मूलवासी की जमीन की खरीद-बिक्री मामलों के लिए स्पेशल कोर्ट बनाने की भी मांग की है. एसपीटी और सीएनटी लागू नहीं हो सका. इसे ताक में रखकर जमीन का अधिग्रहण हो रहा है. ग्रामसभा के बगैर शेड्यूल एरिया में खदान चल रहे . जमीन का अधिग्रहण भी हो रहा है.

गलत सलाहकार के चक्कर में पड़ गए थे हेमंत सोरेन

लोबिन हेंब्रम से पत्रकारों ने हेमंत सोरेन पर ईडी की कार्रवाई, उनकी गिरफ्तारी और वर्तमान राजनीतिक हालात पर सवाल किया. इस पर विधायक ने कहा कि वे अक्सर उन्हें सावधान करते रहते थे लेकिन हेमंत सोरेन गलत सलाहकार के चक्कर में पड़ गए थे. कहा कि विधायकों को क्यों हैदराबाद के रिसॉर्ट भेजा गया, ये बात तो वही लोग बताएंगे.

मिथिला सांस्कृतिक परिषद का चुनाव 3 को

बोकारो। बोकारो में प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर चुनाव की प्रक्रिया आमसभा की बैठक में अधिसूचना जारी होने के साथ ही शुरू हो गई. मिथिला सांस्कृतिक परिषद के सभागार में आयोजित आमसभा की पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में रविवार को सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करते हुए छह पीठासीन पदाधिकारियों के नाम अनुमोदित किए गए. पीठासीन पदाधिकारी मंडल में विजय कुमार झा (संयोजक), प्रो. जयराम झा, डॉ. डीएन मिश्रा, अनिमेष कुमार झा, समरेंद्र झा तथा प्रमोद कुमार झा शामिल हैं. 3 मार्च, 2024 को प्रातः 9 बजे से संध्या 5 बजे की अवधि में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के परिसर में मतदान होगा और उसी दिन चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे. नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 फरवरी 2024 संध्या 6 बजे तक होगी.

अंगिका समाज के मिलन समारोह में जिला कमेटी का गठन

अंग क्षेत्र ऐतिहासिक, ग्रंथों में भी जिक्र : डॉ मनोहर

संवाददाता ।पाकुड़

झारखंड प्रदेश अंगिका समाज के स्थापना दिवस पर रविवार को पाकुड़ में मिलन समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ मनोहर कुमार, डॉ बिन्दु भूषण व डॉ निर्भय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया. अपने स्वागत भाषण डॉ मनोहर कुमार ने कहा कि अंग क्षेत्र का इतिहास अति प्राचीन है. हिंदू ग्रंथों में भी इसका जिक्र है. बाल्मीकि रामायण में कहा गया है कि त्रेता युग में अंग देश के राजा रोमपाद थे, जो राजा दशरथ के मित्र थे.

द्वापर में दुर्योधन ने अपने मित्र कर्ण को अंग देश का राजा बनाया था, जिसकी राजधानी भागलपुर थी. भागलपुर का कर्णगढ़ इसका प्रमाण है. प्रदेश उपाध्यक्ष भागीरथ तिवारी ने कहा कि 7वीं सदी में वामन जयादित्य रचित ग्रंथ "काशिका वृत्ति" में भी उल्लेख है कि भारत के 16 महाजनपदों में से एक अंग महाजन पद था, जिसकी प्रचलित भाषा आंगी थी.

बौद्ध ग्रंथ ललित विस्तार में 64 लिपियों की सूची में अंग लिपि चतुर्थ स्थान पर अंकित है. 16 महाजनपदों के मानचित्र में भी अंग देश अंकित है. इतनी प्राचीन भाषा होने के वावजूद अंगिका को केन्द्र सरकार ने आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया है. झारखंड सरकार ने भी इस दिशा में कोई पहल नहीं की है.जबकि बिहार से अलग होने के बाद झारखंड का संपूर्ण संथाल परगना प्रमंडल अंग क्षेत्र में पड़ता है. इसके साथ ही झारखंड के ज्यादातर जिलों में अंगिका क्षेत्र के लोग फैले हुए हैं.

कई समाज सेवक अंगिका समाज रत्न से सम्मानित

इस मौके पर अंगिका समाज पाकुड़ की ओर से समाज सेवा से जुड़े डॉ. बिन्दु भूषण, डॉ निर्भय कुमार सिंह, भागीरथ तिवारी, जवाहर कुमार सिंह, डॉ श्रीमोहन सिंह व मोहन रजक को अंगिका समाज रत्न से सम्मानित किया गया. समारोह में अंगिका समाज की पाकुडु जिला तदर्थ समिति की घोषणा की गई. समिति में संरक्षक डॉ बिन्दु भूषण, सहसंरक्षक धर्मेन्द्र सिंह, अध्यक्ष डॉ मनोहर कुमार, उपाध्यक्ष अंबोज कुमार वर्मा, अशोक प्रसाद, गंगाधर मिश्र व दिनेश मंडल, महासचिव विभाष मिश्रा, हिसाबी राय व कृपासिन्धु बच्चन, सचिव संजय कुमार शुक्ला, सहसचिव राजेश चौधरी, अजय कुमार झा, भोपाल यादव व राजीव झा, कोषाध्यक्ष कैलाश झा, सह कोषाध्यक्ष मिथिलेश त्रिवेदी, संगठन महासचिव डॉ अमरेन्द्र सिन्हा, संगठन सचिव धर्मेन्द्र तिवारी, संगठन सह सचिव रितेश पाण्डेय, संजय कुमार साह, भोला सिंह, हीरा केवट, मीडिया प्रभारी मनोज चौबे, सह मिडिया प्रभारी–संजय कुमार साह व प्रवक्ता विनय कुमार सिंह को बनाया गया.

सैकड़ों युवाओं ने आजसू का थामा दामन, सुदेश महतो ने कहा-

युवाओं में राज्य की तकदीर बदलने की क्षमता

संवाददाता ।रांची

कांके स्थित आवसीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री व आजसू अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य की राजनीति में सकारात्मक बदलाव के लिए युवाओं की भागीदारी आवश्यक है. युवाओं में राज्य की तकदीर बदलने और इसे सवारने की क्षमता है. बस जरूरत हैं इन्हें सार्वजनिक मंच प्रदान करने का. आजसू पार्टी जनता की सेवा करने और युवाओं को राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का एक सशक्त मंच है. मिलन समारोह में पार्टी के केंद्रीय सदस्य राजू नायक के नेतृत्व में रांची के सैकड़ों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में संदीप राम, अजीत महली, दीपक गोप, रमेश कुमार साहू, सुनील साहू, ऋतिक महली, निखिल राम, रवि महतो, कर्मा राम, राजेश लोहरा, शिवा साहू, बबलू राम, विशाल बराईक समेत कई युवा शामिल हैं.

राजनीति में युवाओं का आगमन शुभ संकेत : सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राजनीति में युवाओं का आगमन राज्य की उन्नति के लिए शुभ संकेत है. आजसू पार्टी में युवा जोश और वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का अनुकूल समावेश है. राज्य सरकार ने युवाओं को नियुक्ति के नाम पर ठगा है. राज्य के युवा सत्ता बदलाव के लिए आतुर हैं. युवा शक्ति के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा की जिम्मेदारी हमारी है. इसके लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं. हमने युवाओं के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ेंगे.

खास बात

- राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का एक सशक्त मंच है आजसू

मंगलहाट नया बस्ती में कार से बम बरामद

साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट नया बस्ती में रविवार को पुलिस ने एक कार से बम बरामद किया. पुलिस सूत्रों की जानकारी के अनुसार मंगलहाट नया बस्ती निवासी लक्ष्मी नारायण मंडल ने अपने कार में दो बम होने की सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने कार से दो बम बरामत किए. पुलिस फिलहाल वाहन मालिक और आस पास के लोगों से पूछताछ कर रही है. पुलिस ने बताया की वाहन मालिक लक्ष्मी नारायण मंडल के द्वारा ही गाड़ी में बम होने की सूचना दी गई थी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बम बरामत किया.

राजनीतिक तपिश के साथ बदलेगा मौसम, होगी बारिश

संवाददाता ।रांची

झारखंड में राजनीतिक तपिश के साथ मौसम भी बदलेगा. उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण राज्य के कई जिलों में सोमवार से बारिश होगी. इसका असर गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा में देखने को मिल सकती है. मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. वहीं मंगलवार राज्य के दक्षिण-पूर्वी, मध्य और निकटवर्ती उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कुछ-कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है. इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, रांची, रामगढ़, लोहरदगा, बोकारो, कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताड़ा में देखने को मिल सकता है. राज्य के उत्तरी भागों में घने कोहरे की आशंका है. इसे लेकर अलर्ट जारी किया गया है.

सरयू राय ने कार सेवा कर सीजीपीसी का किया सहयोग

सीजीपीसी के संकल्प से संस्थाओं को लेनी चाहिए प्रेरणा : सरयू राय

संवाददाता। जमशेदपुर

सीजीपीसी द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास की प्रशंसा करते हुए पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय ने इस लोकोपकारी कार्य में स्वयं कार-सेवा कर अपने आप को भाग्यशाली बताया एवं अन्य संस्थाओं को सीजीपीसी के संकल्प से प्रेरणा लेने की बात कही. रविवार को सरयू राय ने सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह और समस्त टीम को बधाई देते हुए सहयोग स्वरूप पेवर्स ब्लॉक और दीवार निर्माण के लिए ईंट का सहयोग देने की भी पेश की.

वे स्वयं ढलाई सामग्री ढोकर कार-सेवा कर लोकोपकारी कार्य का हिस्सा बने. इस सराहनीय कार्य पर अपनी बात कहते हुए सरयू राय ने कहा कि भगवान सिंह व उनकी टीम की अगुवाई में सीजीपीसी काफी अच्छा कार्य कर रही है. शिक्षा और अच्छे स्वास्थ से समाज सशक्त होता है और यह सुविधा देकर सीजीपीसी बहुत नेक कार्य कर रही है. इस अवसर पर प्रधान भगवान सिंह ने सरदार शैलेंद्र सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, सुरेन्द्र सिंह टीटू, कुलविंदर सिंह पन्नू, त्रिलोचन सिंह तोची और जोगा सिंह की उपस्थिति में सरयू राय को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया. प्रधान भगवान सिंह और चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह ने अप्रत्याशित सहयोग के लिए कोल्हान की सभी गुरुद्वारा कमेटियों सहित संगत का धन्यवाद ज्ञापन किया.

अभ्यर्थियों की सीधी बहाली करे सरकार : अली

संवाददाता ।रांची

बिहार सरकार द्वारा वर्ष 1999 में सृजित 4401 उर्दू शिक्षक के रिक्त 3712 पदों के विरुद्ध उर्दू टेट पास अभ्यर्थियों की तीन गुना कम संख्या को देखते हुए सीधी बहाली की मांग को लेकर रविवार को राज्य के विभिन्न जिलों से आए उर्दू टेट अभ्यर्थियों की मैराथन बैठक अंजुमन प्लाजा के कॉफ्रेंस हॉल में हुई.

मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुए अल्पसंख्यक मामले के जानकार एस अली ने कहा कि सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंडी अभ्यर्थियों के साथ ज्यादती कर रही है पहले सहायक शिक्षक के पद को गलत तरीके से सहायक आचार्य बनाकर ग्रेड पे घटाकर विज्ञापन जारी करवा दिया, अब शिक्षा विभाग उर्दू सहायक शिक्षक के पद को सहायक आचार्य बनाने के लिए नियमावली अधिसूचित किया है, जो कही से भी न्याय उचित नहीं है. सरकार को मालूम होना चाहिए सहायक शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2012 के तहत राज्य में कक्षा 1-5 एवं 6-8 के लिए करीब 800 उर्दू टेट उत्तीर्ण है. जबकि उर्दू शिक्षक के रिक्त पदों कि संख्या 3712 है, जो अभ्यर्थियों की संख्या से करीब तीन गुना अधिक है.

ऐसी स्थिति में अभ्यर्थियों कि सीधी नियुक्ति की जानी चाहिए. लेकिन ऐसा न कर 3712 उर्दू सहायक शिक्षक पदों को प्रत्यार्पित कर दुगुना 7232 पद उर्दू सहायक आचार्य के नाम से किया जा रहा जिसमें ग्रेड पे 4200 से घटाकर 2400-2800 कर दिया जायेगा. यही नहीं आचार्य शब्द रहने से उर्दू शिक्षक नाम की पहचान समाप्त हो जायेगा साथ ही नये पद में 36 फीसदी करीब 2700 पद एसटी एससी के लिए आरक्षित होगें, मालूम हो कि 4401 उर्दू शिक्षक पद के लिए चार बार निकले विज्ञापन में एसटी एससी आरक्षित 1559 पद में एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुई जिसे पिछड़ा एवं सामान्य वर्ग के लिए विलोपित करने कि मांग थी. शिक्षा विभाग के गलत नीतियों के कारण अभ्यर्थियों के साथ समाज में भी गुस्सा है जो विगत दिनों विभिन्न जिलों में हुई आंदोलनों से समझा जा सकता है.

कार्यक्रम मानव कल्याण व सुधार को लेकर सत्संग का आयोजन

अपने कर्तव्य का करें पालन : संत पंकज

संवाददाता ।सेन्हा / लोहरदगा

रांची के जयगुरुदेव संगत के तत्वावधान में सेन्हा की धरती में मानव दिन चरिया बदलाव को लेकर सत्संग का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जयगुरुदेव आश्रम मथुरा के बाबा जयगुरुदेव के उत्तराधिकारी पंकज महाराज ने बताया कि जयगुरुदेव संस्था ने मानव कल्याण व सुधार को लेकर कई कार्य किए और लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है. सत्संग का आयोजन लोगरदगा के सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित संचालित राजकीय उत्क्रमित बुनियादी उच्च विद्यालय के खेल मैदान में किया गया. जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था के मुख्यालय मथुरा के संस्थाध्यक्ष संत पंकज महराज के सानिध्य में चल रहे 82 दिवसीय शाकाहार सदाचार मद्यनिषेध आध्यात्मिक जनजागरण यात्रा के चालीसवें पड़ाव में सत्संग का आयोजन सेन्हा के धरती में किया गया. सत्संग में मनुष्य के कर्तव्य और उनके मानवता पर प्रकाश डाला गया, साथ ही जनहित में कई संदेश दिए गये. कार्यक्रम की शुरुआत दोहे के साथ हुई, जिसमें कहा गया कि ''मोको कहां ढूंढे बंदे मैं तो तेरे पास में न तीर्थ में न मूर्त में मैं तो हूं विश्वास में''. दोहा के साथ मानव सुधार कार्य को लेकर अपने सीधे सरल शब्दों की सत्संग वाणियों से बाबा जयगुरुदेव के उत्तराधिकारी संत पंकज महाराज ने कहा कि करोड़ो मनुष्य को बाबा जयगुरुदेव ने कर्तव्य निर्वाह्न के प्रति जगरुक करते हुए उन्हें अपराध, बुराइयों से मुक्त कर भागवत भजन से जोड़ने का कार्य किया.

तीन किमी चलकर पुलिसकर्मियों ने शव को उतारा

संवाददाता ।गोड्डा

ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी ने कर्तव्यनिष्ठा और मानवता का परिचय दिया. उन्होंने तीन किमी तक शव को ढोकर पहाड़ से नीचे उतारा, इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा. गोड्डा पुलिस की मानवता की चर्चा इलाके में काफी हो रही है. जिला के ललमटिया थाना के बड़ा सुरला पहाड़ पर एक महिला का शव मिला.

ऐसी आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कर शव को दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में फेंक दिया गया. जहां पर आवागमन का कोई रास्ता नहीं है, वहां तक सिर्फ पैदल ही जाया जा सकता है. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल तक सब इंस्पेक्टर जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में पहुंची. वहां से शव को पहाड़ से नीचे लाने का कोई साधन नहीं था, ऐसे में शव को सब इंस्पेक्टर जितेंद्र वर्मा खुद वहां पहुंचे और खटिया पर शव लेकर पहाड़ से नीचे उतरकर थाना तक लाने का निर्णय लिया. शव को नीचे लाने के लिए सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार वर्मा और एक चौकीदार ने मिलकर उसे कंधे पर टांग लिया.

इस दौरान पहाड़ी रास्तों पर तकरीबन तीन किलोमीटर पैदल खटिया पर शव लेकर जितेंद्र वर्मा व चौकीदार चलते रहे. पहाड़ से शव को लाने के बाद उसे थाना तक वाहन से ले जाया गया.

खास बातें

- पहाड़ी रास्तों से शव को नीचे लाने का कोई साधन नहीं था
- हत्या कर शव को फेंकने की जतायी जा रही है आशंका

न्याय यात्रा से उपजते विचार

जैसे जैसे राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा में जनसमर्थन बढ़ता जा रहा है, वैसे वैसे इंडिया गठबंधन के घटक दलों में बेचैनी भी बढ़ती जा रही है. भारत न्याय यात्रा तो पहले से ही भाजपा के निशाने पर है. सवाल है कि इंडिया गठबंधन के दलों की बेचैनी का कारण क्या है? दरअसल ज्यादातर क्षेत्रीय दलों की नींव कांग्रेस से छीन कर ही बनी है. कांग्रेस की मजबूती उन्हें खतरे की घंटी तो लगती ही है. इसके साथ ही अनेक ऐसे दल और नेता इंडिया गठबंधन में शामिल हैं, जो परोक्ष तरीके से भाजपा के हितों के अनुकूल कार्य करते हैं. जैसा कि जदयू के प्रधान महासचिव केसी त्यागी ने कहा है कि उनका दल तो प्रत्यक्ष तरीके से भाजपा के साथ चला गया, लेकिन कुछ ऐसे भी दल हैं, जो हैं तो इंडिया गठबंधन में, लेकिन वे भाजपा से परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं. भारत की राजनीति की त्रासदी वैचारिक संघर्ष का निरंतर कमजोर होना है. राहुल गांधी बार बार वैचारिक संघर्ष की बात करते हैं, लेकिन उनके सहयोगी दलों के लिए विचार का कितना महत्व है, यह कहा नहीं जा सकता. इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भाजपा नेतृत्व सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर अपने विरोध में किसी मजबूत गठबंधन की नींव पड़ने ही नहीं देना चाहता. नीतीश कुमार के पलटी मारने के बाद परसेप्सन में इंडिया गठबंधन के समक्ष बड़ी चुनौती दरपेश है. भाजपा एक ओर जहां कमंडल और मंडल दोनों राजनीति को साधने के साथ आत्मविश्वास का परिचय दे रही है तो वहीं उसने सात ट्रिलियन इकोनॉमी का नया नारा भी पेश कर दिया है. एक ओर अयोध्या के राम मंदिर का उसे सहारा है तो वहीं आनुषंगिक संगठन ज्ञानवापी और मथुरा में भी अयोध्या दुहराने की दिशा में बढ़ रहे हैं. यानी भारत की चुनावी राजनीति उस मुकाम पर है, जहां वैचारिक तौर पर धर्मनिरपेक्षता और संविधान की प्रस्तावना में व्यक्त मूल्यों के आधार पर राजनीति में चुनावी कामयाबी की राह आसान नहीं है. राहुल गांधी अपनी यात्राओं के माध्यम से इसी वैचारिकता के आधार पर आम लोगों से सीधा संवाद की राजनीति करते हुए वैकल्पिक पटकथा लिखने का प्रयास कर रहे हैं. इसे ममता बनर्जी सहित दूसरे विपक्षी नेता दरकाने में लगे हुए हैं. ममता बनर्जी इन दिनों भाजपा से ज्यादा कांग्रेस के खिलाफ हमलावर हैं. इसका एक बड़ा कारण तो राहुल गांधी की बंगाल न्याय यात्रा में उमडी भीड़ है. राहुल गांधी बंगाल से झारखंड आ चुके हैं. मणिपुर से शुरू हुई इस यात्रा में पहली बार झारखंड में पूरा इंडिया गठबंधन एकजुट नजर आ रहा है. झारखंड के नए मुख्यमंत्री ने स्वयं राहुल की पहली जनसभा में शिरकत की और झारखंडी मूल्यों के साथ जल, जंगल जमीन के सवाल पर निडर संघर्ष का एलान भी किया. चुनावी नजरिए से इस यात्रा का अलग अलग आकलन किया जा रहा है, लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि वर्तमान सत्ता के विरुद्ध एक नेता पूरे देश को अपनी यात्राओं से जागरूक कर रहा है.

> भारत की राजनीति की त्रासदी वैचारिक संघर्ष का निरंतर कमजोर होना है. राहुल गांधी बार बार वैचारिक संघर्ष की बात करते हैं, लेकिन उनके सहयोगी दलों के लिए विचार का कितना महत्व है, यह कहा नहीं जा सकता.

सुभाषित

नाभिषेको न संस्कारः सिंहस्य क्रियते मृगैः।
विक्रमार्जितराज्यस्य स्वयमेव मृगेंद्रता॥

वन्य जीव शेर का राज्याभिषेक (पवित्र जल छिड़काव) तथा कतिपय कर्मकांड के संचालन के माध्यम से ताजपोशी नहीं करते, किन्तु वह अपने कौशल से ही कार्यभार और राजत्व को सहजता व सरलता से धारण कर लेता है.

मिशन 2024: ऐसे तो हारने से रहे मोदी!

बिहार और झारखंड में सियासी भूचाल थम गया है. बिहार में नीतीश कुमार एक बार फिर बीजेपी के साथ खड़े हो गए हैं. वहीं झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपई सोरेन के हाथ में सत्ता का हस्तांतरण हो चुका है, लेकिन लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इन बदलावों का सबसे अधिक असर इंडिया गठबंधन पर पड़ता दिखाई दे रहा है. ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि बीजेपी आखिर किस हद तक विपक्ष को कमजोर करना चाहती है...

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते-करते क्या बीजेपी विपक्ष मुक्त भारत की स्ट्रैटेजी की तरफ आगे बढ़ रही है. कांग्रेस समेत कई दूसरे विपक्षी दल सरकार पर ऐसा आरोप लगाते रहे हैं. लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार को सिर्फ बिहार के एक नेता के तौर पर नहीं देखा जा सकता है. नीतीश कुमार वह चेहरा थे, जिन्होंने विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास किया और उनके ही प्रयासों का नतीजा था कि इंडिया गठबंधन बना. अब जबकि नीतीश कुमार बीजेपी के साथ आ गए हैं, तो उनके ही राज्य बिहार में यह चर्चा चल रही है कि विपक्ष की बारात से बीजेपी दूल्हा लेकर चली गई. ऐसी चर्चा भले ही किसी गांव-कस्बे में हो रही है, लेकिन इसके मायने तो निकाले ही जाएंगे. चुनाव से ठीक पहले बीजेपी की ओर से विपक्षी दलों पर करारा वार किया गया है. चोट गहरी है. 400+ के टॉर्गेट के साथ बीजेपी चुनावी रणनीति तैयार कर रही है और इस रणनीति के तहत ही ऐसा लग रहा है कि वह कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहती. चुनाव से पहले वह विपक्ष को काफी कमजोर कर देना चाहती है. महाराष्ट्र और बिहार ऐसे सामने दो उदाहरण भी हैं. हालांकि झारखंड में बीजेपी अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकी.

पिछले लोकसभा चुनाव 2019 की बात की जाए, तो बीजेपी बिहार में 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और इन सभी सीटों पर उसे जीत हासिल हुई थी. इस बार जैसे समीकरण बन रहे थे, तो उसमें विपक्ष भी यह मान रहा था कि 40 सीटों वाले राज्य में बीजेपी अपने पिछले आंकड़े से कम नहीं होगी. पिछली बार की तुलना में नुकसान बीजेपी को नहीं हो रहा था, फिर बीजेपी को नीतीश की जरूरत क्यों. बिहार के राजनीतिक माहौल को देखा जाए तो नीतीश को बीजेपी की कहीं अधिक जरूरत महसूस हो रही थी. इन सबके बीच एक बड़ा सवाल यह है कि बीजेपी राज्य की सभी सीटों पर नजर बनाए हुए है. जदयू, बीजेपी और एलजेपी पिछले चुनाव में साथ गए थे तब 39 सीटों पर कब्जा जमाया था. एक सीट पर सिर्फ एनडीए का कब्जा नहीं हो सका. अब एक बार फिर बीजेपी का मिशन बिहार 40 ऑल पर है. नीतीश साथ नहीं रहते और इंडिया गठबंधन के दूसरे साथी जिसमें आरजेडी, वामदल, कांग्रेस सभी मिल कर लड़ते तो जदयू, कांग्रेस, आरजेडी सबके खाते में सीटें जाने की संभावना रहती. अब बीजेपी की कोशिश है कि राज्य में दूसरे दलों के खाते में सीटें न जाए. उसके और उसके सहयोगियों के पास ही सीटें रहें. अब बात झारखंड की करें, तो 2019 में यहां पर उसने 14 में 12 सीटें जीती थीं. यहां तक दुमका से दिशोम गुरु शिबू सोरेन भी चुनाव हार गये थे. ले-देकर राजमहल (झामुमो) और चाईबासा (कांग्रेस) में विपक्ष जीता था. इस बार हेमंत की गिरफ्तारी से पैदा हो रही सहानुभूति का असर पड़ा, तो झारखंड में भाजपा नुकसान में रह सकती है.

कुछ ऐसा ही कुछ समय पहले महाराष्ट्र में हुआ. शिवसेना टूट चुकी थी और बीजेपी के साथ मिलकर शिंदे सरकार चला रहे थे. इसी बीच एनसीपी में भी टूट की खबर आती है और अजित पवार अपने पार्टी के सांसदों और विधायकों को लेकर बीजेपी के पास चले आते हैं. शरद पवार की एनसीपी भी टूट जाती है. अजित पवार को डिप्टी सीएम बनाया जाता है. अजित पवार जब बीजेपी के साथ आते हैं तो तब कुछ ऐसे ही सवाल उठे थे कि जब शिवसेना टूट चुकी है और पर्याप्त संख्या भी विधानसभा में है तो फिर क्या जरूरत. इसको भी समझने के लिए लोकसभा चुनाव की ओर देखना जरूरी है. साथ ही बिहार और महाराष्ट्र के साथी दल वाले कनेक्शन को भी. महाराष्ट्र और बिहार सिर्फ इन दो राज्यों से ही लोकसभा की कुल 88 सीटें आती हैं. महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी दोनों साथ मिलकर लड़े और नतीजे बेहतर रहे. सिर्फ बड़े दल ही नहीं छोटे दलों को भी बीजेपी एनडीए में शामिल करा रही है. यूपी इसका एक अच्छा उदाहरण है. बीजेपी इस राज्य में मिशन 80 में जुटी हुई है. विपक्षी दलों के गठबंधन में न आने की बात कहकर मायावती अकेले ही चुनाव में जाने का ऐलान कर चुकी हैं. कांग्रेस को समाजवादी पार्टी ने यूपी में 11 सीटें देने की घोषणा की है. वहीं कांग्रेस कम से कम 20 सीटों पर लड़ना चाहती है. गठबंधन में कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा, इसकी अंतिम घोषणा अभी नहीं हुई है. कांग्रेस के रुख को लेकर उसके सहयोगी दलों में नाराजगी देखी जा रही है. वहीं यूपी के अलावा दूसरे राज्यों में भी बीजेपी छोटे दलों को अपने साथ ला रही है. बिहार में चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा को अपने साथ रखा है. 1998 में जब एनडीए बना था, तो इसमें 24 पार्टियां शामिल हुई थीं. लेकिन कुछ पुराने साथी उससे दूर हो गए. अब एक बार फिर बीजेपी की हालिया कोशिश रंग ला रही है.

नरेंद्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बने तो फिर देश में अगला चुनाव नहीं होगा... विपक्ष के कुछ नेता यह बात कहकर सवाल खड़ा करते हैं. हालिया बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का सामने आया है. ओडिशा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि यदि 2024 में मोदी दोबारा पीएम बनेंगे तो यह आम चुनाव देश का आखिरी चुनाव होगा. कांग्रेस की ओर से यह सवाल खड़े किए जा रहे हैं, वहीं इंडिया गठबंधन के भीतर ही कांग्रेस की भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं. नीतीश कुमार की पार्टी ने भी कांग्रेस पर ही आरोप लगाया. वहीं नीतीश के अलग हो जाने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस की भूमिका अलग होनी चाहिए. उनको पद मिलना चाहिए था. बीजेपी क्यों नहीं चाहेगी कि विपक्ष कमजोर हो. विपक्ष की चिंता करना क्या सरकार की जिम्मेदारी है. विपक्ष एकजुट रहे साथ मिलकर लड़े यह किसकी जिम्मेदारी है. विपक्ष को इस सवाल का भी जवाब खोजना चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

नैतिकता और आदर्श

नैतिकता और आदर्श की प्रासंगिकता क्या समाप्त हो चुकी है? क्या आज के दौर में उनकी प्रासंगिकता त्वरित लाभकारी दृष्टिगोचर नहीं होती? क्या आज उनकी कोई सार्थकता नहीं रह गयी है. क्या हमें इन मूल्यों का समूल रूप से परित्याग करके समय की आवश्यकता के अनुरूप सुविधाभोगी जीवन मूल्य अपना लेने चाहिए? ऐसे सवाल प्रायः उठते रहते हैं. जवाब के लिए आप अपने दिल से पूछिए. आज सेवा, त्याग, उपकार, निष्ठा, नैतिकता का स्थान स्वार्थ, परिग्रह, कपट, ईर्ष्या, लोभ-लिप्सा आदि ने ले लिया और यही सफलता के उपाय बन कर रह गए हैं. विचारधारा के स्वार्थमय परिवर्तन से मानवीय मूल्यों के प्रति विश्वास और आस्था में कमी आई है. आज चारों ओर झूठ, कपट, भ्रष्टता का माहौल है, नैतिक बने रहना मूर्खता का पर्याय माना जाता है और अक्सर परिहास का कारण बनता है. आश्चर्य तो यह है नैतिक जीवन मूल्यों की चाहत सभी को है, किन्तु इन्हें जीवन में उतार नहीं पाते!! आज मूल्यों को अनुपयोगी मानते हुए भी सभी को अपने आसपास मित्र सम्बंधी तो सर्वांग नैतिक और मूल्य निष्ठ चाहिए. चाहे स्वयं से मूल्य निष्ठा निभे या न निभे!! हम कैसे भी हों, किन्तु हमारे आसपास की दुनिया तो हमें शान्त और सुखद ही चाहिए. यह कैसा विरोधाभास है? कर्तव्य तो मित्र निभाए और अधिकार हम भोगें. बलिदान पड़ोसी दे और लाभ हमें प्राप्त हो. सभी अनजाने ही इस स्वार्थ से ग्रस्त हो जाते हैं. सभी अपने आस पास सुखद वातावरण चाहते हैं, किन्तु सुखद वातावरण का परिणाम नहीं आता. हमें चिंतन करना पडेगा कि सुख शान्ति और प्रमोद भरा वातावरण हमें तभी प्राप्त हो सकता है, जब नैतिकताओं की महानता पर हमारी स्वयं की दृढ़ आस्था हो, अविचलित धारणा हो, हमारे पुरुषार्थ का भी योगदान हो. कोई भी नैतिक आचरणों का निरादर न करे, उनकी ज्वलंत आवश्यकता प्रतिपादित करे तभी नैतिक जीवन मूल्यों की प्रासंगिकता स्थायी रह सकती है. आज की सर्वाधिक ज्वलंत समस्या नैतिक मूल्य संकट ही है. वैज्ञानिक प्रगति, प्रौद्योगिक विकास, अर्थ प्रधानता के कारण, उस पर अनेक प्रश्न-चिह्न खडे हो गए. हर व्यक्ति कुंठा, अवसाद और हताशा में जीने के लिए विवश हो रहा है. इसके लिए हमें अपना चिंतन बदलना होगा, पुराने किंतु उन शाश्वत जीवन मूल्यों को जीवन में फिर से स्थापित करना होगा. आज चारों और अंधेरा घिर चुका है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसमें हम बस कुछ और तिमिर का योगदान करें! जीवन मूल्यों पर चलकर ही किसी भी व्यक्ति, परिवार, समाज एवं देश के चरित्र का निर्माण होता है. नैतिक मूल्य, मानव जीवन को स्थायित्व प्रदान करते हैं.

युवाओं के सपनों की उड़ान की नई मंजिल

• उपलब्धि

प्रमोद भार्गव

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है. इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं. भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है. धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं. बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधानों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है. धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं. इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है.अब 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे. उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी. शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा. बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा एलान किया है. इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी. इस पहल से शोध में तो तेजी आएगी ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे. इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जय अनुसंधान' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है. हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 'राष्ट्रीय शोध संस्थान' के गठन की घोषणा की थी. 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये खर्च भी किए जाने हैं. इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है. इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है. अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है. अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है. धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं. इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है.भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं. इनमें से सिर्फ एक प्रतिशत में अनुसंधान होता है. इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है. शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं. इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते. पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे. भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं. जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं. बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है. यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है. यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए. इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है. भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं. इसके बाद इस्राइल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं.इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं. बावजूद परदेस से वैज्ञानिक लौट नहीं रहे हैं. इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे? दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है.

> बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा एलान किया है. इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी. इस पहल से शोध में तो तेजी आएगी ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे.

पूर्ण बजट से ही साफ होगी आर्थिकी तस्वीर

• बजट

मधुरेंद्र

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव के पहले अपना छठा बजट पेश किया, जो सही मायनों में वोट ऑन अकाउंट था. दरअसल चुनाव के कारण परंपरागत रूप से कोई भी वित्त मंत्री पूर्ण बजट पेश नहीं करता और वोटरों को ललचाने वाले कदम नहीं उठाता. श्रीमती सीतारमण ने भी ऐसा ही किया. उन्होंने भी इस परंपरा का पालन किया और रेवड़ियां बांटने की कोई कोशिश नहीं की. इसमें उन्होंने अच्छी तरह से अर्थव्यवस्था की स्थिति की व्याख्या की. उन्होंने यह भी बताया किस तरह से सरकार ने राजकोषीय घाटे को मैनेज किया और उसे लक्ष्य से भी नीचे ही रखा. पहले लक्ष्य था कि राजकोषीय घाटा कुल जीडीपी का 5.9 फीसदी हो, लेकिन सरकार के प्रयासों और टैक्स देने वालों की उदारता से राजकोषीय घाटा 5.8 फीसदी पर ही रहा. यहां पर उन करोड़ों टैक्स देने वालों का भी योगदान रहा जिनके टैक्स देने से प्रत्यक्ष कर वसूली लक्ष्य से कहीं ज्यादा रही और सरकार को अपना लक्ष्य पाने में मदद मिली. इस बजट पर चर्चा करने के लिए कुछ खास नहीं है. वित्त मंत्री ने टैक्स संबंधी पुराने अदालती मामलों को खत्म करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. देश में लाखों ऐसे टैक्स देने वाले हैं जो पुराने विवादों में फंसे हुए हैं यानी उनकी टैक्स देनदारी पर विवाद है. ऐसे मामलों को सदा के लिए खत्म करने के लिए वित्त मंत्री ने सरकारी लेनदारी को एक सीमा तक खत्म कर दिया है जिससे वे लोग आगे टैक्स दे सकेंगे. वर्षों से चल रहे ऐसे मामलों से छुटकारा पाकर सरकार ने टैक्स देने वालों को राहत दी है.अब लोकसभा चुनाव की ओर सभी का ध्यान है. बस कुछ ही दिनों में निर्वाचन आयोग इसकी घोषणा करेगा और फिर राजनीतिक हलचल अपने चरम पर होगी. लेकिन यह सरकार कुछ ऐसा जता रही है मानो वह भविष्य के प्रति निश्चिंत है. यही कारण था कि वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स के यथावत रहने का भी संकेत दे दिया. उन्होंने टैक्स देने वालों को ललचाने की कोई कोशिश भी नहीं की. उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इनकम टैक्स की दरें पहले की ही तरह होंगी और उनमें बदलाव या छूट की कोई गुंजाइश नहीं है. लोकसभा चुनाव के सिर पर रहने के बावजूद इतना बड़ा कदम उठाना वाकई प्रशंसा का विषय है. उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने में नई व्यवस्था के तहत सात लाख रुपये तक कमाने वालों पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. यह व्यवस्था पिछले साल भी थी. इसका मतलब हुआ कि अगला बजट पेश करने में अगर वह वित्त मंत्री रहीं तो इनकम टैक्स की दरों में कोई बदलाव नहीं होगा. यहां पर एक बात उल्लेखनीय है कि भारत की अर्थव्यवस्था भले ही दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है, उसके पास अन्य पैसे वाले देशों की तुलना में टैक्स देने वाले बहुत ही कम हैं. यहां की कुल आबादी का दो प्रतिशत ही टैक्स देती है, जिसमें बहुत बड़ी तादाद वेतनभोगियों की है जो इनकम टैक्स के जाल से बच नहीं पाते हैं. अच्छा होगा कि वित्त मंत्री अगले बजट में उन लोगों को टैक्स के जाल में लाने की कोशिश करें जो अच्छा कमा रहे हैं लेकिन टैक्स नहीं दे रहे हैं. यह कठिन कार्य है और इसमें उन कृषि उत्पादकों को भी लाना होगा जो बहुत अच्छी कमाई कर रहे हैं, सरकारी सुविधाओं, सब्सिडी का भी उपभोग करते हैं लेकिन टैक्स देने के नाम पर सरकार को आंख दिखा देते हैं. ऐसे कई और वर्ग हैं, जिनकी सरकार को खोज करनी चाहिए और टैक्स का दायरा बढ़ाना चाहिए. इससे टैक्स वसूली बढ़ेगी और सरकार अन्य तरह की कल्याणकारी योजनाएं बना सकेगी तथा उन्हें कार्यान्वित कर सकेगी. अगला बजट जो जुलाई में आयेगा वह पूर्ण बजट होगा. अभी सरकारी आंकड़े अधूरे हैं और अनुमान से भरे हुए हैं. तब तक तस्वीर साफ हो जायेगी और सरकार के लिए बड़े फैसले लेना आसान होगा. वित्त मंत्री के तरकस में अभी टैक्स छूट के अलावा कई और तीर हैं जिससे जनता में खुशियां आ सकती हैं. वह चाहें तो 50,000 रुपये तक के स्टैंडर्ड डिडक्शन को बढ़ा सकती हैं, बीमा पर लगे टैक्स में कटौती कर सकती हैं, टैक्स रिटर्न देर से भरने वालों को राहत दे सकती हैं, सीनियर सिटीजन्स के ईपीएफ तथा एनपीएस पर एक सीमा के बाद लगे टैक्स को घटा सकती हैं. इस तरह के कदमों की गुंजाइश है, जिसे उठाकर वह लोगों को राहत दे सकती हैं. यह संभव अगले बजट में होगा जिसे पूर्ण बजट कहा जायेगा. उसमें वित्त मंत्री के पास काफी कुछ होगा.

> वित्त मंत्री ने टैक्स संबंधी पुराने अदालती मामलों को खत्म करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. देश में लाखों ऐसे टैक्स देने वाले हैं जो पुराने विवादों में फंसे हुए हैं यानी उनकी टैक्स देनदारी पर विवाद है. ऐसे मामलों को सदा के लिए खत्म करने के लिए वित्त मंत्री ने सरकारी लेनदारी को एक सीमा तक खत्म कर दिया है जिससे वे लोग आगे टैक्स दे सकेंगे.

मीडिया में अन्यत्र

फिलिस्तीन का प्रश्न और ब्रिटेन

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने टिप्पणी की है कि ब्रिटेन फिलिस्तीन देश को मान्यता देने पर विचार कर रहा है. यह 7 अक्टूबर के इजराइल-हमास युद्ध के बाद फिलिस्तीन के सवाल को लेकर ब्रिटिश सरकार के कम-से-कम एक हिस्से की सोच में आये बदलाव का संकेत है. इस टिप्पणी की कंजरवेटिव पार्टी के हलकों में ही आलोचना शुरू हो गयी. बाद में डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि ब्रिटिश सरकार की नीति इस मुद्दे पर नहीं बदली है. इसके बावजूद, यह बहस, जिसमें अमेरिकी मीडिया में आयी ये खबरें शामिल थीं कि विदेश विभाग फिलिस्तीन देश की संभावित मान्यता के लिए विकल्पों की समीक्षा कर रहा है, बताती है कि फिलिस्तीन का सवाल बड़ी शक्तियों की राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में वापस आ गया है. पिछले साल के 7 अक्टूबर के पहले इजराइल, उसके अरब साझेदारों और पश्चिमी सहयोगियों ने सोचा कि वे फिलिस्तीन के सवाल को अनदेखा कर सकते हैं और नया पश्चिम एशिया बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं. हमास के हमले और उसके बाद गाजा पर इजराइली आक्रमण यह दिखाते हैं कि संघर्षरत पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता के लिए फिलिस्तीन के सवाल का हल खोजा जाना अनिवार्य है.

और, शांति के लिए वैश्विक मान्यता-प्राप्त और व्यावहारिक रास्तों में से एक है, दो-देश का समाधान - अंतरराष्ट्रीय मान्यता के साथ एक टिकने-में-सक्षम, स्वतंत्र, संप्रभु फिलिस्तीन देश का निर्माण. इस मामले के समाधान के लिए प्रयास करना ब्रिटेन की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है. ब्रिटिश सरकार पहली बड़ी शक्ति थी जिसने उस्मानिया फिलिस्तीन की जमीन पर ज़ायोनिस्ट दावे को मान्यता दी थी. सन् 1917 में, पहले विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटिश सरकार ने 'बालफोर घोषणा' जारी की, जिसमें 'फिलिस्तीन में' यहूदी लोगों के लिए 'एक होमलैंड' के सृजन का समर्थन किया गया. इस घोषणा ने ज़ायोनिस्ट आंदोलन को बड़ा प्रोत्साहन दिया. इसने यूरोप से यहूदी प्रवास और ऐतिहासिक फिलिस्तीन (उस्मानिया और ब्रिटिश) में उनकी बस्तियों के निर्माण को बढ़ावा दिया, जिसका नतीजा 1948 में इजराइल बनने के रूप में सामने आया. सन् 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों की ओस्लो प्रक्रिया से, पारस्परिक रूप से स्वीकार्य दो-देश वाला समाधान खोजने के कई राजनयिक प्रयास हुए, लेकिन सभी व्यर्थ थे क्योंकि फिलिस्तीन कब्जे में ही रहा. आज, पश्चिमी किनारा (वेस्ट बैंक) और पूर्वी येरुशलम में लगभग 7,00,000 यहूदी आबाद हो चुके हैं; और गाजा को इजराइल ने बर्बाद कर दिया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बखान/बखार/बुखार

रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास का एक दोहा है-तेहि रावन कंह लघु कहसि, नर कर करसि बखान, रे कपि बर्बर खर्व खल अब जाना तव ज्ञान. प्रसंग है लंका पर आक्रमण के बाद वानरराज बालि के पुत्र अंगद रावण को समझाने के लिए उसके दरबार में पहुंचते हैं. अंगद रावण को तुच्छ बताते हैं तो रावण क्रोध में आकर कहता है- जासु चलत डोलति इमि धरनी, चढ़त मत्त गज जिमि लघु तरनी. सोइ रावन जग बिदित प्रतापी, सुनेहि न श्रवन अलीक प्रलापी. मतलब जिसके चलते समय पृथ्वी इस प्रकार हिलती है जैसे मतवाले हाथी के चढ़ते समय छोटी नाव! मैं वही जगत प्रसिद्ध प्रतापी रावण हूं. अरे झूठी बकवास करने वाले! क्या तूने मुझको कानों से कभी सुना? इसी क्रम में रावण का कथन उपर्युक्त दोहे में आया है, जिसका मतलब है-उस महान प्रतापी और जगत प्रसिद्ध रावण को तू छोटा कहता है और मनुष्य की बड़ाई करता है? अरे दुष्ट, असभ्य, तुच्छ बंदर! अब मैंने तेरा ज्ञान जान लिया. दोहे में आये बखान शब्द का अर्थ है वर्णन, कथन, प्रशंसा, गुणकीर्तन, स्तुति, बड़ाई. इसका क्रिया रूप है बखानना, मतलब वर्णन करना-ताते मैं अति अल्प बखाने, थोरहिं मंह जानिहैं सयाने. बखान जैसा ही लेकिन थोड़े से अंतर से बना शब्द है बखार. यह देशज संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है दीवार या टाटी आदि से घेर कर बनाया हुआ गोल और विस्तृत घेरा, जिसमें गांवों में अन्न रखा जाता है. यह कोठिले के आकार का होता है, पर इसके ऊपर पाट नहीं होता और यह बिल्कुल खुले मुंह का होता है. जब इस बखार का आकार छोटा होता है, तब इसे बखारी कहा जाता है. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में बखारी संगीत शास्त्र में एक प्रकार की रागिनी का नाम है,जिसे कुछ लोग मालकोस राग की रागिनी मानते हैं. बुखार शब्द से तो हर कोई परिचित है. इसका मतलब है वाष्प, भाप, ज्वर, ताप, हृदय का उद्वेग, शोक, क्रोध, दुःख आदि का आवेग.

हैलो अंकल जी, पूजा का चंदा दीजिए!

• तीर-तुक्का

आकांक्षा चौधरी

नया साल आया तो पिछले सालों की बातें दुहराने का सिलसिला चल पड़ा. जैसे मंदिरों में पूजा-पाठ कर नये साल को मंगलमय बनाने के लिए देवी-देवताओं से याचना. 22 जनवरी को तो पूरे देश पर रामनवमी महोत्सव और दीपोत्सव एक साथ अचानक छा गये. हर श्रद्धालु के घर में भगवान श्रीराम के झंडे लग गये. हजारों लाखों दीपक जगमगा उठे. गणतंत्र दिवस समारोह हमने देशभक्ति के साथ मना लिया. मतलब यह कि हमारा देश उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व त्योहार का अपना विशिष्ट महत्व है और उसे मनाने के विशिष्ट तरीक़े हैं. फ़रवरी माह की दस्तक के साथ ही पढ़नेवालों से अधिक नहीं पढने वाले सरस्वती भक्तों की टोलियां सड़कों पर उतर आई हैं. ये कहने को बच्चे हैं, पर सयानों के नाक-कान काटने की क्षमता रखते हैं. ये बच्चे किराने की दुकान पर, परचून की दुकान पर, दूध वाले की दुकान पर टोलियों में प्रकट होते हैं, फिर कहते हैं- "हैलो अंकल! पूजा का चंदा दीजिए!₹ मां कसम, पिक्चर ड्रामा में जो पुष्पा प्रजाति के किरदार का चरित्र चित्रण किया जाता है न, बिलकुल उसकी याद आ जाती है. मुंह से रजनीगंधा एक तरफ़ चुआते हुए, हाथ से खैनी चुनियाते हुए. एक बॉस टाइप का भाई रहता है, जिसके आस-पास तीन चार और छुट्टे भाई भी दांत निपोरते खड़े रहते हैं. अब दुकान वाले चच्चा जी कहते हैं - ₹बेटा, शाम हो गई है, कल आना. नहीं कल तो गुरुवार है, परसों आना!₹ ₹इतनी बार आएंगे अंकल, तो 1001रुपय्या से एक पैसा कम नहीं लेंगे! अबे भुखला, फ़लां दुकान का1001 रुपये का रसीद काटो तो!₹ अब चच्चा जी कहते हैं - ₹ रुको रुको, दे रहे हैं! 201 रुपइया देंगे!₹ फिर अगला कहता है - ₹ नहीं अंकल, 901!₹ ऐसे बारगेन करते करते बात 501पर आकर फ़ाइनल हो जाती है. ₹ठीक है अंकल, परसादी खाने आइएगा!₹ इतने पर दुकान में चंदा के लेनदेन का पटाक्षेप हो जाता है. टोली आगे बढती है और चंदा मांगने के लिए चौक पर झटका चिकेन मटन शॉप पर पहुंचती है। बाजू में अंग्रेज़ी लीकर और वाइन शॉप भी इनकी लिस्ट में हैं. पता नहीं, इन दुकान वालों का आख़िरी बार कब सरस्वती मइया से पाला पड़ा था, पर चंदा तो पुरकस मिलता है इनसे. वैसे भी माता सरस्वती सबकी मन मति सुधार सकती हैं. झटका शॉप वाले की ईमानदारी के क्या कहने, बिना कहे ही 501रुपये बढा दिए। अंग्रेज़ी वाइन शॉप वाले ने तो मधुर मुसकान के साथ 1001 की रसीद कटवाता है और चंदा वसूली करनेवाले मां शारदे के भक्तों की टोली आगे बढ़ जाती है.

सुकून

इन दिनों मेरी किताब

गीता का देवनागरी लिपि में उर्दू काव्यानुवाद

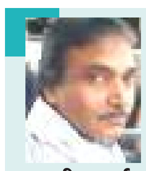

अजीत शर्मा 'आकाश'

महाभारत के युद्ध के समय मोहग्रस्त अर्जुन द्वारा युद्ध करने से मना किए जाने के कारण भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें कर्म व धर्म का ज्ञान प्रदान करने हेतु उपदेश दिये, जिन्हें ''श्रीमद्भगवद्गीता'' नामक ग्रंथ में वर्णित किया गया है. यह अमर ग्रन्थ पुरातन काल से ही भारतीय चिन्तन व अध्यात्म का महत्त्वपूर्ण प्रेरणा-स्रोत रहा है. यह धार्मिक ही नहीं, अपितु एक दार्शनिक ग्रन्थ भी है. इसका अपना अनूठा दर्शन है, जो आज के भौतिकतापरायण, मानसिक तनावों से ग्रस्त तथा जीवन के वास्तविक अर्थ की खोज में भटकते मनुष्य के लिए उतना ही प्रासंगिक है, जितना वह सहस्रों वर्षों से रहा है. 'श्रीमद्भगवद्गीता' को संक्षेप में 'गीता' कहा जाता है. अर्जुन को दिए गए गीता के ये उपदेश मानव का मनोबल बढ़ाते हैं तथा विषमतम परिस्थितियों में भी जीवन-पथ को आलोकित करते हैं. गीता में कुल 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं. यह अद्भुत् ग्रन्थ मूलरूप से संस्कृत भाषा में रचित होने के कारण इस भाषा का ज्ञान न रखनेवाले व्यक्ति इसके अर्थ तथा मर्म को नहीं समझ पाते हैं. अतः इस प्रकार के व्यक्ति भी इस ग्रन्थ की अमर शिक्षाओं से परिचित होकर लाभान्वित हो सकें, इस उद्देश्य से हिंदी भाषा सहित विश्व की लगभग सभी महत्त्वपूर्ण भाषाओं में श्रीमद्भगवद्गीता के अनुवाद किए जा चुके हैं, जिनमें पद्यात्मक अनुवाद भी सम्मिलित हैं. लेखक एवं शायर राम चन्द्र वर्मा 'साहिल' ने श्रीमद्भगवद्गीता के संस्कृत श्लोकों के भावों तथा विचारों को उर्दू शायरी के माध्यम से व्यक्त करते हुए इसका मन्ज़ूम तर्जुमा (काव्यानुवाद) प्रस्तुत किया है, जो देवनागरी लिपि में है. इस तर्जुमे के प्रकाश में आने से धर्म और अध्यात्म की में रूचि रखनेवाले उर्दूभाषियों के लिए भी गीता का ज्ञान सुलभ हो गया है. इसके अन्तर्गत गीता के दुरूह श्लोकों का सरल एवं बोधगम्य काव्यानुवाद करने का प्रयास किया गया है. इस तर्जुमे के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता को हिन्दी और उर्दू के दृष्टिकोण से देखने-समझने का प्रयास भी किया जा सकता है. पुस्तक के अन्तर्गत गीता के कुछ प्रमुख श्लोकों के उर्दू शायरी तर्जुमे के कुछ अंश इस प्रकार से हैं-'न इसे कोई काट सकता, न जला सकती है आग/न सुखा सकती हवा और न भिगो सकता है आब/ टुकड़े इसके हो न सकते, न ही घुल सकता है यह/ दाइमी है, हर जगह है और है बेऐब भी.' (बाब-2 श्लोक 23-24), 'अमल करने का ही अर्जुन हक़ मिला सबको फ़क़त/ अमल का फल पाने का लेकिन नहीं कोई हक़ मिला/ अमल के फल को भी तुम समझो नहीं ख़ुद को वज्ह/ और ना ही अमल करना तुम कभी भी छोड़ना.' (बाब-2 श्लोक 47)

आशा की जा सकती है कि गीता का यह मन्ज़ूम तर्जुमा संस्कृत न जाननेवाले या उसका कम ज्ञान रखनेवाले गीताप्रेमी उर्दूभाषियों को मूल संस्कृत पाठ को पढ़ने जैसा ही आनन्द प्रदान कर सकेगा. गीता का यह उर्दू शायरी तर्जुमा पठनीय एवं सराहनीय है.

पुस्तक : श्रीमद्भगवद्गीता (मन्ज़ूम तर्जुमा)
तर्जुमाकार : राम चन्द्र वर्मा 'साहिल'
प्रकाशक : गुफ़्तगू पब्लिकेशन, प्रयागराज
मूल्य - 200 रुपए

बियर्ड इचिंग से हैं परेशान?

बियर्ड वाला लुक इन दिनों ट्रेंड में है. इसलिए दाढ़ी रखने के शौकीन भी बढ़ रहे हैं. लेकिन इनमें से कई बियर्ड इचिंग यानी दाढ़ी में खुजली से परेशान भी रहते हैं. अक्सर ये शिकायत घनी दाढ़ी रखने वाले लोगों में ज्यादा होती है. ये फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन के कारण भी हो सकता है. घनी दाढ़ी में हाइजीन मेंटेन करना और भी जरूरी होता है. आइए कुछ ऐसे ग्रूमिंग टिप्स की करें चर्चा जो 'दाढ़ी' की खुजली से दिलाए मुक्ति-

- रोजाना नहाएं और नहाने से पहले बियर्ड ऑयल से अपनी दाढ़ी की मसाज कर लें. अगर ये उपलब्ध नहीं हैं तो सामान्य नारियल या जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं.
- घनी दाढ़ी की साफ-सफाई का ख्याल रखें. इसके लिए आप अपनी स्किन टाइप के मुताबिक किसी अच्छे क्लेंजर, शैंपू, लिक्विड वॉश की मदद ले सकते हैं. बियर्ड को गर्म पानी से धोने से भी आप इसकी बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित कर सकते हैं.
- यह सुनिश्चित करें कि साबुन से दाढ़ी धोने के बाद साबुन अच्छी तरह वॉश होकर निकल जाए, कई बार साबुन रह जाने पर भी इचिंग की वजह बनता है.
- दाढ़ी के बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए रोजाना हाइड्रेटिंग कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए.
- शेविंग या ट्रिमिंग के बाद नियम से आफ्टरशेव वॉश या लोशन का इस्तेमाल करें.

मोटिवेशन

इंटरव्यू में छंटने की वजह हैं हमारी कुछ लापरवाहियां

कम बोलिए, सटीक बोलिए

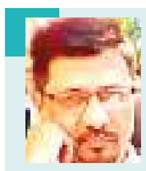

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

मुझे कई इंटरव्यू बोर्ड में बैठने का मौका मिलता है. मैं ऐसे कई कैंडिडेट्स देखता हूं जिनका एकेडमिक परफॉर्मेंस बहुत ही अच्छा होता है अर्थात वे पढ़ाई में बहुत तेज होते हैं. लेकिन वे इंटरव्यू में छंट जाते हैं. उनके छंटने की वजह क्या होती है, आज इस पर बात करने जा रहे हैं.

1. कम्युनिकेशन स्किल्स

बातचीत का गलत तरीका छंटने की सबसे बड़ी वजह होती है. बहुत धीमा या तेज बोलना, बहुत ज्यादा या कम बोलना, बहुत रुक-रुक कर बोलना, अस्पष्ट बोलना - ये सब गलत कम्युनिकेशन स्किल्स के अंतर्गत आते हैं. उस ज्ञान का कोई मोल नहीं अगर बात सही ढंग से सामने वाले के पास न पहुंचे. कैंडिडेट को सबसे ज्यादा ध्यान अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर देना चाहिए. सही ढंग से अपने आप को व्यक्त करना सीखें. इंटरव्यू में कम शब्दों में सटीक बातें बोलनी चाहिए. इसके लिए बहुत अभ्यास करें.

2. गलत पहनावा

आप किस पोस्ट के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, इसको जरूर ध्यान में रखें. वैसे किसी भी इंटरव्यू में जरूर से ज्यादा बन-संवर कर, मेकअप करके नहीं जाना चाहिए. बहुत चमक-दमक वाले, डिजाइन वाले कपड़े न पहनें. लड़कियां अक्सर ऐसा करती हैं. वे बहुत हाई हील्स पहनती हैं, बड़े-बड़े आभूषण या झुमके डाल लेती हैं. बाल को बांध कर जाएं. बड़े-बड़े झुमके, गहने न पहनें. बहुत स्टाइलिश या बहुत साधारण कपड़े न पहनें. लड़कों को फॉर्मल शर्ट-पैंट पहनना चाहिए. हमेशा पॉलिश्ड जूते पहनें. आपको हर तरह से प्रेजेंटेबल होना चाहिए.

3. बॉडी लैंग्वेज

बहुत से कैंडिडेट्स में शिष्टाचार की बहुत कमी होती है. बिना इजाजत अंदर चले जाना, चेयर खींच कर बैठ जाना, बहुत ढीला बैठना, पैर हिलाना, हाथ से टेबल या कुर्सी बजाना - गलत मैनर्स के अंतर्गत आते हैं. परमिशन लेकर अंदर जाएं, परमिशन लेकर बैठें, स्मार्टली बैठें, अपने हाथ पैर न हिलाएं. बाहर निकलने के पहले कुर्सी को यथास्थान रख दें और निकलते समय थैंक यू जरूर बोलें. जवाब देते समय इधर-उधर न देखें, नजर न चुराएं.

4. गलत परिचय

बहुत लोग अपना परिचय ही गलत देते हैं. परिचय में बहुत ज्यादा न बोलें. परिचय में सिर्फ आपको अपना नाम, स्थान, एजुकेशनल क्वालिफिकेशन, वर्क एक्सपीरियंस और हॉबी बतानी चाहिए. अगर आपकी कोई अच्छी उपलब्धि है तो उसे कम से कम शब्दों में बताएं. बहुत लोग अपनी उपलब्धियां गिनाने बैठ जाते हैं. इंटरव्यू बोर्ड उनसे फेड अप होकर कोई प्रश्न नहीं पूछता और उन्हें गलतफहमी हो जाती है कि उन्होंने बहुत अच्छा प्रभाव छोड़ा है. परिवार के बारे में तभी बताएं जब पूछा जाए. आपको यह भी नहीं बताना है कि इस नौकरी की आपको कितनी सख्त जरूरत है. कोई भी अनावश्यक बात परिचय में न डालें.

5. सैलरी

प्राइवेट जॉब में अक्सर यह पूछा जाता है कि आप कितनी सैलरी की उम्मीद करते हैं. अक्सर लोग जरूरत से ज्यादा फेंक देते हैं और पूरी योग्यता रखते हुए भी मिलने वाली नौकरी से हाथ धो बैठते हैं. याद रखें हर नौकरी के लिए मिनिमम और मैक्सिमम सैलरी तय रहती है. आप जहां जा रहे हैं, पहले से सैलरी पता करके जाएं. इसी रेंज में सैलरी बोलिए.

6. एटीट्यूड

कुछ कैंडिडेट का एटीट्यूड बहुत गलत होता है. वे बहुत दिखावा करते हैं. अजीब ढंग से मुस्कुराते हैं, देखते हैं, बात करते हैं. बनावटी अंग्रेजी या हिंदी में बोलते हैं. यह सब गलत है. इंटरव्यू में ज्यादा जानने का दिखावा मत कीजिए. यह मत बोलिए कि आप पढ़े थे, अभी भूल रहे हैं. आता है, तो जवाब दीजिए, नहीं आता 'सॉरी सर' बोलिए. सफाई देने से कोई फायदा नहीं. अनावश्यक मत हंसिये. बहुत सीरियस दिखने की भी जरूरत नहीं है. विनम्रता से पेश आइए, विनम्रता से जवाब दीजिए.

7. गलत बायोडाटा

कुछ कैंडिडेट का बायोडाटा उनके बात-व्यवहार, नॉलेज से मैच नहीं करता. बायोडाटा में लिखा होता है क्विज में प्रथम पुरस्कार विजेता जबकि साधारण से प्रश्न का जवाब नहीं दे पाते. बायोडाटा में लिखा होता कंप्यूटर नॉलेज जबकि कंप्यूटर की बेसिक बातें भी पता नहीं होतीं. बायोडाटा में सिर्फ वही बातें लिखें जो बिल्कुल सही हो. बढ़ा-चढ़ा कर न लिखें.

मूल मंत्र : नॉलेज तो निश्चित रूप से मायने रखता है लेकिन नॉलेज से ज्यादा मायने रखता है, आपका एटीट्यूड, कम्युनिकेशन स्किल्स, मैनर्स, पहनावा, स्मार्टनेस और सेल्फ प्रेजेंटेशन. पढ़ाई के साथ-साथ ऊपर दी गई बातों पर बहुत ध्यान दें, तभी बात बनेगी.

हद से अधिक सोचने की आदत से आप भी हैं मजबूर तो...

जापानियों से सीखिए जिंदगी जीने का अंदाज

स्ट्रेस व एंग्जाइटी इन दिनों एक आम समस्या है. इसके लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. लेकिन एक आदत जो सामान्य रूप से इसकी जड़ में नजर आती है, वह है हद से ज्यादा सोचना यानी ओवर थिंकिंग. दअसल कुछ लोगों की आदत होती है छोटी-छोटी बातों को अधिक गंभीरता से लेकर काफी सोचने लगना. दिमाग में दिन भर वही सब कुछ चलता रहता है. इससे बिना वजह वे शारीरिक व मानसिक तौर पर थक जाते हैं. आइए, इस आदत से उबरने के लिए आज हम कुछ प्रभावी जापानी तकनीक पर बात करें-

शोगानाई

कुछ चीजें ऐसी ही हैं जिन पर हमारा कोई वश नहीं होता. इस सच्चाई को हम जितनी जल्दी स्वीकार करेंगे, उतनी जल्दी तनाव और समय बर्बादी से मुक्ति मिलेगी. शोगानाई कहता है कि उन चीजों पर हमें ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिसे कर हम अपनी जिंदगी में कुछ बेहतर कर सकते हैं, बजाय ऐसी चीजों के जिस पर हमारा कंट्रोल ही नहीं. हमेशा आगे का सोचकर चलें.

शिरिन योकू

शिरिन योकू तकनीक जिंदगी में कुछ पल ठहरने, प्राकृतिक स्थल पर समय फुर्सत के लम्हें गुजारने की अहमियत बताता है. भागदौड़ भरी जिंदगी से थकान या हार महसूस हो, तो हिमालय की वादियों में जाकर ब्रेक लें. शिरिन योकू तकनीक इस बा की शिद्दत से वकालत करता है कि ओवरथिंकिंग से बचने का सबसे बेहतर तरीका होगा कि खुद को प्रकृति की गोद में कुछ देर यूं ही छोड़ दें. कलकल बहते झरने, हरियाली, फूलों की खुशबू और खूबसूरती, आसमान के नीलेपन को निहारें. इससे दिमाग को राहत महसूस होगी.

गामन

गामन यानी दृढ़ता. यह तकनीक इस बात की वकालत करता है कि मुसीबत के समय में हम खुद को कमजोर न समझें, बल्कि मुश्किलों का मजबूती का सामना करें. इससे जिंदगी की भारी भरकम परेशानियां भी मामूली लगने लगेंगी. मुसीबत के बारे में ज्यादा सोचने की बजाय इससे कैसे लड़ना है, इस पर फोकस करें.

वाबी-साबी

जापानी सौंदर्य-बोध में वाबी-साबी का अर्थ है- अधूरेपन को स्वीकारना. यह तकनीक सिखाता है कि अधूरेपन और खालीपन में भी खूबसूरती है. दअसल हमारा जीवन ऐसा ही है, अनिश्चित, अस्थायी, अपूर्ण... इस कला में एसिमिट्री, सादगी, रुखेपन और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना झलकती है. वाबी मतलब जीवन और वस्तुओं को देखने का नजरिया जबकि साबी का मतलब है, क्षणभंगुरता, अस्थिरता यानी जीवन को उसकी नश्वरता में स्वीकार करना.

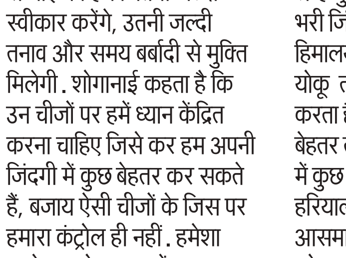

नेनबुतसु

नेनबुतसु दरअसल अध्यात्म से जुड़ा एक तकनीक है जो दिमाग को बेवजह सोचने से राहत दिलाता है. यह तकनीक कहा है कि जब मन अशांत हो तो किसी एकां में बैठ कर भगवान बुद्ध के नाम का जाप करें. इससे दिमाग को सुकून मिलता है और बेहतर तरीके से फोकस करने में मदद होती है.

किसी होटल में खाएं

आउटिंग और बाहर खाना, इन दिनों वीकएंड, छुट्टी या रिलेक्स होने का मतलब ही यही मान लिया गया है. अगर आप भी बाहर खाने के शौकीन हैं तो वजन व डाइजेशन दुरुस्त रखने के लिए कुछ टिप्स जरूर फॉलो करें

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट

- बाहर का खाना खाते वक्त अपने फेवरेट मीठे के 4 टीस्पून खाएं. इससे आपकी क्रेविंग शांत होगी और आप ओवरईटिंग से बचेंगे.
- जब भी बाहर खाने का इरादा हो, कोशिश करें कि यह डिनर की जगह लंच हो. यदि डिनर ही बाहर करना है तो बस इतना सुनिश्चित करें करें इसे सोने से 3 घंटे पहले खत्म कर लें.
- डिनर के बाद वॉक जरूर करें. अगर आप घर पर भी डिनर कर रही हैं, तो इसके बाद कम से कम 100 कदम चलें. इससे वजन व डाइजेशन, दोनों दुरुस्त रखने में मदद मिलेगी.
- जब भी आप बाहर खाना खाएं, तो आपकी प्लेट में प्रोटीन और फाइबर जरूर होना चाहिए. 25 ग्राम फाइबर की दरकार एक व्यक्ति को दिन भर में होती हैं. वहीं आदर्श वजन में प्रति किलो एक ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए.
- अपना फेवरेट डेजर्ट खाने से पहले सलाद खाएं और उसके बाद प्रोटीन यानी पनीर, मछली, अंडा,टोफू, चिकन आदि खाएं. इसके बाद आप डेजर्ट खाएं. इससे ब्लड शुगर लेवल स्पाइक होने को कंट्रोल किया जा सकता है.
- हफ्ते में अधिकतम एक बार बाहर का खाना अगर आप इन टिप्स के साथ अपनाएंगे तो इससे आपको नुकसान नहीं होगा.

रमता जोगी :

कला से भरपूर छोटी सी नगरी

नुपूर अशोक

हमने अमेरिका के एक छोटे से शहर या कस्बे बेमिजी की और भी कई बेमिसाल जगहें देखीं. यह छोटा-सा शहर मुझे एक कला केंद्र की तरह लगा. यहां हर मोड़, हर गली में एक न एक कलाकार रहता है. यहां एक कला प्रदर्शनी देखने का मौका भी मिला जहां कलाकारों ने तरह-तरह की कलाकृतियों को सजा रखा था.

नागचंपा की खुशबू

'अंब्रेलास ऑफ यूनिटी' यानी एकता की छतरियां नाम की इस प्रदर्शनी में रंग- बिरंगी छतरियों पर प्रकृति के अलग-अलग रूपों को हाथ से बने चित्रों द्वारा उकेरा गया था- तितली, बादल, फूल, पत्ते, इंद्रधनुष, सूर्यास्त, सूर्योदय.

सचमुच, सीमारेखाओं से बंटे हुए संसार को प्रकृति एक सूत्र में बांध देती है – सभी के लिए एक ही सूरज है, एक ही चांद, एक ही धरती और एक ही आकाश. इस प्रदर्शनी में छतरियों के अलावा कई और कलाकृतियां प्रदर्शित थीं जैसे – हाथ से बुनी हुई टोकरियां और बास्केट, थैले, कानों के बुंदे, विभिन्न डिज़ाइनों के हार, छोटी-बड़ी पेंटिंग्स, सजावटी चीज़ें, अलग-अलग सुगंधों वाले हस्तनिर्मित साबुन. साबुन के स्टॉल पर एक सुगंध का नाम - नागचंपा – देखकर मुझे उत्सुकता हुई. मैंने वहाँ खड़ी महिला से पूछा कि इस सुगंध का स्रोत क्या है? उसने बताया कि उसे भी पूरी जानकारी नहीं है, उसे किसी मित्र ने उपलब्ध कराया था. फिर उसने पूछा कि आपने इसे कुछ अलग तरह से बोला था, फिर से बोलिए. मेरे दुहराने से उसे नाम स्पष्ट हुआ. वह अभी तक उसे नागाचैम्पा कह रही थी, उसकी स्पेलिंग के अनुसार. उसे अच्छा लगा कि अब वह उसका सही नाम बोल सकती है.

पन्नों की टोकरी

मुझे सबसे अच्छा उस स्टॉल को देख कर लगा जहां एक अमेरीकी महिला ग्लॉसी पत्रिकाओं के पन्नों के पतले स्ट्रिप्स काटकर उन्हें चटाई की तरह बुनकर उससे बैग व छोटी टोकरी बना रही थी. अमेरिका में अन्य विकसित देशों की तरह यूज़ एंड थ्रो की प्रवृत्ति है. ऐसे में किसी का पढ़ी जा चुकी बेकार पत्रिकाओं के कागज़ का इस्तेमाल करके कुछ बनाने का सोचना ही एक बड़ी बात थी.

वुड टर्निंग

इसके बाद हम चल पड़े वुड टर्निंग देखने. हमारे मेजबान की तरह ही वह भी मीलों लंबे ड्राइव वे के अंदर बना हुआ एक अनोखा संसार था. इस दंपत्ति का पूरा घर कलाकृतियों से भरा हुआ था. उनकी पत्नी फोटोग्राफी का शौक रखती थीं और उनके इस्तेमाल से काड्र्स और पोस्टर बनाती थीं और उनके पति वुड टर्निंग करते थे यानी लकड़ी के टुकड़ों को सुंदर आकारों में तराशना. घर के बाहर उनकी वर्कशॉप थी, एक गैराज में, जहां लकड़ी के ढेरों छोटे-बड़े टुकड़े पड़े हुए थे. उन्होंने बताया कि ये उनके लिए खाली कैनवास या कागज़ की तरह हैं, जिनपर क्या बनेगा ये न तो उस कागज़ को पता होता है और न ही कलाकार पहले से तय रखता है. ये तो उस समय उस टुकड़े को हाथ में उठाने के बाद ही तय होता है कि इसे क्या रूप दिया जाएगा. ये सब बोलते हुए उन्होंने एक टुकड़ा उठाया और थोड़ी देर उसे निहारने के बाद कहा कि इसे एक कटोरे की शक्ल देते हैं. उस चौकोर टुकड़े के कोने काट कर उसे गोलाई का आकार दिया गया. फिर उसे खराद या लेथ मशीन की तरह घूमते हुए सिरों पर तराशते हुए धीरे-धीरे हमने उसे कटोरे में बदलते हुए देखा. यही तो होती है कलाकार की आंख जिसे एक अनगढ़ टुकड़े में एक सुंदर आकार दिख रहा होता है! उसकी इस कला यात्रा में शरीक हो कर ही उसके आनंद को समझा जा सकता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

युकी-साकेत के जोड़ी ने पाक के मुजम्मिल और अकील को हराया

भारत ने प्लेऑफ में 4-0 की विजयी बढ़त बनाई

मेजबान टीम की जोड़ी को 6-2, 7-6 (5) से हार का सामना करना पड़ा

डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का दबदबा जारी

भाषा ।इस्लामाबाद

भारतीय डेविस कप टीम ने युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की आसान जीत तथा निकी पूनाचा के विजयी पदार्पण से पाकिस्तान को 4-0 से हराकर 60 साल बाद चिर प्रतिद्वंद्वी देश का ऐतिहासिक दौरा पूरा करते हुए विश्व ग्रुप एक में जगह सुनिश्चित की. शनिवार को 2-0 की बढ़त हासिल करने के बाद रविवार को युकी और साकेत ने मुजम्मिल मुर्तजा और अकील खान की मेजबान टीम की जोड़ी को 6-2 7-6(5) से हराकर मुकाबले में पाकिस्तान पर भारत के दबदबे को बरकरार रखा. पाकिस्तान ने युगल मुकाबले के लिए अकील को बरकत उल्लाह की जगह उतारा क्योंकि वह करो या मरो के इस मैच में अनुभवी खिलाड़ी चाहते थे. युकी और साकेत ने हालांकि मेजबान जोड़ी को कोई मौका नहीं दिया और इस मुकाबले में दोनों टीम के बीच का अंतर साफ दिखा. पाकिस्तान की जोड़ी को साकेत की सर्विस का सामना करने में काफी परेशानी हुई. उन्होंने अपनी सर्विस पर बेहद कम अंक गंवाए और नेट पर भी शानदार प्रदर्शन किया. भारतीय खिलाड़ियों के रिटर्न भी लाजवाब रहे और युकी ने कई बार पाकिस्तान के दोनों खिलाड़ियों के बीच से विनर लगाए.

भारत ने विश्व ग्रुप वन में जगह बनाई

युकी व साकेत ने शुरुआत से ही बनाया पाक पर दबाव

युकी और साकेत ने शुरू से ही मुकाबले पर मजबूत पकड़ बनाए रखी. उन्होंने पहले और पांचवें गेम में अकील की सर्विस तोड़कर 4–1 की मजबूत बढ़त बना ली. पहले गेम में अकील ने बैकहैंड बाहर मारकर भारतीय जोड़ी को दो ब्रेकप्वाइंट दिए. साकेत ने पहले अंक पर शॉट बाहर मारा लेकिन इसके बाद अकील के कमजोर रिटर्न पर आसानी से वॉली विनर लगाकर सर्विस तोड़ दी. पांचवें गेम में पाकिस्तानी दिग्गज ने फिर से सर्विस गंवाई. उनका स्मैश 30–30 के स्कोर पर बेसलाइन के ऊपर से बाहर चला गया और युकी ने दोनों विरोधी खिलाड़ियों के बीच एक जबरदस्त फोरहैंड विनर मारकर गेम अपने नाम किया. सातवें गेम में मुर्तजा ने भारतीय जोड़ी को तीन सेट प्वाइंट दिए लेकिन मेजबान टीम के खिलाड़ियों ने तीनों अंक बचा लिए. युकी ने इसके बाद अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट भारत के नाम किया. दूसरे सेट में अकील ने अपनी सर्विस बचानी शुरू की और मुकाबला टाईब्रेकर में पहुंचाया. पाकिस्तान की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4–2 की बढ़त बनाई लेकिन युकी और साकेत ने स्कोर 5–5 कर दिया. मैच प्वाइंट पर अकील के डबल फॉल्ट के साथ भारत ने मैच और मुकाबला जीत लिया.

पाक के खिलाफ अपराजेय है भारत

टेनिस के विश्व कप के रूप में पहचानी जाने वाली इस प्रतियोगिता में भारत की आठ मुकाबलों में पाकिस्तान के खिलाफ यह आठवीं जीत है. भारतीय टीम अब सितंबर में विश्व ग्रुप वन में हिस्सा लेगी जबकि पाकिस्तान ग्रुप दो में रहेगा.

ब्रीफ खबरें

आइवरी कोस्ट अफ्रीका कप के सेमीफाइनल में

बोआके (आइवरी कोस्ट)। ओमार डियाकिट के अतिरिक्त समय के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे आइवरी कोस्ट ने शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में माली को 2-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई. माली को 71वें मिनट में नेने डोरगेलेस ने बढ़त दिलाई. साइमन एडिनगरा ने 90वें मिनट में गोल दागकर आइवरी कोस्ट को बराबरी दिलाई और क्वार्टर फाइनल को अतिरिक्त समय में खींचा. डियाकिट ने इसके बाद मैच के 122वें मिनट में गोल दागकर मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित की.

फुटबॉल : एशिया कप के सेमीफाइनल में ईरान

अल रेयान । अलीरेजा जहानबख्श के अंतिम मिनट में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत ईरान ने शनिवार को यहां जापान को 2-1 से हराकर एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई. ईरान ने 2004 के बाद से सिर्फ दूसरी बार टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया है. ईरान सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के मेजबान कतर से भिड़ेगा जिसने उज्बेकिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की. जहानबख्श ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइममें पेनल्टी पर गोल दागकर ईरान की जीत सुनिश्चित की.

बुमराह ने इंग्लैंड को ध्वस्त किया: कुक

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने कहा है कि जसप्रीत बुमराह ने पिच को समीकरण से बाहर कर दिया और मुश्किल कोणों से गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को परेशान किया जिससे उन्हें खेलना लगभग नामुमकिन हो गया. विशाखापत्तनम में बुमराह ने रिवर्स स्विंग का शानदार नजारा पेश करते हुए छह विकेट चटकाए. कुक ने 'टीएनटी स्पोर्ट्स' से कहा कि बुमराह ने आज भारत को आगे बढ़ाया है और अकेले दम पर मैच का रुख बदल दिया.

दूसरा टेस्ट : दूसरी पारी में भारत ने बनाए 255 रन

गिल के शतक से भारत की स्थिति मजबूत

104 रनों की पारी खेली शुभमन गिल ने

399 रनों का लक्ष्य इंग्लैंड की टीम को मिला

322 रनों की अब दरकार है इंग्लैंड को

भाषा ।विशाखापत्तनम

भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर इंग्लैंड को वापसी का मौका दिया लेकिन इसके बावजूद मेहमान टीम को दूसरे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को यहां रिकॉर्ड 399 रन का लक्ष्य मिला जिसके जवाब में उसने एक विकेट पर 67 रन बना लिए हैं. हैदराबाद में शृंखला के पहले टेस्ट की तरह भारत के पास एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी से इंग्लैंड को मैच से बाहर करने का मौका था लेकिन शुभमन गिल (147 गेंद में 104 रन) के शतक के बावजूद भारत दूसरी पारी में 255 रन पर सिमट गया. मेजबान टीम ने अपने अंतिम छह विकेट 44 रन पर गंवाए. लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों जैक क्राउली (नाबाद 29) और बेन डकेट (28) ने पहले विकेट के लिए 11 ओवर के भीतर 50 रन जोड़कर इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई. ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (आठ रन पर एक विकेट) ने डकेट को विकेटकीपर कोना भरत के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा.

दिन का खेल खत्म होने पर रात्रि प्रहरी रेहान अहमद नौ रन बनाकर क्राउली का साथ निभा रहे थे. इंग्लैंड को जीत के लिए अब भी 332 रन की दरकार है. पिच बल्लेबाजी के लिए मुश्किल नहीं हैं लेकिन कुछ गेंद नीची रह रही हैं.

निचले क्रम के भारतीय बल्लेबाजों ने किया निराश : भारतीय टीम दूसरी पारी में एक समय चार विकेट पर 211 रन बनाकर काफी अच्छी स्थिति में थी लेकिन निचले क्रम ने एक बार फिर निराश किया.दूसरी पारी में गिल ने खराब फॉर्म से उबरते हुए शतक जड़ा. उन्होंने अक्षर पटेल (84 गेंद में 45 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 89 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद भारतीय पारी को सिमटने में अधिक वक्त नहीं लगा.

चाय के बाद रेहान अहमद (88 रन पर तीन विकेट) ने पहले ही ओवर में भरत (06) को पवेलियन भेजा जिन्होंने मिड ऑन पर बेन स्टोक्स को कैच थमाया. टॉम हार्टले (77 रन पर चार विकेट) के अगले ओवर में कुलदीप यादव (00) गेंद को हवा में लहराकर डकेट को आसान कैच दे बैठे. जसप्रीत बुमराह 26 गेंद तक टिके रहे लेकिन खाता खोले बिना हार्टले का चौथा शिकार बने. रेहान ने अश्विन (29) को विकेटकीपर बने फोक्स के हाथों कैच कराके भारत की पारी का अंत किया.

13 पारियों के बाद गिल ने छुआ 50 का आंकड़ा

वह पिछली 13 पारियों में पहली बार 50 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहे. गिल हालांकि शतक पूरा करने के बाद बशीर की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में पवेलियन लौटे. गेंद गिल के ग्लव्स से टकराकर हवा में उछली और विकेटकीपर बेन फोक्स ने आसान कैच लपका। गिल ने अपनी पारी में 11 चौके और दो छक्के मारे. अक्षर भी इसके बाद हार्टले की सीधी गेंद को चूककर पगबाधा हो गए.

इंग्लैंड की टीम को मिला है रिकॉर्ड लक्ष्य

इंग्लैंड को शृंखला में 2–0 की बढ़त बनाने के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य मिला है. वेस्टइंडीज ने दो साल पहले बांग्लादेश में 395 रन बनाकर जीत दर्ज की थी जो एशिया में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत है.

रणजी ट्रॉफी : सौराष्ट्र ने महाराष्ट्र को हराया

सोलापुर । बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ भुत के सात विकेट से सौराष्ट्र ने एलीट रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां महाराष्ट्र पर 48 रन की जीत दर्ज की. भुत ने 44 रन देकर सात विकेट चटकाए जिससे सौराष्ट्र ने 213 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे महाराष्ट्र को तीसरे दिन दूसरी पारी में 164 रन पर ढेर कर दिया. ऑफ स्पिनर युवराज सिंह डोडिया ने दो जबकि बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने एक विकेट चटकाकर भुत का अच्छा साथ निभाया. पहली पारी में जडेजा के 72 रन और प्रेरक मांकड़ (52) के साथ छठे विकेट की उनकी 118 रन की साझेदारी की भी सौराष्ट्र की जीत में अहम भूमिका रही. जडेजा ने पहली पारी में भी चार विकेट चटकाए थे और भुत तथा डोडिया के साथ मिलकर महाराष्ट्र को पहली पारी में 159 रन पर समेटकर अपनी टीम को 43 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई थी. सौराष्ट्र ने इसके बाद दूसरी पारी में 164 रन बनाकर महाराष्ट्र को 213 रन का लक्ष्य दिया. महाराष्ट्र ने दिन की शुरुआत 104 रन से की जिसके बाद सौराष्ट्र ने जीत की औपचारिकता पूरी की.

प्रारूपों के बीच अनुकूलन क्षमता से यशस्वी अलग : ज्वाला सिंह

- ज्वाला ने कहा कि टी-20 क्रिकेट में वह एक अलग तरह से खेलता है

भाषा ।मुंबई

यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह का मानना है कि खेल के प्रारूपों के बीच अनुकूलन क्षमता और सहज प्रवृति ही इस युवा बल्लेबाज को शीर्ष स्तर के अपने साथियों से अलग बनाती है. जायसवाल 22 साल और 36 दिन की उम्र में शनिवार को विशाखापत्तनम में इंग्लैंड के खिलाफ 209 रन बनाकर विनोद कांबली और सुनील गावस्कर के बाद टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले देश के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने. ज्वाला ने कहा कि अगर आप उसका जूनियर क्रिकेट देखो, जैसे जब वह मुंबई अंडर-16 की ओर से खेल रहा था तो उसने दोहरा शतक जड़ा, मुंबई अंडर-19 के लिए भी, ईरानी कप, दलीप ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में भी दोहरा शतक जड़ा था. वह अपनी बल्लेबाजी में आक्रामक प्रकृति के कारण लंबी पारी खेलने में माहिर है. उन्होंने कहा कि वह हमेशा गेंदबाज पर दबाव डालता है क्योंकि वह बाउंड्री जड़ता रहता है. उसने अपने क्रिकेट को इसी तरह तैयार किया है. अपने स्ट्रोक लगाने की काबिलियत और अपनी मानसिकता ऐसी ही बनायी है.

इसे ही अनुकूलन क्षमता कहा जाता है. ज्वाला ने कहा कि टी-20 क्रिकेट में वह एक अलग तरह से खेलता है. टेस्ट क्रिकेट में उसका अलग दृष्टिकोण होता है. उसकी अनुकूल होने की क्षमता और सहज प्रकृति वास्तव में दूसरों से अलग है और यही उसे अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है.

द. अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड मजबूत

केन विलियमसन और रचिन रविंद्र ने जड़ा शतक

भाषा ।माउंट मोनगानुई

केन विलियमसन के 30वें और रचिन रविंद्र के पहले टेस्ट शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन दो विकेट पर 258 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा. दिन का खेल खत्म होने पर विलियमसन 112 जबकि रविंद्र 118 रन बनाकर खेल रहे थे. दोनों तीसरे विकेट के लिए 219 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं. पहले दिन रन बनाना हालांकि आसान नहीं रहा. न्यूजीलैंड ने पहले सत्र में 25 ओवर में 65 और दूसरे सत्र में 27 ओवर में 60 रन बनाए. दक्षिण अफ्रीका के युवा गेंदबाजों ने शुरुआती दो सत्र में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया. तीसरे और अंतिम सत्र में हालांकि मेजबान टीम के बल्लेबाजों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 34 ओवर में 133 रन बटोरे. विलियमसन और रविंद्र दोनों को जीवनदान भी मिले.

विलियमसन जब 47 रन पर खेल रहे थे तब एडवर्ड मूर ने रुआन डि स्वार्ट की गेंद पर उनका कैच टपकाया. यह गेंदबाज एक बार फिर दुर्भाग्यशाली रहा जब डुआने ओलिवियर ने उनकी गेंद पर रविंद्र का कैच छोड़ दिया. रविंद्र इस समय 80 रन बनाकर खेल रहे थे. विलियमसन ने अपने 13वें चौके के साथ 241 गेंद में शतक पूरा किया. यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका चौथा और न्यूजीलैंड में 17वां शतक है. रविंद्र ने भी इसके बाद शतक पूरा किया.

विलियमसन और रविंद्र उस समय एक साथ बल्लेबाजी के लिए आए थे जब टीम 39 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद संकट में थी. दक्षिण अफ्रीका ने छह खिलाड़ियों को पदार्पण कर मौका दिया जिसमें कप्तान नील ब्रैंड भी शामिल हैं जिन्होंने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया.

खास बातें

- पहले दिन दो विकेट पर न्यूजीलैंड ने 258 रन बनाए
- विलियमस 112 व रविंद्र 118 रन बनाकर नाबाद हैं

संकट

समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण भारतीय पैरालंपिक समिति हुई निलंबित

भारत में आयोजित पैरा निशानेबाजी विश्व कप खतरे में

भाषा ।नयी दिल्ली

- 6-15 मार्च तक होना है विश्व कप का आयोजन
- प्रतियोगिता में पैरालंपिक के 24 कोटा स्थान दांव पर लगे हैं

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) को समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण निलंबित करने के खेल मंत्रालय के फैसले के बाद अगले महीने भारत में पैरा निशानेबाजी विश्व कप की मेजबानी खतरे में पड़ गई है. कर्णी सिंह रेंज में छह से 15 मार्च तक आयोजित होने वाला पैरा निशानेबाजी विश्व कप भारत को आवंटित पहली बड़ी पैरा निशानेबाजी प्रतियोगिता है और इसमें पेरिस पैरालंपिक के 24 कोटा स्थान दांव पर लगे हैं. इस प्रतियोगिता में 52 देशों के 500 से अधिक पिस्टल, राइफल और शॉटगन निशानेबाजों के भाग लेने की उम्मीद है और उनका लक्ष्य क्वालीफिकेशन चक्र के आखिरी टूर्नामेंट के जरिए पैरालंपिक कोटा स्थान सुरक्षित करना है.

कई शीर्ष भारतीय पैरा निशानेबाज भी पैरालंपिक कोटा स्थानों के लिए चुनौती पेश करेंगे. हालांकि दो फरवरी के खेल मंत्रालय के फैसले के बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं. पीसीआई प्रतिस्पर्धियों की प्रविष्टियों की नाम से पुष्टि करने, उनके वीजा की व्यवस्था करने, रहने और टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एक तकनीकी टीम तैयार करने के लिए अंतिम चरण में है तब खेल मंत्रालय ने यह फैसला किया है. मंत्रालय ने दो फरवरी को एक आदेश जारी कर राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार 'नई कार्यकारी समिति के चुनाव में' राष्ट्रीय संस्था द्वारा 'जानबूझकर देरी' के लिए पीसीआई की मान्यता को निलंबित कर दिया था.

पैरा विश्व कप के कारण चुनाव स्थगित करना पड़ा : पीसीआई महासचिव

पीसीआई महासचिव गुरशरण सिंह ने रविवार को बताया कि मंत्रालय को सूचित किया गया है कि पैरा विश्व कप के कारण ही चुनावों में देरी हो रही है. गुरशरण ने कहा कि हां, उन्होंने पीसीआई की मान्यता निलंबित कर दी है. वे ऐसा कैसे कर सकते हैं जब किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) को चालू वर्ष के लिए मान्यता नहीं मिली है. उन्होंने कहा कि मंत्रालय कह रहा है कि उन्होंने हमारी मान्यता निलंबित कर दी क्योंकि हमने समय पर चुनाव नहीं कराए. हमारा चुनाव इस साल 27 जनवरी को होना था लेकिन पहली बार भारत को आवंटित किए गए पैरा विश्व कप के कारण हमें चुनाव स्थगित करने पड़े. गुरशरण ने ने कहा कि हमने पैरा विश्व कप के बाद मार्च में चुनाव की तारीखों की घोषणा की है. चुनाव 28 मार्च को हैं और निर्वाचन अधिकारी भी नियुक्त कर दिया गया है. उन्होंने कहा, 'हमने एक सप्ताह पहले मंत्रालय को चुनाव की तारीखों के बारे में सूचित किया था. अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) को भी सूचित किया गया है .अचानक यह घटनाक्रम (मान्यता का निलंबन) हुआ, मुझे नहीं पता क्यों. गुरशरण ने कहा कि हमने मंत्रालय को लिखा है कि चुनाव केवल पैरा विश्व कप के कारण स्थगित किए जा रहे हैं.

31 जनवरी को कार्यकाल समाप्त 28 मार्च को चुनाव

पीसीआई की कार्यकारी समिति का चार साल का कार्यकाल इस साल 31 जनवरी को समाप्त हो गया और मंत्रालय के अनुसार कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव हो जाने चाहिए थे. पीसीआई ने इस साल 28 मार्च को चुनाव निर्धारित किया है.

भारत 'ए' ने शृंखला जीती

- तीन मैचों की शृंखला में भारत 'ए' ने इंग्लैंड लायंस को 2-0 से हराया
- भारत 'ए' ने 134 रनों से जीता तीसरा मुकाबला

भाषा ।अहमदाबाद

भारत 'ए' ने अपने स्पिनरों के दमदार प्रदर्शन से रविवार को यहां तीसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड लायंस पर 134 रन की शानदार जीत दर्ज की. इंग्लैंड लायंस की टीम 403 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 268 रन पर सिमट गयी जिससे भारत 'ए' ने तीन मैच की शृंखला 2-0 से अपने नाम की. मुंबई के बायें हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी (60 रन देकर पांच विकेट) और मध्य प्रदेश के ऑफ स्पिनर सारांश जैन (50 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर आठ विकेट चटकाये जिससे सुबह दो विकेट पर 83 रन से खेल शुरू करने वाली इंग्लैंड की दूसरी पारी सिमट गयी.

इंग्लैंड लायंस के सलामी बल्लेबाज एलेक्स लीस ने 41 रन से शुरूआत करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया और वह अच्छी लय में दिख रहे थे. लेकिन मुलानी की गेंद पर पगबाधा आउट हो गये और उनकी 55 रन की पारी समाप्त हुई. तब इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 120 रन था. लेकिन टीम ने 20 रन के अंदर तीन और विकेट गंवा दिये जिससे उसका स्कोर सात विकेट पर 140 रन हो गया. मुलानी ने इंग्लैंड लायंस के कप्तान जोश बोहानन (18) और डैन मूस्ले (05) का विकेट हासल किया.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में दंपति की हुई मौके पर मौत

दरभंगा । सड़क हादसे में दंपति की मौत हो गई. घटना लहेरियासराय थाना क्षेत्र के लोहिया चौक के पास की है. शनिवार देर रात रात एक तेज रफ्तार वाहन की ठोकर से पति-पत्नी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि बाइक चला रहा नरेश महतो (दंपति का भतीजा) गम्भीर रूप से जख्मी हो गया. वहीं ठोकर मारने वाला फरार हो गया. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज डीएमसीएच में भर्ती कराते हुए दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया.

सरकारी शिक्षक पर लगा दुष्कर्म का आरोप

मोतिहारी । एक सरकारी शिक्षक पर सात साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप लगा है. मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के अनुसार पचपकड़ी ओपी क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ. आरोपित बच्ची का पड़ोसी सरकारी शिक्षक है. आरोप है कि वह दरवाजे पर खेल रही बच्ची को बहला फुसलाकर अपने घर में ले गया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया. दुष्कर्म के बाद आरोपित फरार हो गया. घटना के वक्त आरोपित के घर पर कोई नहीं था. जब बच्ची से परिजनों ने पूछताछ की.

प्रेमी पर ब्लैकमेल करने का लगा आरोप

मुंगेर । जिले के जमालपुर थाना में प्रेमी द्वारा प्यार के जाल में प्रेमिका को फंसाकर और फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के बाद ब्लैकमेल करने का मामला प्रकाश में आया है. गिरफ्तार आरोपी प्रेमी की पहचान हवेली खड़गपुर थाना अंतर्गत शामपुर ओपी क्षेत्र के बागेश्वरी गांव निवासी संजय कुमार पंडित के पुत्र देवराज के रूप में हुई है. पीड़ित लड़की ने पुलिस को बताया कि देवराज के द्वारा उसे जमालपुर के होटल में बुलाया गया था. जहां देवराज द्वारा संबंध बनाने पर लड़की ने इंकार किया तो देवराज ने पहले लड़की के साथ मारपीट की.

आलाकमान से दिल्ली में मिलने के बाद फुल पावर में आए बिहार के दोनों डिप्टी सीएम

खेला की बात करने वालों को खिलौना देंगे : चौधरी

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बदले तेवर

- शाह से मुलाकात के बाद सम्राट चौधरी हुए सख्त
- इशारों ही इशारों में सम्राट ने आरजेडी को दी चेतावनी

भाजपा आलाकमान से दिल्ली में मिलने के बाद बिहार के दोनों डिप्टी सीएम फूल पावर में आ गए हैं. निशाने पर राजद और कांग्रेस है. नंबर वन डिप्टी सीएम की कुर्सी पर नियुक्त प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना कहा कि खेला करने की बात करने वालों के हाथ हम खिलौना दे देंगे. वहीं नम्बर टू डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा कांग्रेस पर जम कर बरसे.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने जे बाद चौधरी ने कहा कि सारी फाइल खोलेंगे, सबका इलाज होगा. शाह से मुलाकात के बाद तेवर में सम्राट चौधरी बोले- खेला की बात कहने वालों को खिलौना जरूर देंगे. इशारों ही इशारों में सम्राट चौधरी ने आरजेडी और तेजस्वी यादव को बड़ी चेतावनी दे दी. उन्होंने कहा है कि सारी फाइल खोलेंगे. ये लोग जो सरकार में थे सब ठेकेदार थे, सबका इलाज होगा. ये बालू माफिया, शराब माफिया से जुड़े लोग हैं, एक-एक व्यक्ति की जांच होगी. लालू यादव के बेटे जो बोलते हैं कि खेला होगा उन्हें हमलोग खेलने के लिए खिलौना ज़रूर देंगे. सम्राट चौधरी ने कहा कि पार्टी के प्रमुख नेताओं से मुलाकात हुई है. उनसे मार्गदर्शन लिया है. सभी का यही निर्देश है कि जो 2020 में बिहार की जनता से जो हमारा कमिटमेंट था उसे हमलोग पूरा करें. रोजगार के साथ साथ बिहार में कानून का राज स्थापित करेंगे.

उन्होंने कहा कि आज कल जो खेला करने की बात कह रहे हैं उन्हें खिलौना देना पड़ेगा, तो उस खिलौने का भी इंतजाम हमलोग कर रहे हैं. बच्चा जो बहुत खेला करना चाहता है उनको पता नहीं है कि उनको खिलौना देने वाले हमलोग बड़े भाई हैं. दूसरी ओर आलाकमान से मिलने के बाद डिप्टी सीएम नंबर टू विजय कुमार सिन्हा ने कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कहा कि वंशवादी, भ्रष्टाचारी मानसिकता के लोग कभी न्याय नहीं कर सकते. लोकतंत्र में किसी परिवारवादी या वंशवादी को लगातार अवसर मिलते रहे और वही नेतृत्व संभालते रहे. वे (कांग्रेस) जब अपने दल के अंदर न्याय नहीं कर सके, अपने पार्टी के लोगों का सम्मान नहीं कर सके तो कैसे वे जनता को सम्मान और न्याय दे पाएंगे?

राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने राजद को निशाने पर लिया, बोले

घोटालों की झांकी दिखाएं तेजस्वी

विशेष संवाददाता/पटना

राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने 2020 के जनादेश का अपहरण कर 17 महीने राज किया, वे अगर झांकी दिखाना ही चाहते हैं, तो दिखायें कि इतने दिनों में बालू-शराब माफिया ने कितनी बार पुलिस पर हमले किये, कितने दरोगाा-सिपाही ट्रैक्टर से कुचल कर मारे गए और कब-कब खनन विभाग के अफसरों को दौड़ा कर पीटा गया? उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बतायें कि जिन लोगों ने कार्यपालक अधिकारी को पीट कर अधमरा किया था, वे किसके रिश्तेदार हैं? वे क्या जनता को झूठी और एकतरफा झांकी दिखायेंगे? वैसे, राजद की पूरी फिल्म तो लोग उनके माता-पिता के राज में देख ही चुके हैं. मोदी ने कहा कि झांकी दिखाने वाले अपने पिछले कार्यकाल के मॉल-मिट्टी घोटाले का फ्लैश बैक और रेलवे की नौकरी के बदले जमीन लेने का ट्रेलर भी दिखायें. कहा कि नौकरी के बदले जमीन मामले में विशेष न्यायालय के संज्ञान लेने और राबड़ी देवी, मीसा यादव सहित 9 आरोपियों को कोर्ट में नौ फरवरी को उपस्थित होना है. तेजस्वी को सच बताना चाहिए. मोदी ने कहा कि ईडी के आरोप पत्र में कोर्ट में ठोस प्रमाण रखे गए हैं. इसलिए लालू प्रसाद और तेजस्वी को 17 महीनों में लोगों को नौकरी देने और विकासगाथा की फर्जी झांकी दिखाने के बजाय बिहार के सीने पर खून से लथपथ माफियागाथा लिखने के लिए प्रायश्चित करना चाहिए. उन्होंने कहा कि लालू परिवार जनता को बताये कि ये अमित कात्याल कौन हैं, जिसकी कंपनी ने रेलवे में नौकरी पाने वालों की कीमती जमीन मिट्टी के मोल खरीदी? कहा कि तेजस्वी यादव बताएं कि वे इतनी कम उम्र में बिना कोई नौकरी-व्यवसाय किए दिल्ली में न्यू फ्रेंड्स कालोनी के 150 करोड़ के मकान डी-1088 के मालिक कैसे बन गए और कौन हैं हृदयानंद चौधरी, जिन्होंने रेलवे के ग्रुप-डी की नौकरी पाने के बदले अपनी कीमती जमीन राबड़ी देवी और हेमा यादव को गिफ्ट कर दी? मोदी ने कहा कि एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक अमित कात्याल की गिरफ्तारी के बाद लालू परिवार पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है. इसलिए लोगों का ध्यान बंटाने के लिए झांकी-नौटंकी दिखा रहे हैं.

जीतन राम मांझी ने दो मंत्री पद मांगे, इस पर संतोष कुमार सुमन बोले-

यह मांझी की व्यक्तिगत राय है

संवाददाता । पटना

उठी मांग

- संतोष हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जीतन राम के पुत्र हैं
- फिलहाल मुख्यमंत्री के अलावे 8 मंत्री बनाए गए हैं

बिहार में नई सरकार का गठन होने के साथ ही मंत्री पद की मांग तेज होने लगी है. नीतीश सरकार के बहुमत साबित करने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने दो मंत्री पद की मांग कर दी है. हालांकि इस पर अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री संतोष कुमार सुमन की राय अलग है. उन्होंने कहा है कि दो मंत्री पद की मांग जीतन राम मांझी की व्यक्तिगत राय है. हमारी पार्टी हर हाल में नरेंद्र मोदी के साथ रहेगी. उनके प्रति हमारी निष्ठा को सभी जानते हैं.

भारतीय जनता पार्टी, हिंदुस्तानी एवं मोर्चा और निर्दलीय विधायक के सहयोग से बिहार में नीतीश कुमार की सरकार बनी है. फिलहाल मुख्यमंत्री के अलावे 8 मंत्री बनाए गए हैं. जिनमें हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संतोष कुमार सुमन भी शामिल हैं. संतोष सुमन पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के पुत्र हैं. बता दें कि संतोष कुमार सुमन हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. महागठबंधन की ओर से सीएम पद के ऑफर पर उन्होंने कहा कि यह सब बातें हवा में हैं. कोई आधिकारिक तौर पर बात नहीं हुई थी. हम एनडीए के साथ हैं और नरेंद्र मोदी में हमारी पूर्ण आस्था है. मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे पर संतोष सुमन ने नीतीश कुमार का धन्यवाद दिया है. उन्होंने कहा कि सरकार से जो दायित्व मिला है उसे ईमानदारी और निष्ठा के साथ पूरा करेंगे. इससे हमें कोई शिकवा शिकायत नहीं है. हमलोग मजबूती के साथ सरकार चलाएंगे. इससे पहले जीतनराम मांझी ने कहा था कि उनकी पार्टी को दो मंत्री पद मिलना चाहिए. कहा कि हमें तो सीएम का ऑफर मिला था जिसे ठुकरा दिया. हमारे साथ अन्याय नहीं किया जाना चाहिए. जब निर्दलीय विधायक को मनचाहा पद मिल सकता है तो हमें दो मंत्री पद क्यों नहीं दिया जा सकता.

वहीं इस पर एलजेपी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि यकीनन उनके विधायकों की संख्या भले ही कम हो. लेकिन मौजूदा परिस्थिति में उनका महत्व काफी है. ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं हमारे प्रदेश के. ऐसे में अगर गठबंधन के भीतर ऐसी चर्चा हुई है, तो उन्हें उचित सम्मान जरूर मिलना चाहिए. चिराग पासवान ने आगे कहा कि मुझे नहीं पता कि उनकी गठबंधन के अदंर क्या बातचीत हुई है. वो राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भी थे. गठबंधन के भीतरी मामलों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने से नुकसान होगा. वहीं एनडीए में बिहार की सीटों के बंटवारे के सवाल के जवाब में चिराग ने कहा कि बजट सत्र के खत्म होने के बाद सीटों शेयरिंग की औपचारिक घोषणा एनडीए के घटक दलों के साथ हो जाएगी. बीजेपी की अलग-अलग घटक दलों से बातचीत चल रही है. बता दें कि 28 जनवरी को सीएम नीतीश समेत 8 मंत्रियों ने मंत्री पद की शपथ ली थी. जिसमें जीतन मांझी के बेटे और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन भी शामिल हैं. संतोष सुमन को सूचना प्रावैधिकी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग दिया गया है.

इस मामले पर आरएलजेडी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने जीतनराम मांझी को नसीहत दी. कुशवाहा ने कहा कि एनडीए में किसी के साथ अन्याय नहीं होगा. मांझी की जो इच्छा है और जो अंतिम रूप से बात फाइनल होती है, ऐसी बातें सार्वजनिक नहीं करनी चाहिए. उन्हें सार्वजनिक रूप से ऐसी बयानबाजी करने से बचना चाहिए. साथ ही उपेंद्र ने कहा कि मैटर और टाइम की बात है, बहुत जल्द सारी परिस्थिति साफ हो जाएगी.

बता दें कि भाजपा, जदयू और हम के मंत्री मंत्रिमंडल विस्तार तक एक से अधिक विभागों की जिम्मेदारी संभालेंगे. उम्मीद जताई जा रही है कि 12 फरवरी को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार होगा. इसके बाद नए मंत्रियों को उनके दल के वर्तमान मंत्रियों के पास आवंटित अतिरिक्त विभाग दिए जाएंगे. वैसे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास कृषि, पथ निर्माण, राजस्व एवं भूमि सुधार, गन्ना उद्योग, खान एवं भू तत्व, श्रम संसाधन, कला संस्कृति एवं युवा, लघु जल संसाधन मंत्रालय तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग हैं. जदयू की ओर से विजय कुमार चौधरी के पास सबसे अधिक छह विभाग हैं. इनमें जल संसाधन, संसदीय कार्य, भवन निर्माण, परिवहन, शिक्षा के साथ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग शामिल हैं. बिजेंद्र प्रसाद यादव को ऊर्जा, योजना एवं विकास, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन, ग्रामीण कार्य और अल्पसंख्यक कल्याण का जिम्मा दिया गया है. हम के संतोष को सूचना प्रावैधिकी के साथ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की दोहरी जिम्मेदारी दी गई है.

इंटर परीक्षा में तीसरे दिन 45 परीक्षार्थी हुए निष्कासित

संवाददाता। पटना

बिहार बोर्ड इंटर परीक्षा के तीसरे दिन यानी तीन फरवरी को राज्यभर में कुल 52 परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित कर दिया गया है. इनमें से 45 को कदाचार के आरोप में और सात परीक्षार्थियों को दूसरे के बदले परीक्षा में बैठने के आरोप में निष्कासित किया गया है. कदाचार के आरोप में नालंदा में 7, जहानाबाद में 7, गोपालगंज में 5, नवादा में 5, सारण में 4, अरवल में 4, भोजपुर में 3, मधुबनी में 2, मधेपुरा में 2, रोहतास में 2, पूर्वी चंपारण में एक, समस्तीपुर में एक, औरंगाबाद में एक और सहरसा में एक परीक्षार्थी को कदाचार करते पकड़ा गया. बता दें कि परीक्षा के पहले दिन यानी एक फरवरी को 51 छात्र-छात्राओं को कदाचार के आरोप में निष्कासित किया गया है. वहीं दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में परीक्षार्थी कदाचार करते पकड़े गये थे. बता दें कि बिहार में इंटर की परीक्षा 1 फरवरी से शुरू हुई है, जो 12 फरवरी तक चलेगी.

कांग्रेस पार्टी ने अपने विधायकों को अब भेज दिया हैदराबाद

संवाददता। पटना

कांग्रेस पार्टी विधायकों के पाला बदलने की आशंका को देखते हुए विधायकों को हैदराबाद भेज दिया गया है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हुई बैठक के बाद पार्टी के विधायकों को दिल्ली से ही हैदराबाद भेज दिया गया.

सभी विधायक विश्वास मत के दिन यानी 12 फरवरी को ही बिहार लौटेंगे. दरअसल बिहार में बदले सियासी समीकरण के बाद कांग्रेस विधायकों के एक धड़े का पार्टी से अलग होने की चर्चा जोरों पर है. राजनीतिक हलकों में चल रही इस अटकलबाजी के बीच अब कांग्रेस विधायकों को अचानक से दिल्ली से हैदराबाद शिफ्ट कर दिया गया. सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के 19 में से 17 विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट किया गया है. एक दिन पहले ही दिल्ली बैठक में कांग्रेस विधायकों को बिहार से बाहर शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया था.

कारोबार

फोर्स की 2000 करोड़ निवेश करने की योजना

नयी दिल्ली । वाहन कंपनी फोर्स मोटर्स ने अगले तीन से चार साल में विभिन्न गतिविधियों पर लगभग 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है. कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रसन्न फिरोदिया ने यह जानकारी दी. कंपनी यह निवेश हरित अभियान और इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास पर करेगी. फोर्स मोटर्स वाणिज्यिक व यूटिलिटी वाहनों की श्रृंखला की बिक्री करती है. फिरोदिया ने कहा कि कंपनी स्तर पर हम अगले तीन से चार साल में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे.

खिलौना विनिर्माताओं को मिले करोड़ों रुपये के ऑर्डर

नयी दिल्ली । जर्मनी के न्यूरमबर्ग में पांच दिन के अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेले में भाग लेने वाले भारतीय खिलौना विनिर्माताओं को करोड़ों रुपये के ऑर्डर मिले हैं. खिलौना निर्यातकों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय विनिर्माताओं ने मेले में उच्च गुणवत्ता का प्रदर्शन किया. उनके अनुसार, अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी जैसे देशों के खरीदारों ने उनके उत्पादों में रुचि दिखाई और अच्छी संख्या में ऑर्डर दिए. न्यूरमबर्ग अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेला तीन फरवरी को संपन्न हुआ.

पीएलआई योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा

नयी दिल्ली । वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और उद्योग के खिलाड़ियों ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सहयोग बढ़ाने और एक स्पष्ट कार्रवाई योजना बनाने के तरीकों पर चर्चा की है. रविवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना के तहत लाभार्थी कंपनियों सहित लगभग 1,200 प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इन योजनाओं के प्रभावी और निर्बाध क्रियान्वयन के लिए रणनीति पर चर्चा करने और योजना बनाने के लिए तीन फरवरी को बैठक की.

पिछले तीन साल में चीन के शेयर बाजार में निवेशकों के छह लाख करोड़ डॉलर डूब गए

चीन के स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट

भाषा । नयी दिल्ली

निवेशक परेशान

- दुनियाभर के निवेशकों ने काफी पैसा लगाया था
- शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 6.2 प्रतिशत की गिरावट

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति का असर सीधे उसके स्टॉक मार्केट में पड़ता है. जब अर्थव्यवस्था बेहतर रहती है तो मार्केट में मजबूती बनी रहती है और जब कमजोर रहता है तो गिरावट होने लगता है. ऐसी ही स्थिति चीन में देखने को मिल रही है. चीन के स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली. करीब दो दशक तक चीन की इकॉनमी जिस गति से बढ़ी थी उसकी रफ्तार कम होने लगी है. साल 2007 से 2015 के बीच चीन ने हर साल अपनी इकॉनमी में एक ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी की थी. इस दौरान दुनियाभर के निवेशकों ने चीन पर जमकर पैसा लगाया था.

लेकिन अब हालात बदलते जा रहे हैं. पिछले साल भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेजी आई जबकि नए साल में भी चीन के हालात नहीं बदले. पिछला हफ्ता चीन के शेयर मार्केट के लिए बहुत खराब रहा. चीन सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी इकॉनमी का दम फूलता जा रहा है. विदेशी निवेशकों में भागने की होड़ मची है. पिछले तीन साल में चीन के शेयर बाजार में निवेशकों के छह लाख करोड़ डॉलर स्वाहा हो चुके हैं.

पिछले हफ्ते शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 6.2 फीसदी गिरावट आई जो अक्टूबर 2018 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट थी. जबकि शेनजेन कंपोनेंट इंडेक्स में 8.1 फीसदी गिरावट रही. यह तीन साल में इसकी सबसे बड़ी गिरावट है. इस साल इन दोनों इंडेक्स में क्रमशः आठ और 15 परसेंट से ज्यादा गिरावट आई है. चीन के ब्लू-चिप सीएसआई इंडेक्स में 4.6 फीसदी गिरावट आई जो अक्टूबर 2022 के बाद सबसे ज्यादा है. इस इंडेक्स में इस साल सात फीसदी गिरावट आई है. इसमें शंघाई और शेनजेन में लिस्टेड 300 बड़े स्टॉक शामिल हैं. चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन पिछले कुछ समय से यह कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है.

वहीं देश में रियल एस्टेट मार्केट गहरे संकट में है. युवाओं की बेरोजगारी चरम पर है. डिफ्लेशन की स्थिति चल रही है. देश में आबादी में तेजी से गिरावट आ रही है. आईएमएफ के मुताबिक इस साल चीन की जीडीपी ग्रोथ 4.6 परसेंट रहने का अनुमान है जो कई दशक में सबसे कम है. साथ ही 2028 में चीन की जीडीपी ग्रोथ के घटकर 3.5 परसेंट रहने का अनुमान है. हांगकांग की एक अदालत ने चीन की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड को बेचने का ऑर्डर दिया है. किसी जमाने में इस कंपनी को चीन के रियल एस्टेट सेक्टर का पोस्टर बॉय कहा जाता था और आज यह दुनिया की सबसे ज्यादा कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी है. रियल एस्टेट के डूबने का कारण चीन की बैंकिंग इंडस्ट्री पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं. चीन की सरकार ने देश के 64 ट्रिलियन डॉलर की फाइनेंशियल इंडस्ट्री को विदेशी निवेशकों के लिए खोलने का फैसला किया है.

लेकिन यह कदम भी निवेशकों का भरोसा बहाल करने में नाकाम रहा. चीन की इकॉनमी जहां संघर्ष कर रही है, वहीं भारत की इकॉनमी कुलांचे मार रही है. भारत का शेयर मार्केट रोज नए-नए रिकॉर्ड बना रहा है. आईएमएफ के मुताबिक 2024 और 2025 में भारत की इकॉनमी के 6.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है. दूसरी ओर चीन अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए बड़ी संख्या में छोटे बैंकों का विलय कर रहा है. चीन सरकार छोटे ग्रामीण बैंकों को मिलाकर बड़े क्षेत्रीय बैंक बनाने जा रही है.

संकट के समय रघुराम ने ध्यान नहीं दिया: वित्त मंत्री

भाषा । नयी दिल्ली

आरबीआई के गवर्नर के रूप में रघुराम राजन अपने कर्तव्यों को पूरा करने में विफल रहे, इस कारण देश का बैंकिंग सिस्टम संकट में पड़ गया. जब बैंक परेशानी में थे, तो उस समय रघुराम राजन ने बैंकिंग सिस्टम की ओर ध्यान नहीं दिया. यह आरोप वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरबीआई के गवर्नर रहे रघुराम राजन पर लगाये. वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक जब बाहरी दबाव से निपटने में लगे हुए थे, राजन को चाहिए था कि उन्हें (बैंक) बाहरी दबाव से बचायें. उन्हें बैंकों को नियमों के बारे में जानकारी देनी चहिए थी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. वहीं निर्मला ने कहा कि राजन पर तंज कसते हुए कहा कि वे हर बार बोलते समय एक इकोनॉमिस्ट होते हैं या फिर राजनेता के रूप में बोलते हैं, यह उन्हें स्पष्ट करना चाहिए. बता दें कि कुछ दिन पहले ही रघुराम राजन ने कहा था कि देश को विकसित देश बनने के लिए 9-10 फीसदी ग्रोथ का टारगेट रखना चाहिए. वित्त मंत्री ने यह जवाब उसी संदर्भ में दिया. रघुराम राजन का कहना था कि विकास की मौजूदा दर पर भारत 2047 तक चीन की प्रति व्यीक्ति आय तक पहुंच जायेगा, लेकिन भारत को बढ़ती आबादी का भी सामना भी करना है. उनका कहना था कि यदि भारत मौजूदा रेट से ग्रोथ करता है तो भी 2047 तक विकसित देश की कैटेगरी में शामिल नहीं हो पायेगा. रघुराम राजन के अनुसार भारत को जाहिए कि वह मानव पूंजी और बौद्धिक संपदा बनाने की क्षमता पर फोकस करे.

8 कंपनियों का मार्केट कैप 2.90 करोड़ बढ़ा

नयी दिल्ली । स्थानीय शेयर बाजार में उछाल के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2.90 लाख करोड़ रुपये चढ़ गया. सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही. सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई.

भारत की दक्षिण कोरिया से निर्यात को बढ़ावा देने की मांग

भाषा। नयी दिल्ली ।

भारत ने दक्षिण कोरिया से इस्पात, चावल और झींगा जैसे कुछ उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अधिक बाजार की मांग की है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. दोनों देशों के बीच मौजूदा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के अद्यतन के लिए बातचीत चल रही है.

भारत ने वार्ता में इन मुद्दों को उठाया है. इसे आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है. यह समझौता जनवरी, 2010 में परिचालन में आया था. समझौते के अद्यतन पर वार्ता का 10वां दौर चल रहा है. अधिकारी ने कहा कि हम इस्पात, चावल और झींगा जैसे उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहे हैं. बैठक में भारत ने दक्षिण कोरियाई कंपनियों द्वारा भारतीय इस्पात नहीं खरीदने का मुद्दे भी उठाया.

शेयर | अंतरिम बजट के बाद सभी की निगाहें आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर होंगी

कंपनियों के नतीजों से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

भाषा । नयी दिल्ली

निवेशक तैयार

- बीएसई का सेंसेक्स 1.95 प्रतिशत के लाभ में रहा
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 2 .34 प्रतिशत चढ़ा

स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और ब्याज दर पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्णय से तय होगी.

विश्लेषकों ने यह राय जताई है. उनका कहना है कि अंतरिम बजट और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत निर्णय के बाद अब बाजार भागीदारों का ध्यान केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा पर है. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर, एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की बैठक छह-आठ फरवरी को होने वाली है. कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर भी सभी की निगाह रहेगी. इस सप्ताह भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, नेस्ले, ल्यूपिन और टाटा पावर अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी.

उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार भागीदार डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे. साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण रहेंगी. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों और अंतरिम बजट के बाद सभी की निगाहें इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर होंगी. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,384.96 अंक या 1.95 प्रतिशत के लाभ में रहा. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 501.2 अंक या 2.34 प्रतिशत चढ़ गया. शुक्रवार को निफ्टी अपने 22,126.80 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा. मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा कि अब बाजार का ध्यान चालू वित्त वर्ष के तीसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगा. आने वाले दिनों में अशोक लेलैंड, भारती एयरटेल, अपोलो टायर्स, नेस्ले, ग्रासिम, एलआईसी जैसी कई कंपनियां अपने नतीजे घोषित करेंगी. रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा कि सभी की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर रहेंगी. वैश्विक मोर्चे पर हमारा अनुमान है कि अमेरिकी बाजार में उछाल से स्थानीय शेयर बाजारों को भी मजबूती मिलेगी.

एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में डाले हैं 19800 करोड़ रुपये

भाषा। नयी दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में देश के ऋण या बॉन्ड बाजार में 19,800 करोड़ रुपये का निवेश किया है. यह बॉन्ड बाजार में एफपीआई के प्रवाह का छह साल में सबसे ऊंचा मासिक स्तर है.

भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने के बाद एफपीआई का भारतीय बॉन्ड बाजार के प्रति आकर्षण बढ़ा है. वहीं दूसरी ओर एफपीआई ने अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने के बीच जनवरी में भारतीय शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 19,836 करोड़ रुपये डाले हैं. यह जून, 2017 के बाद उनके निवेश का सबसे ऊंचा मासिक स्तर है. उस समय उन्होंने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये डाले थे. इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने बॉन्ड में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये डाले थे. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के निश्चित आय बाजार में एफपीआई का शुद्ध प्रवाह जून में 2.39 अरब डॉलर रहा है. भारत सरकार के बॉन्ड को जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने की वजह से यह निवेश आया है.

उत्तर भारत में बर्फबारी और भारी बारिश

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर सहित समूचे उत्तर भारत में रविवार की सुबह बारिश हुई. वहीं जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ बर्फबारी हो रही है. पहाड़ों में बारिश पर हिमपात और मैदानी इलाकों में बारिश के साथ ठंड ने फिर वापसी की है. मौसम विभाग के मुताबिक मौसम में बदलाव से अधिकतम तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है. हरियाणा के अंबाला सहित कई जिलों में सुबह बारिश हुई. पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आया है. मौसम विभाग ने राज्य के कई इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था. पहाड़ों की रानी शिमला में भी शनिवार को बर्फबारी हुई. श्रीनगर में भी बर्फबारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त है.

नामीबिया के राष्ट्रपति हागे गेनगॉब का निधन कैंसर से थे पीड़ित

नामीबिया। नामीबिया के राष्ट्रपति हागे गेनगॉब का रविवार को विंडहोक में निधन हो गया. 82 वर्षीय हागे गेनगॉब काफी दिनों से कैंसर से पीड़ित थे. उनका इलाज लेडी पोहाम्बा हॉस्पिटल में चल रहा था. वह काफी दिनों से जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे थे. आखिरकार हागे गेनगॉब जिंदगी से जंग हार गये. नामीबिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने इस बात की पुष्टि की है. राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि गेनगॉब की डॉक्टर टीम ने उन्हें बचाने का पूरा प्रयास किया. लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका. अस्पताल में उनके साथ उनकी पत्नी मोनिका गेनगॉब और उनके बच्चे थे. नामीबिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति एंगोलो मुम्बा ने शांति का आह्वान किया है.

ब्रीफ खबरें

अरुंधति को कन्हैया लाल सेठिया कविता पुरस्कार

जयपुर। लेखिका अरुंधति सुब्रमण्यम को जयपुर साहित्य महोत्सव में 'महाकवि कन्हैयालाल सेठिया कविता पुरस्कार, 2024' से सम्मानित किया गया. संस्कृति और आध्यात्मिकता पर केंद्रित अपनी रचनाओं के लिए पहचान बनाने वाली अरुंधति सुब्रमण्यम को जेएलएफ में शनिवार को यह पुरस्कार प्रदान किया गया. अरुंधति को प्रशस्ति पत्र के साथ ही एक लाख रुपये का 'चेक' पुरस्कार स्वरूप दिया गया. व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर कविता संग्रह की कवयित्री अरुंधति की इस रचना को 2015 में टी.एस. इलियट पुरस्कार के लिए शार्ट लिस्ट किया गया था.

बाइडन ने द. कैरोलाइना का प्राइमरी चुनाव जीता

कोलंबिया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश में राष्ट्रपति पद के लिए इस साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया के तहत कराए गए साउथ कैरोलाइना प्राइमरी चुनाव में आसानी से जीत हासिल कर ली. बाइडन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के अन्य दावेदारों-मिनेसोटा से सांसद डीन फिलिप्स व मैरिएन विलियम्सन को शनिवार को हुए प्राइमरी चुनाव में हरा दिया. बाइडन ने जीत हासिल करने के बाद कहा, द. कैरोलाइना के मतदाताओं ने 2020 में राजनीतिक विश्लेषकों को गलत साबित किया था.

इजराइल ने हिजबुल्लाह को फिर दी चेतावनी

राफाह। इजराइल की सेना ने पड़ोसी देश लेबनान में हिजबुल्लाह को अब तक की विस्तृत चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसे उकसाया गया तो वह तुरंत हमला करने के लिए तैयार है. इसके साथ ही इजराइली सेना ने गाजा में चार महीने से चल रहे युद्ध के दौरान उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह की गतिविधियों का जिक्र किया और इस आतंकवादी समूह के खिलाफ सीरिया में कई हवाई हमले करने की बात भी स्वीकार की. इजराइली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा, युद्ध हमारी पहली प्राथमिकता नहीं है लेकिन हम निश्चित रूप से तैयार हैं.

गुवाहाटी में 11,600 करोड़ की परियोजना शुरू, पीएम ने कहा-

पहले सत्ता के लोगों को अपनी संस्कृति पर शर्म आती थी

एजेंसी। गुवाहाटी

प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि आजादी के बाद सत्ता में रहे लोग पूजा स्थलों के महत्व को नहीं समझ सके और उन्होंने राजनीतिक वजहों से अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की. याद दिलाया कि कोई भी अपनी जड़ों से कट कर, अतीत को भुलाकर सफल नहीं हो सकता. हमारे तीर्थ, हमारे मंदिर, हमारी आस्था के स्थान सिर्फ दर्शन करने करने के लिए नहीं हैं, ये हजारों वर्षों की हमारी सभ्यता की यात्रा की अमिट निशानियां हैं. गुवाहाटी में रविवार को 11,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कोई भी देश अपना इतिहास मिटाकर प्रगति नहीं कर सकता. उन्होंने कहा, हालांकि, पिछले 10 साल में स्थिति बदली है. मोदी ने कहा कि जिन परियोजनाओं की उन्होंने शुरुआत की उससे न केवल पूर्वोत्तर में बल्कि बाकी के दक्षिण एशिया में संपर्क सुविधा मजबूत होगी. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में असम में शांति लौटी है और 7,000 से अधिक लोगों ने हथियार छोड़े हैं और मुख्यधारा में लौटे हैं. उन्होंने कहा, पिछले दशक में क्षेत्र में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक आये हैं.

दिया संदेश

- कोई भी देश अपना इतिहास मिटाकर प्रगति नहीं कर सकता
- जनसभा से पहले पीएम मोदी ने रोड शो भी किया

रोड शो में सीएम हिमंता भी पीएम के साथ शामिल हुए

प्रधानमंत्री मोदी ने गुवाहाटी के वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर समेत असम में 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया. खबर है कि इसे महाकाल और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह 498 करोड़ रुपये खर्च कर विकसित किया जायेगा. इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद मैं अब यहां मां कामाख्या के दरवाजे पर आया हूं. प्रधानमंत्री ने रविवार को जनसभा से पहले रोड शो किया. रोड शो में सीएम हिमंता भी उनके साथ शामिल हुए,

रूस की इंडियन एंबेसी से भेजता था सेना की गोपनीय जानकारियां

उत्तरप्रदेश एटीएस ने आईएसआई एजेंट को मेरठ से किया गिरफ्तार

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तान आईएसआई के लिए काम करने वाले एजेंट सत्येंद्र सिवाल को मेरठ से गिरफ्तार किया है. उप्र के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के अनुसार, एटीएस को जानकारी मिली थी कि रूस की राजधानी मास्को में स्थित भारतीय दूतावास में इंडियन बेस्ड सिक्योरिटी असिस्टेंट (आईबीएसए) के पद पर तैनात सत्येंद्र आईएसआई के संपर्क में था. वह भारत के रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों से जुड़ी अहम और गोपनीय जानकारी आईएसआई को भेज रहा था. इसकी जानकारी मिलने के बाद सिवाल को मेरठ के एटीएस फील्ड यूनिट में बुलाया गया और पूछताछ की गयी. इस दौरान वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और अपना अपराध कबूल कर लिया. जिसके बाद एटीएस थाना, लखनऊ में सतेन्द्र सिवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. सतेन्द्र सिवाल पर आईपीसी की धारा 121 ए और शासकीय गुप्त अधिनियम 1923 के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है.

पैसे का लालच दे रहा था आईएसआई : एटीएस को जानकारी मिली थी कि आईएसआई के हैंडलर कुछ लोगों के माध्यम से भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों को पैसे का लालच दे रहे हैं. इससे भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को बड़ा खतरा होने की आशंका है. एटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक और प्रत्यक्ष निगरानी के माध्यम से अपनी जांच में पाया कि सतेन्द्र सिवाल आईएसआई संचालकों के नेटवर्क के साथ भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल था.

यमन के हूती-नियंत्रित क्षेत्रों पर हमले किए

वाशिंगटन। अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने शनिवार को यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्रों पर हमले किए. अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने यह जानकारी दी. ऑस्टिन ने कहा कि ये हमले करने में अमेरिका और ब्रिटेन को ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, कनाडा, डेनमार्क, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड से भी सहयोग मिला.

मणिपुर के लोगों के साथ अन्याय कर रहे हैं पीएम मोदी : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मणिपुर के लोगों के साथ घोर अन्याय करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि राज्य की स्थिति पर मोदी अब भी पूरी तरह खामोश हैं. विपक्षी दल ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के एक दिन बाद यह बयान दिया है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर शाह और मुख्यमंत्री की बैठक संबंधी खबर को संलग्न करते हुए कहा, नौ महीने हो गये, लेकिन प्रधानमंत्री के साथ कोई बैठक नहीं हुई. मणिपुर पर प्रधानमंत्री की पूर्ण चुप्पी बरकरार है. उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री रोड शो के लिए गुवाहाटी जाते हैं, लेकिन वह इंफाल नहीं जा सकते और न ही जाएंगे. रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री का मणिपुर के लोगों के साथ यह घोर अन्याय है. मणिपुर के मुख्यमंत्री ने शाह के साथ बैठक के बाद शनिवार को कहा था कि केंद्र इस राज्य के लोगों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने की तैयारी में है.

हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है : बैठक में दोनों नेताओं ने मणिपुर से संबंधित सर्वाधिक महत्व के मामलों पर चर्चा की. बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित करने के बाद तीन मई, 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क गयी थी. तब से जारी हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है.

मोदी की गारंटी बेरोजगारी की गारंटी है : प्रियंका गांधी

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रिक्त सरकारी पदों को लेकर रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा. आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी बेरोजगारी की गारंटी है. कांग्रेस महासचिव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आंकड़ों के अनुसार, देश में करीब 30 लाख सरकारी पद खाली हैं. उन्होंने आरोप लगाया, हमारे करोड़ों युवा नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने इन पदों को भरने के लिए दिखावे के सिवा कुछ नहीं किया. उन्होंने कहा कि जुलाई 2022 में सरकार ने संसद को जानकारी दी थी कि आठ साल में 22 करोड़ युवाओं ने नौकरी के लिए आवेदन किया लेकिन नौकरी मिली मात्र सात लाख युवाओं को. कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका मतलब है कि लगभग 21.93 करोड़ योग्य युवा बेरोजगार रह गये. प्रियंका ने आरोप लगाया, सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा करने वाली भाजपा सरकार न पहले से मौजूद नौकरियां दे पायीं, न ही नये रोजगार सृजित कर सकी. कांग्रेस महासचिव ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार के अंतरिम बजट में नयी नौकरियां सृजित करने और बेरोजगारी से निपटने का न तो कोई दृष्टिकोण है, न कोई योजना.

विधायक खरीद-फरोख्त मामला : कैंप कार्यालय के अफसर को नोटिस लेने का निर्देश

आतिशी के घर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम

एजेंसी। नयी दिल्ली

अरविंद केजरीवाल के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम रविवार को आप सरकार में मंत्री आतिशी के घर नोटिस देने पहुंची है. हालांकि आतिशी घर पर नहीं मिली. करीब आधे घंटे तक टीम वहां बैठी रही. इसके बाद दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी ने अपने कैंप कार्यालय के अधिकारियों को दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के अधिकारियों से नोटिस लेने का निर्देश दिया है. इससे पहले शुक्रवार शाम को भी दिल्ली क्राइम ब्रांच की एक टीम आतिशी के घर भी पहुंची थी. लेकिन उस समय वह चंडीगढ़ में थीं. दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम शनिवार को भी अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित घर पहुंची थी. हालांकि टीम पांच घंटे बाद वापस लौट गयी थी. केजरीवाल से मुलाकात नहीं होने पर दिल्ली पुलिस ने सीएम ऑफिस में नोटिस सर्व कराया था. सीएम केजरीवाल से इस नोटिस का जवाब तीन दिन के अंदर मांगा गया है. सीएम से पूछा गया है कि आपने भाजपा पर जो आरोप लगाये हैं, उसके सबूत क्या हैं?

जेल भेज दें, पर हम झुकेंगे नहीं : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि भाजपा चाहती है कि हम उनकी पार्टी में शामिल हो जाएं लेकिन हम झुकेंगे नहीं. भले ही उन्हें जेल भेज दिया जाए, दिल्ली सरकार के जारी विकास कार्य रुकेंगे नहीं. केजरीवाल ने यहां किरारी में दो स्कूलों की इमारतों की आधारशिला रखने के बाद कहा, ईडी और सीबीआई जैसी सभी केंद्रीय एजेंसियों को उनके पीछे लगा दिया गया है. भले ही आप केजरीवाल को जेल में डाल दें, विकास के काम नहीं रुकेंगे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

डिप्लोमा इन प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी का कोर्स कर बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर। रांची

डिप्लोमा प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी कोर्स की अवधि 3 वर्ष है. यह कोर्स आपको प्रिंटिंग प्रेस के संचालन, इसे किस प्रकार डिजाइन किया गया है और इंजीनियरिंग के माध्यम से डेवलपमेंट की प्रक्रिया के बारे में जानने में मदद करता है. इस कार्यक्रम की सहायता से आप प्री-प्रेस प्रक्रिया और पोस्ट प्रेस प्रक्रिया के साथ साथ प्रिंटिंग टेक्निक की सभी बुनियादी प्रक्रियाओं को सीखेंगे. इस कोर्स को करने के बाद आप उन सभी छोटी बड़ी जगहों पर कार्य कर सकते हैं, जहां प्रिंटिंग से जुड़ा कार्य किया जाता है जैसे कि प्रिंटिंग प्रेस, कॉमर्शियल प्रिंटिंग प्रेस, पैकेज प्रिंटिंग प्रेस और सरकारी प्रिंटिंग प्रेस आदि.

डिप्लोमा प्रिंटिंग

- यदि आप भी नई टेक्निक के रिसर्च और डेवलपमेंट में उत्सुक रहते हैं तो यह कोर्स आपके लिए ही बना है.
- यदि आप इनोवेशंस को बढ़ावा देने के लिए एक क्रिएटिव, लीक से हटकर मानसिकता रखते हैं तो आप इस कोर्स को चुन सकते हैं.
- यदि आप इंडस्ट्री में एडवांस्ड मशीनों और सॉफ्टवेयर पर काम करना चाहते हैं.
- इस कोर्स को करने के बाद आप अपने विचारों को लोगों के सामने तस्वीरों के माध्यम से प्रकट कर पाएंगे.
- भले इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने पिछले कुछ समय में अपना वर्चस्व बढ़ाया हो लेकिन इस क्षेत्र में आपके पास विकल्पों की कोई कमी नहीं हैं.

भारतीय यूनिवर्सिटीज

- दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी
- सिंघानिया यूनिवर्सिटी, झुंझुनूं
- आरसी टेक्निकल इंस्टिट्यूट, अहमदाबाद
- महाराष्ट्र इंस्टिट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, पुणे
- गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, मुंबई
- नॉर्दन रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, प्रयागराज
- अरसन जेनसन पॉलिटेक्निक कॉलेज, मीनाचीपुरम
- महाराष्ट्र मुद्रण परिषद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- मोतीचंद लेंगडे भारतेश पॉलिटेक्निक, बेलगाम
- सिवाकसी इंस्टिट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, अनैकुत्तम
- सिगा पॉलिटेक्निक कॉलेज

आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

कॅरियर विकल्प

- न्यूजपेपर प्रिंटिंग प्रेस
- कॉमर्शियल प्रिंटिंग प्रेस
- पैकेज प्रिंटिंग प्रेस
- गवर्नमेंट प्रिंटिंग प्रेस
- सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस
- पब्लिशिंग हाउस
- एडवरटाइजिंग एजेंसीज
- पैकेजिंग इंडस्ट्री
- डिजिटल प्रिंटिंग कंपनीज

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)